रिजस्ट्री सं० की-(जी)-73



प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 43]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 25, 1980 (कार्तिक 3, 1902)

No. 43]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 25, 1980 (KARTIKA 3, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III-खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 ग्रगस्त 1980

सं० ए० 32015/1/80-प्रणा०-II—संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में स्थायी प्रनुसंधान सहायक (ग्र० एवं सां०) तथा स्थानापन्न ग्रनुसंधान ग्रन्वेषक श्री राम सिंह को, सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा श्रीमती राजकुमारी श्रानन्द, कनिष्ठ ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (ग्र० एवं सां०) को ग्रयकाश प्रदान किये जाने के कारण उनके स्थान पर 2-8-80 से 30-9-80 तक की ग्रवधि के लिए, श्रयवा श्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो ग्रायोग के कार्यालय में कनिष्ठ ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (ग्र० एवं सां०) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 27 ग्रगस्त, 1980

मं ० ए० 35014/2/80-प्रणा०-II--इस कार्यालय की ममसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 29-2-80 के ग्रनुकम में 860/IG

सचिव, संघ लोक सेवा ब्रायोग द्वारा संघ लोक सेवा के के॰ स० से० संवर्ग के स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री एम० पी॰ जैन को 10-9-1980 से एक वर्ष की श्रवधि के लिय, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, लेखा अधिकारी के संवर्ग वाह्य पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

EGISERED NO. D--(D)--73

श्री एम० पी० जैन लेखा श्रिधकारी के संवर्गवाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे श्रीर उनका वेतन वित्त मंद्रालय (व्यय विभाग) के समय-समय पर यथासंशोधित का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)/ई० III/60 दिनांक 4-5-61 में उल्लिखित अनुदेशों की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

पी० एस० राणा, श्रनुभाग श्रधिकारी ' **कृते** सचिव संघ लोक सेवा आयोग

11311

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 सितम्बर 1980

सं० ए० 12019/1/80-प्रणा०-II-सिव्व, सघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी ग्रनुसंधान सहायकों (हिन्दी) को 1-9-80 से 30-11-80 तक की ग्रवधि के लिये, ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, कनिष्ठ ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (हिन्दी) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न कप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है:--

- 1. श्रीमती सुधा भागंव
- 2. श्री जे० एन० एस० त्यागी

एस० सी० जैन ग्रनुभाग ग्रधिकारी कृते सचिव मंघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 सितम्बर, 1980

सं० ए० 38013/1/80-प्रशा०- — संघ लोक सेवा आयोग के स्थाई सहायक तथा अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० एन० घोष को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33(12)73-स्था० (क) दिनांक 24-11-1973 की शतों के अनुसार 30-9-80 के अपराह्म से वार्बवय निवर्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृत्ति की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

एस० बालाचन्द्रन उप सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंद्रालय

का० एवं० प्र० मु० विभाग

केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर, 1980

सं० ए० 19036/1/76—प्रशा०-5—प्रतिनियुवित की अविध समाप्त हो जाने पर, दिनांक 18-(-1980 के दिनांक 1-7-1980 तक 14 दिन की अर्जित छुट्टी के समाप्त होने के बाद श्री के० सुबक्षा, पुलिस उप-प्रधिक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० यू० (सी०) की केवाएं दिनांक 1-7-1980 के अपराह्म से आंध्र प्रदेश सरकार को वापस सौंपी जाती हैं।

दिनांक 30 सितम्बर, 1980

सं० ए० 19021/7/80-प्रणा०-5--राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री के० जे० सिंह, भारतीय पुलिम सेवा (पश्चिम बंगाल-1969) की दिनांक 18-9-1980 के पुर्वाह्म से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुवित पर पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> की० ला० ग्रोवर प्रणासन ग्रधिकारी (स्थ०)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 सितम्बर 1980

मं० ई०-28013/1/78-कार्मिक--निवर्तन की श्रायु पूरी होने पर श्री एन० एन० मोहन्ती ने 31 श्रगस्त, 1980 के श्रपराह्म से के० श्रौ० मु० ब० यूनिट, डी० एस० पी०, दुर्गापुर के कमांडेंट के पद का कार्यभाग छोड़ दिया।

> ह० अपठनीय महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० 11/110/79-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, गुजरात सिविल सेवा के ग्रधिकारी श्री एस० डी० वडेरा को गुजरात, ग्रह्मदाबाद में जनगणना काय निदेशालय में तारीख 8 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से, ग्रगले ग्रादेशों तक प्रतिनि-युक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री वडेरा का मुख्वालय राजकोट में होगा।
 दिनांक 4 प्रक्तूबर, 1980

मं० 11/33/79-प्रशा०-1-राष्ट्रपति, महाराष्ट्र सरकार के ग्रिधकारी, श्री जे० जे० यादय को महाराष्ट्र, अम्बई में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 16 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्य से, श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थाना-त्तरण द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री यादव का मुख्यालय पुणे में होगा।

म० 11/2/8 -प्रशा०-1--राष्ट्रपति, बिहार सिविलं सिवा के प्रधिकारी श्री सूर्य देव प्रसाद को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेणालय में तारीख 20 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुवित पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री प्रसाद का मुख्यालय मुजकरपुर में होगा।

सं० 11/2/80-प्रगा०-I--राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के श्रधिकारी श्री अखोरी प्रमोद शेखर सिंह को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 20 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से, श्रगले श्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सिंह का मुख्यालय पटना में होगा।

सं० 11/36/80-प्रणा०-1--राष्ट्रपति, इस कार्यालय के तारीख 28 मार्च, 1979 की समसंख्यक श्रिधसूचना के अनुक्रम में केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली शाखा, नई दिल्ली के कार्यालय श्रधीक्षक, श्री एम० एल० गुलाटी को नई दिल्ली में, भारन के महापंजीकार के कार्यालय में तर्थ श्राधार पर, श्रीनिगुक्ति पर, स्थानान्तरण द्वारा, 26 फरवरी, 1980 से 28 फरवरी, 1981 तक या जब तक पद नियमित प्राधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, उप निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री गुलाटी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/96/79-प्रणा०-I--राष्ट्रपति, मैसूर में केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान में अनुसंधान सहायक के पद पर कार्यरत श्री बल राम प्रसाद को कलकत्ता (भाषा प्रभाग) में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 20 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से प्रगले श्रादेशों तक, श्रस्थाई क्षमता में, 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ह० के वेतनमान में श्रनुसंधान श्रधिकारी (भाषा) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री प्रसाद का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 6 ग्रक्तूबर 1980

सं 18/57/80-प्रणा०-I--गृह मंत्रालय के केन्द्रीय सिविशालय सेवा सवर्ष के प्रमुक्षाग प्रधिकारी श्री एम० एन० जगत्यानी को, 30-9-80 के प्रपराह्न से अधिवर्षिता की श्रायु प्राप्त करने पर सेवा निवृत्ति के उपरान्त, राय्ट्रपति, उन्हें भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 1-10-1980 से छ: महीने की अवधि के लिये उसी पद पर सहर्ष पुन: नियुक्त करते हैं।

श्री जगत्यानी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, महालेखाकार-प्रथम स्वालियर, दिनांक 1 श्रवतुबर 1980

सं० प्रभा०-1/290--महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेण श्री जी० एन० बसल ,(02/0263) श्रनुभाग श्रधिकारी की स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के पद पर रुपये 840-40-1000-द० श्र०--40-1200 के वेतनमान में दिनांक 25-8-80 पूर्वाल्ल से, श्रथीत् वह दिनांक जिससे उनसे कनिष्ठ श्री बी० बी० एन० सक्सेना, श्रनुभाग श्रधिकारी इस कार्यात्रय में, लेखा श्रधिकारी के पद पर पदोन्नत हुए हैं, प्रोकार्मा पदोन्नति सहर्ष स्वीकार करते हैं।

धु० च० साह वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशा०

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 23 सितम्बर 1980

सं० 29015(2)/78-प्रणा०-I--राष्ट्रपति, भारतीय क्षा लेखा सेवा के निम्नलिखन ग्रिधिकारियों को उक्त सेवा के वरिष्ठ समयमान (रुपये 1100-50-1600) में, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये उनके नाम के सामने दर्शाई गई तिथि में आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।:--

ऋ० स० नाम	नियुक्ति की तारीख
1 2	3
1. श्रीमती ऊषा ग्रेस एन्टोनी	6~8-1979
2. श्री थामस ए० कल्लीव्यालिल	1-8-1979
3.श्री भ्रमिजित बसु	1-8-1979
 श्रीमती राधा ए० नंजनाथ 	30-8-1979
 श्री हरि मन्तोष कुमार 	1-8-1979
 कुमारी गंगा पुरकुटी 	1-8-1979
7. श्री धीर सिंह मीना	1-8-1979
8. श्री यशवन्त एस० नेगी	1-8-1979
9. श्री काहियू वायकी	2-8-1979
10. श्री गोत्तम सेन	1-8-1980
11. श्री वीरभद्रराव वेलगा	1-8-1980
12. श्री के० निरंजन राव	1-8-1980
13. श्री के० जी० मेनन	1-8-1980
14. श्री एस० एस० राघवन	1-8-1980
15. श्री देवी प्रसाद घोष	1-8-1980
16. श्री के० नटराजन	1-8-1980
17. श्री टी० एम० कल्याणारमन	1-8-1980
18. श्री ए० के० घोष	1-8-1980

1 2	3
19. श्री पी० एल० म्राहूजा	1-8-1980
20. श्री के० राजगोपालन	1-8-1980
21. श्री डी॰ राघव राव	1-8-1980
22. श्री डी० श्रार० वोहरा	1-8-1980
23. श्री ग्रार० विजयराघवन	16-8-1980

सी० वी० नागेन्द्र रक्षा लेखा ग्रपर महानियत्नक (प्रशा०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-नियति का कायलिय नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर, 1980 आयात-नियात व्यापार नियंत्रण स्थापना

सं० 6/1032/74-प्रणा०(राज०)/5760--सेवा निवृत्ति की श्रायु होने पर संयुक्त मुख्य नियंक्षक, श्रायात-नियति के कार्यालय कलकत्ता में श्री सलिल कुमार बोस, नियंक्षक, श्रायात-नियति ने 31 मार्च, 1980 के दोपहर बाद सं इम कार्यालय में उस पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

पी० सी० भटनागर उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-रियात इते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(श्रोद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 सितम्बर 1980

सं० 12/135/61-प्रमा० (राज०)--राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के श्री बसंत कुमार, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (रसायन) को दिनांक 23 ग्रगस्त, 1980 (अपराह्म) से श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान जयपुर में तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ए०-19018/4/73-प्रशा० (राज०)--दादरा एवं नागर हवेली प्रशासन, सिलवासा में प्रतिनियुक्ति से बापसी पर श्री जी० पी० माथुर ने दिनांक 17 जुलाई, 1980 (पूर्वाह्म) से ग्रौद्योगिक विस्तार केन्द्र, मेरठ में सह।यक निदेशक, ग्रेड-2 (ग्रांक्षिक) पद का कार्यभार संभाल लिया।

विनांक 27 सितम्बर 1980

सं० 12/395/63-प्रशा० (राज०)--राष्ट्रपितजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान मद्रास के श्री श्रार० पिचुमिन, सह। एक निदेशक, ग्रेड-I (रसायन) को दिनांक 5 सितम्बर, 1980 (पूविह्य) से श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संरथान, बंगलौर में तदर्थ श्राधार पर उप निदेशक (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 श्रवसूबर 1980

मं० 12(613)/69-प्रणा० (राज०)---राष्ट्रपितः, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के स्थाई लघु उद्योग संवर्धन अधिकारी (यांतिक) एवं तदर्थ सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांतिक) श्री जे० पी० धनंजय को निवर्तन-श्रायु प्राप्त कर लेने पर 31 श्रगस्त, 1980 (श्रपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की श्रनुमृति प्रदान करते हैं।

दिनांक 6 भ्रक्तूबर 1980

सं० ए० 19018/104/73-प्रणा० (राज०)--राष्ट्रपति-जी, स्थाई लघु उद्योग संबर्द्धन श्रिधकारी तथा लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में स्थानापन्न सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (श्राधिक श्रन्वेषण) श्री एस० एन० सेनगुप्ता को दिनांक 3 दिसम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक के लिये उसी संस्थान में तदर्थ सहायक निदेशक, ग्रेड-I (ग्राधिक श्रन्वेषण/उत्पादन सुचकांक) नियुवन करते हैं।

मं० ए० 19018/127/74-प्रशा० (राज०)--- उत्तर प्रदेण गासन के प्रधीन जिला उद्योग केन्द्र, हरदोई में महा-प्रबन्धक के पद की प्रतिनियुक्ति से प्रस्यावर्तन होने पर श्री ग्रार० एस० कोली ने दिनांक 29 श्रगस्त, 1980 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (श्राधिक श्रन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

महेन्द्र पाल गुप्त उपनिदेशक (प्रशा०)

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

(ख्यान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700 016, दिनांक 1 अक्तूबर 1980

सं० 7460बी/ए०-19012(3-जी० एन० एस०)/ 79-19बी---एम० ई० सी० लि० में स्थायी रूप से नियुक्ति हो जाने पर श्री जी० एन० सचान ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनज्ञ के पद से 14-9-1978 के श्रपराह्म से त्यागपन्न दे दिया है।

> वी० एस० कृष्णस्वामी महानिदेशक

भारतीय खान ब्यरो

नागपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1980

मं०ए० 19012/134/80-स्था०ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री श्रार० जी० वासनीक, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनन श्रभियात्रिक) को दिनाक 8 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "ब" के पद में स्थानापन्न सहायक खनन अभियता के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1980

सं० ए० 19012(136)/80-स्था० ए०--विभागीय प्रवोभित समिति की सिफारिश पर श्री श्रक्ष्पानंद नाईक, स्थाई बरिष्ठ तक्षनीकी सहायक (भूवैज्ञानिक) को दिनाक 12 सितम्बर के श्रपराह्न से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "ब" के पद पर स्थानापन्न सहायक खनन भूवैज्ञानिक के रूप में प्रदोन्नति प्रदान की जाती है।

एस० वी० ग्रली क∤यीलय ग्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1980

सं० एफ० 150-1/79-स्था०/16485--श्री म्रार० एस० पाण्डेय, हिन्दी म्रनुवादक, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, मुख्यालय, कलकता, को हिन्दी म्रधिकारी (म्रुप 'बी') के पद पर, ६० 650-1200 के वेतनमान में, म्रस्थाई रूप से तदर्थ श्राधार पर 29-9-1980 (पूर्वाह्न) से म्रागामी म्रादेशों तक, इसी विभाग के कलकता स्थित मुख्या-लय में नियुक्त किया जा रहा है।

डा० के० के० तियारी निदेशक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

ग्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1980

मं ० 4(42)/77-एस० एक-श्री श्रार० एल० गोखले कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, इन्दौर ने 21 श्रगस्त, 1980 में सेवा से त्यागपत्न दे दिया।

> एच० सी० जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1980

सं० 9/10/78-एस०-II--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वार, श्री के० एल० श्राहूंजा, स्टेनोग्राफर (वरिष्ठ), समाचार सेवा प्रभाग, श्राकाशवाणी, नई दिल्ली को 1-8-1380 (पूर्वाह्न) से रिपोर्टर (मानीटरिग), समाचार सेवा प्रभाग, जाकाशवाणी, नई दिल्ली के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानाप स्था में नियुक्त करते हैं।

एस० वी० शेषाद्रि उप-निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1980

स० ए० 12023/26/76-प्रणा०-प्र-परिवार कल्याण विभाग में मूल्यांकन प्रधिकारी के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री बी० डी० चन्दोला ने 5 श्रप्रैल, 1980 हे पूर्वाह्म को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरों से स्वास्थ्य शिक्षा श्रधिकारी (क्षेत्र श्रध्यमन तथा प्रवर्णन केन्द्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया हैं।

सं० ए० 12026/5/78-(सीं० एल० टी० श्रार० श्राई०)/।शा०-I--श्री टी० कें० एम० पिल्लैंई ने 31 जुलाई, 1980 श्रपराह्म को केन्द्रीय कुष्ठ शिक्षण एवं श्रमु-संधान प्रधान, चिगलपुट से प्रशासनिक श्रधिकारी के पद का कार्यभाः छोड़ दिया है।

माम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 प्रक्तूबर 1980

सं० ए० 19012/3/80-स्टोर-I-स्वास्य्य सेवा महानिदेशकः ने श्री डी० एम० ठाकर को 18 सितम्बर, 198_0

पूर्वाह्न से धागामी धावेशों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार बम्बई में सहायक डिपो प्रबन्धक के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

> शिव दयाल उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

ग्रामीण पुर्नेनिर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीवाबाद, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1980

सं० ए० 19024/6/79-प्र ०111 ग्रार० राम-कृष्णन की मुख्य रसायनज्ञ के पद पर ग्रह्मकालीन नियुक्ति की दिनांक 1-10-1980 से भ्रगले ग्रादेशों तक बढ़ाया गया है।

> बी० एल० मनीहार प्रशासन निदेशक कृते कृषि विपणन सलाहक ।र भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग कय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400001, दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० डी० पी० एस०/21/1(2)/78-स्था०/16274-ऋय तथा भंडार निदेशालय के निदेशक ने श्री टी० बी०
रामस्वामी, ऋय सहायक को 9 जनवरी, 1980 (पूर्वाह्न)
से 30 सितम्बर, 1980 (श्रपराह्न) ग्रथवा श्रगले श्रादेश,
जो भी पहले हो, तक के लिये इसी निदेशालय के दिल्ली
क्षेत्रीय ऋय यूनिट में २० 650-30-740-35-810-द०
रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ श्राधार पर स्थानापस सहायक ऋय श्रिषकारी
नियुक्त किया है।

श्रार० पी० डिसूजा सहायक कार्मिक श्रधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 22 सितम्बर 1980

सं० डी० पी० एस०/23/8/77-स्था०/16408-परमाणु ऊर्जा विभाग के अथ और भंडार निदेशालय के निदेशक ने इस निदेशालय के अस्थाई सहायक लेखा श्रिधकारी श्री वसंत बलवत व्यापारी को 5 अर्प्रल, 1980 (पूर्वाह्र) से 12 मई, 1980 (अपराह्र) तक के लिये उसी निदेशालय में रुपये 840-40-1000-दं० रो०-40-1200 के बेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न लेखा श्रिधकारी नियुक्त किया है।

सी० वी० गोपालकृष्णन सहायक कार्मिक प्रधिकारी (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैवराबाद-500 016, दिनांक सितम्बर 1980

सं० प० ख० प्र०-1/38/78-प्रशा०-परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री एस० बी० बी० राजू को परमाणु खनिज प्रभाग में 26 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से लेकर ग्रगले ग्रावेश होने तक ग्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक ग्रिधकारी/ग्रिभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/38/78-प्रशा०-परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्रारा श्री बिजेन्द्र सिह को परमागु खनिज प्रभाग में 22 सितंबर, 1980 के पूर्वाह्म से लेकर श्रगले श्रादेश होने तक श्रस्थायी कप से वैज्ञानिक श्रधिकारी /श्रभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/23/79-प्रमा०--परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री वाई० श्रार० सुत्यसारथी को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 श्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर श्रगले श्रादेश होने तक श्रस्थाई रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी /श्रभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 भ्रमतूबर 1980

मं० प० ख० प्र०-2/2941/79-प्रशा०--श्री कें ० ग्रार० तिलवाकर द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खिनज प्रभाग में वैज्ञानिक ग्रिधकारी/ग्रिभियन्ता ग्रेड एस० बी० के ग्रस्थाई पद से दिया गया त्याग-पत्र परमाणु खिनज प्रभाग के निदेशक द्वारा 17 सितंबर, 1980 के ग्रपराह्म से स्वीकार कर लिया गया है।

एम० एस० राव वरिष्ट प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1980

सं० ए० 38019/1/77-ई०-(1)--भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, श्रपने नामों के सामने दी गई तारीख को बार्धक्य आयु पर पहुचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

ऋ०स० नाम		पदनाम	दिनांक जिसको		
			ग्रधिकारी ने		
			निवृतन श्रायु		
			प्राप्त की		
1	2	3	4		
1. श्री ए	ल०सी० शर्मा	मौसम विज्ञानी	31-7-80		
		ग्रेड I 	(भ्रपराह्न)		

1	2	3	4		2	3	4
							
2.	श्री जी० सेव्	मौसम विज्ञानी	31-8-80	8.	श्रीए०गुप्ता	सहायक मौसम	31-8-80
		ग्रे ड I	(भ्रपराह्न)			विज्ञानी	(भ्रपराह्न)
3.	श्री एम० एन० पिल्लई	मौसम विज्ञानी	31-8-80	9.	श्रीके०सी० मुब्बईय	n सहायक मौसम	31-8-80
		ग्रेड I	(ग्रपराह्न)			विज्ञानी	(भ्रपराह्म)
4.	श्री वी० के० बी० उन्नी	मौसम विज्ञानी	31-8-80	10.	श्री एस० के० मूलये	सहायक मौसम	31-8-80
		ग्रेड 1	(श्रपराह्न)			विज्ञानी	(श्रपराह्न)
5.	श्री ए० एस० प्रभावल्कर	सहायक मौसम	30-6-80	11.	श्री कृष्णा प्रसाद	सहायक मौसम	31-8-80
		विज्ञानी	(ग्रपराह्न)			विज्ञानी	(ग्रपराह्न)
6.	श्री वी० एम० वरदाराजन	। सहायक मौसम	31-7-80	12.	श्री वी० मृत्तू स्वामी	सहायक मौसम	31-8-80
	·	विज्ञानी	(श्रपराह्न)		~	विज्ञानी	(भ्रपराह्न)
7.	श्री ए० योगानन्द	सहायक मौसम	31-7-80	_			के० मुखर्जी
		विज्ञा नी	(श्रपराह्न)				मौसम विज्ञानी
						कृते मौसम विज्ञान	ाके महानिदेशक

महानिदेशक नागर विामानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० ए० 32014/3/79-ई० मी०---महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक सकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है। ग्रीर उन्हें उनके नाम के सामने दिये गये स्टेशन पर तैनात किया है।

कम सं० नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	स्थानान्तरण के बाद तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने र्क तारीख
1 2	3	4	5
1. श्री के० बी० रामचन्द्रन	वै० सं० स्टेशन, बेंगलोर	वे० सं० स्टेशन, बेंगलोर	1-9-80 (घ्रपराह्न)
2. श्री जे० एस० भान	,, लखनऊ	,, लखनऊ	30-9-80 ,,
3. श्री जे० एस० सहगल	,, पालम	,, पालम	30-8-80 ,,
4. श्री डी० पिचुमानी	,, मद्रास	,, मद्रास	4-9-80 ,,
5. श्री ए० महालिंगस्वरा	,, बम्बई	,, बम्बई	5-9-80 ,,
श्री ईश्वर दयाल	,, पालम	,, नई दिल्ली	30-8-80 "
7. श्री एम० एन० घासमाना	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली	1-9-80 ,,
8. श्रीपी० एस० दलवी	वै० सं० स्टेशन, बम्बई	वै सं० स्टेशन, बम्बई	11-9-80 ,,

म्रार० एन० दास सहायक निदेशक, प्रशासन

वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 3 श्रक्तुबर 1980

सं० 15/78/70—स्था०—I—श्री जे० पी० बहुगुणा जो तदर्थ स्नाधार पर अनुसंधान स्रधिकारी नियुक्त किये गये थे, दिनांक 18-7-80 के पूर्वाह्न से उनको स्रपने मूल पद अनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग (सेलेक्शन ग्रेड) में प्रत्यावितित किया गया था।

जे० सी० वर्मा श्रध्यक्ष वन अनुसंस्थान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, विनांक 29 सितम्बर 1980

सं० 16/301/78-स्था०-I--प्रध्यक्ष, वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने, श्री हमीदछल्लाह, प्रधीक्षक वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को दिनांक 22 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से प्रगले प्रादेशों तक प्रस्थाई रूप से उसी कार्यालय में महायक कुल सचिव नियुक्त किया है।

श्रार० एन० महान्ती कुल सचि**ष** वन अनुसंघान संस्थान एवं महाविद्याक्षय केन्द्रीय उत्पाद श्लक एवं सीमा शुल्क समाहर्ताला

बम्बई, दिनांक 30 सितम्बर, 1980

सं० II/3-ई०/(ए) 2/77 पार्ट-I—-श्री ग्र० मु० पठान, प्रवर कोटि निरीक्षक जो प्रोन्नति पर है, ने दिनांक 29-8-1980 मध्याह्न से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, बम्बई-I में श्रष्टीक्षक वर्ग "ख" के रूप में कार्यभार संभान लिया है।

कु० श्री दिलीप सिंहजी समाहर्ता

इन्दौर, दिनांक 30 सितम्बर 1980

सं० 17/80—प्रशासनिक ग्रधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' के पद पर पदोन्नत होने पर श्री एच० एस० कंबर ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभागीय कार्यालय, रायपुर में श्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर दिनांक 23-8-80 के श्रपराह्न में कार्यभार ग्रहण कर लिंग हैं।

> एस० के० धर समाहर्ता

मद्रास-1, दिनांक 24 सितम्बर 1980 सीमाश्लक स्थापना

सं० 11/80—सीमाणुल्क घर, मद्रास के ग्रस्थाई मूल्यनिरूपक (विशेषज्ञ नहीं) श्री ठी० जयरामन ने 20-9-1980 के श्रपराह्म से मूल्यनिरूपक के पद से त्याग पक्ष दे दिया।

> ए० सी० गलडाना सीमाणुल्क समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 26 सितम्बर 1980

सं० 10/80—इस समाहर्ता क्षेत्र के सहायक समाहर्ता (मुख्यालय) केन्द्रीय उत्पाद शुक्क, नागपुर श्री एर० ए.म० शीराजी, ने सेवा निवृत्ति की श्रायु सीमा प्राप्त करने पर वे दिनाक 31 श्रगस्त, 1980 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं .11/80—पहले सहायक समाहर्ता (निवारक)/ तकनीकी)/(मूल्यांकन)/तथा (लेखा परीक्षा), केन्द्रीय उत्पाद श्रुरक, नागपुर के पद पर तैनात, श्री जी एस श्राहूजा ने, श्री एम एम शीराजी, को कार्यभार मुक्त कर, दिनांक 31 अगस्त, 1980 के अपराह्म से सहायक समाहर्ता (मुख्या-लय) केन्द्रीय उत्पाद शृष्क, नागपुर के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण किया।

सं० 12/80—श्री श्रार० जे० बेले, भारतीय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद णुल्क सेवा के अधिकारी, जो पहले वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, वित्त मदालय, राजस्य विभाग, नई दिल्ली के पद पर थे, ने स्थानान्तरण पर श्री जी० एस० श्राहजा, सहायक समाहर्ता को कार्यभार मुक्त कर दिनांक 15 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से सहायक समाहर्ता (निवारक)/(तकनीकी)/(मूल्यांकन) तथा (लेखा परीक्षा) केन्द्रीय उत्पाद णुल्क, नागपुर के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण किया।

के० शंकर रामन समाहर्ता

केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1980

सं० ए०-32014/1/80-प्रशा०-पांच--- श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग एतव्वारा निम्नलिखित श्रधिकारियों को श्रति-रिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से पूर्णत्या श्रस्थाई तथा तदर्थ श्राधार पर रुपये 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में छः महीने की श्रवधि के लिए श्रथवा पदो के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक के लिए, जो भी पहले हो, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से नियक्त करते हैं:---

ऋ० सं० श्रधिकारी का नाम तथा	श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/
पदनाम	सहायक इंजीनियर के रुप
	में कार्यभार ग्रहण करने
	की सारीख
	

	का ताराख	
1 2	3	
सर्वश्री		
1. जी० पी० वर्मा, पर्यवेक्षक	5-9-80	(पूर्वाह्न)
 एन० डी० गुप्ता, पर्यवेक्षक 	11-9-80	(पूर्वाह्र)
3. डी० एस० श्रग्रवाल, पर्यवेक्षक	15-9-80	(पूर्वाह्न)
4. ए०पी० गर्ग, पर्यवेक्षक	18-9-80	(पूर्वाझ)
 मोहन कुमार, पर्यवेक्षक 	5-9-80	(पूर्वाह्न)
 भ्रार० के० बर्मन, पर्यवेक्षक 	6-9-80	(पूर्वाह्न)
 ग्रासिफ ग्रली, पर्यवेक्षक 	12-9-80	(पूर्वाह्न)
8. एस० एस० सिंह, पर्यवेक्षक	11-9-80	(श्रपराह्म)

के० एल० भंडुला श्रवर समिव केन्द्रीय शल आयोग निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1980

सं० 33/11/78-ई० सी०-9(खण्ड तीन) — राष्ट्रपति, सहर्ष, यृ० पी० एस० सी० द्वारा नामित श्री पी० जी० पटेकर को उप वास्तुक (मी० सी० एस० ग्रुप ए) के ग्रस्थाई पद पर के० लो० नि० वि० में २० 700/- प्रति माह के वेतन पर 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान (सामान्य भत्तों सहित) में 21-8-80 (पूर्वाह्न) से सामान्य नियम एवं गतौं पर नियुक्त करते हैं। उनका वेतन नियमानुसार जल्द ही दुवारा तय किया जाएगा।

2. भी पी० सी० पटंकर 21-8-80 (पूर्वाह्म) से दो वर्ष की परिवीक्षा स्रवधि पर रखे जाते हैं।

> के० ए० ग्रनन्थानारायनन प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय व कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यांक्षय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर कोवार्स प्रापरटीज लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 25 सितम्बर 1980

मं० 27027/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसारण में एतद्-द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख़ मे तीन माम के श्रवसान पर कोवार्म प्रापरटीज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> र० वि० विस्वास कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स गार्डेन स्टोरेज (आसाम) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

णिलांग, दिनांक 29 मितम्बर 1980

मं० जी० पी० /1040/560(5)/2277—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की खपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स गार्डेन 2-296GI/80

स्टारेज (श्रासाम) प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया हैं भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

> एस० के० भट्टाचार्य कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर डरना सिक्यूरिटी प्रा० लिमिटेड के विषय में बंगलौर, दिनांक 30 सितम्बर 1990

मं० 1396/560/80——कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर डरना सिक्यूरिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स विश्वास सेविंग एण्ड फाइनेन्सिंग प्राह्मवेट लिमिटेड के विषय में

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 ग्रक्तूबर 1980

सं० 560/1821— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के ग्रनुसारण में एतवृद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर भेसर्स विश्वास सेविंग एण्ड फाइनेन्सिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विध-टित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स सैफि फाईनेन्स कंपनी लिमिटेड के विषय में

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 श्रन्तूबर 1980

सं० 560/1331/560—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि, इस तारीख में तीन माम के श्रवमान पर मेमर्स सैंफि फाइनेन्स कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी। कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स परीतोष फाई-नान्स एण्ड ट्रेंडिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 1980

सं० 560/2392—कम्पनी श्रिधनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स परितोष फाईनान्स एण्ड ट्रेडिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कु० गो० श्रनन्तकृष्णन प्रमंडल पंजीयक गुजरात, अहमदाबाद ग्राय-कर ग्रपील ग्रधिकरण बम्बई-400020, दिनांक 27 सितम्बर 1980

मं० एफ० 18-ए० डी०(ए० टी०)/80-भारतीय खाद्य निगम, 11/ए, मिर्जा गालिब मार्ग, कलकत्ता-16 में उप प्रबंधक (विधि) के पद पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के फलस्वरूप श्री सूर्य नारायण मण्डल, स्थाई सहायक पंजी-कार, श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई दिनांक 27 सितम्बर, 1980 (श्रपराह्न) से श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण के कार्यभार से मुक्त हो गए।

श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण के सहायक पंजीकार के स्थायी पद पर उनका पुनर्ग्रहणाधिकार नियमान्तर्गत दिनांक 27 सितम्बर, 1980 (ग्रपराह्न) से दो वर्षों की श्रवधि तक बना रहेगा।

> टी० डी० सुग्ला श्रध्यक्ष

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रजन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 श्रक्तूबर, 1980

निर्देश सं० ए० सि०/रेंज-Пकल०/19—यतः मुझे, के० सिंहा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

स्रौर जिसकी सं० 194 है तथा जो मिनक तला मेन रोड़ कलकत्ता में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय एस० स्रार० सेयालदह, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 16-1-80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्देश्य में उन्न अन्तरम लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में पैंडिक्त अधिनियम को धारा 269-घ की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नन्द दुलाल श्रीमानि ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रानन्द दानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगा गया हैं।

अनुसूची

1/8 थ्रंश, 194 मानिक तला भेन रोड़ पर दो तथा कोठी 1 माठे जिमन 22के-14च-26 स्केंबर फुट। पी० एस० मानिक तला, कलकत्ता।

> के० सिंहा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I^I, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-1980

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर **मी**र्भानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अक्तूबर 1980

निदेश सं० ए० सि० /रेंज-2 कल०/19—यतः मुझे, के० सिहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर संपित्त जिसका उिषत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 194 है तथा जो मानिक तला मेन रोड़ कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार०, शेयालदह, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1~80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिक्त से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण पिलिखत में वास्तिवक ख्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/यः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा मुकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 691-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

(1) श्रीनन्द दुलाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रासिस दानि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राज्या में प्रकार है। हारा से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/8 श्रंश, 194 मानिक तला मेन रोड़, पर तोतला कुटी, मोटे जिमन 22के—14 च-26 स्कैयर फुट पि० एस० मानिक तला, कलकत्ता।

के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता—16

तारीख: 7-10-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन• एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 7 अ≆तूबर

निदेश मं० ए० सि० रेंज $-\mathrm{II}/\mathrm{arg}$ 0/19 यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवान 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारा का यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व्यये से अधिक है और जिसकी सक 194 है तथा जो मानिक तला मेन रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एसक आरक सीलदाह, कलकत्ता में रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 16-1-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफान करलेए यन्तरिन की गई है और मूझ यह विषयान हरने के कारण है कि प्रयाप्योंकन सम्पत्ति का उचित प्राजार मूल्य, पाक दृश्यमान प्रतिकल से. ऐन दृश्यमान प्रतिफान का परद्वह रिशान से प्रधिक है और प्रन्तरक (श्रमारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) वे बीच ऐसे प्रस्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक्षक कि निम्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तावक कर ने किथात नहीं किया गया है :---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उवत ग्राध-नियम, के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर श्रिष्टिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-। समम, 1957 (1957 की 27) के अयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चानिए था, अपाने में गृषिधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:— (1). श्री नन्द दुलाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति रजनी कान्त दानि ।

(ग्रन्तरिती)

ो यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्य न हिया करता हूं।

ात सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त न्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस मुचना के राजपत में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर अंगित में हिनदद किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पर्छा तरण:--हमर्मे प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदां का, जो उक्त ग्रीधिनयम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही भ्राये होगा जो उन ग्रध्याम मं दिया गया है।

अनुसूची

⁷8 भ्रंण, 194 मानिक तला मेन रोट पर दोबला कुटी, मोठ जिमन 22के—14च 26 स्केयर फुट पि० एस० मानिक तला, कलक ।

> के० सिन्हा, मक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेज –II, कलकत्ता–16

तारी[,] 7-10-80

मोहर

प्रकप भाई • टी • एन • एस • - --

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अक्तूबर 1980

निदेश सं० ए० सी०/ रेंज-2, कल 0/19--यतः मुझे, के० सिंहा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका छ बित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 194 है तथा जो मानिक तला मेन रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधंकारी के कार्यालय, एस० श्रार० सीलडाह, कलकत्ता, 16-1-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरत की गई है और मृष्टे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय मा किसी डन या अन्य मास्तिमीं को जिन्हें भारतीय श्रायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात :--- (1) श्री नन्द दलाल श्रीमानि ।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी हाना दारि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस यूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की मविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस मुक्ता के राजपत में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंमे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो उधत ग्रिप्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/8 श्रंश, 194, मानिक तला मेन रोड़, परदोनला कुठी, मोढ जिमन 22के—14च -26 स्केयर फुट, पि० एस० मानिक तला, कलकत्ता ।

के० सिहा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16।

तारीख: 7-10-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 7 अक्तूबर 1980

निदेण सं० ए० सि० /रेंज-II/कल $\circ/80--$ यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 194 है तथा जो मानिक तला मेन रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० मेयालदह कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-80

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग क्रं अनसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री नन्द दुलाल श्रीमानि ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विमनलाल दानि ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

श्रनु सूची

1/8 श्रंश, 194, मानिक तला मेन रोड पर दोतला कुटी 1 मोट, जमीन 22के—14छ-26 स्केयर फुट पि० एस० मानिक तला, कलकत्ता।

के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-80

प्रका आई० टी० एन० एम - 🛶

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा रेत्रा (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-∐, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 7 अक्तूबर 1980

निदेश सं० ए० सि० /रेंज-II/कल०/80-—यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे टसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति दिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-र• से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 194 है तथा जो मानिक तला मेन रोड, कल हत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से व्रिणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय एस० धार० सियालदाह, कलकत्ता मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से अक्न धस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अनि-नियम के प्रधीन कर वेने के प्रन्तरक के दायिस्व में लमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य श्रास्थियों को, टिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1822 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, पा घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विचा गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) थी नन्द दुलाल श्रीमानि ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रनिता दानि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका प्रमति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति ह अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पास में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वव्दोकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1/8 श्रण, 194, मानिक तला मेन रोड पर दोतला कुटी मोट जर्मान 22के-14छ 26 स्क्वेयर फुट पि० एस० मानिक तला, कलकत्ता ।

के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त ग्रर्जन रेंज-JI, कलकत्ता--16

तारीख: 7-10-80.

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 असत्बर 1980

निदेश सं० ए० सि०/रेंज II/कल०/80—यत: मुझे के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 194 है तथा मानिक तला मेन रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० सेयालदाह, कलकत्ता में रिजस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० सेयालदाह, कलकत्ता में रिजस्ट्रेकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16—1—80

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त भाषिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्राधिनियम की धारा की 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीतः—
3—296GI/80

(1) श्रो नन्द दुलाल श्रोमानि ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमिति किरती दानि ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, यही ग्रयं होगा, जो उस ग्रष्टवाय में दिया गया है।

श्रनुसूची

1/8 श्रंण, 194, मानिक तला मेन रोड पर दो तला कुटो, मोठ जमीन 22 के--14 छ-26 स्केयर फुट, पो० एम० मानिक तला, कलकत्ता।

> कें० सिन्हा, सिक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 7-10-80

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज -III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अक्तूबर 1980

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कल०/80 यतः मुझो, के० मिहा,

मायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रीधक है

भौर जिसकी सं ० 194 है तथा जो मानिक तला मेन रोड़, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच में भौर, पूर्ण रूप से विज्ञत है), रिष्ट्र वर्ता श्रधिकार के कार्यालय, एस० ग्रार० सियालदाह, कलकत्ता में, रिष्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-80

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप म कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या घन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनायं धन्तरिती भ्रारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के लधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रानन्द दुलाल श्रामानि ।

(ग्रन्नरक)

(2) श्रंतिसान दानि।

(ग्रन्तरिनो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्न स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पढदोक्तरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उकत प्रधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

1/8 श्रंग, 194, मानिक तला मेन रोड़, पर दोतला कुटो, मोठ जिमन 22के -- 14 छ-126 स्कृ० फुट पो० एस० मानिक तला, कलकता।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक ग्रायकर ग्रायकत (निरक्षण)
अर्जन रेज-II
54, रफाग्रहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16.

तारोख: 7-10-80.

मोहरः

प्ररूप आई० टी• एन० एस०---

आयकर प्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 6 सितम्बर 1980

निदेश सं०ए०एस०भार०/80-80/125--यतः मुझे, स्नानन्द सिंह,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- २० से अधिक है

भीर जिसके। सं० एक प्रापर्टी कूचा भाभ इसा, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्र. कर्ता अधिकार के कायि तय एस आर, अमृतसर में रिजिस्ट्र. करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारी अञ्चनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; खोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ध्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त प्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रामता रामण्यारा पतन श्री तारा चन्द वासी न छमन-सर राहा श्री नारा चन्द पुत्र महाराजमल वास लक्षमनसर अमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रों किशन चन्द पुत्र मन्त राम और 2. श्रीमती रतन-देवो पत्नो श्री किशन चन्द पान, बन्सो गुलशन लाल पुत्र किशन चन्द बाजार लष्ठमनसर, श्रमृतसर। (अन्तरितो)

(3) जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) ग्रौर कोई।

(बह् व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाद्विया करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जी भी धविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोकन क्याक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन को सारोख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास निखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गन्धों और पदों का, जो छक्त प्रधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रार्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

एक घर 2964 नं० 138 और नं० 1028, कूचा भाभा हुआं, चैक बाबा साहब, बाजार लछननसर, ग्रमृतसर में जैसा कि डड नं० 2901/I दिनांक 11—1—80 रजिस्ट्रकर्ती श्रधिकारों, अमृतसर में दर्ज हैं।

> म्रानन्द सिंह, सक्षम प्रधिकारो महायक प्रायकर प्रायुक्त (निराक्षण), ग्रर्जन रेंज, चन्द्रपुरा, टेलर रोड, प्रमृतसर ।

तारीख: 6-9-1980.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर श्रमृतसर, दिनांक 6 सितम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81-126:--यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एम० आयकर धिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- इपए से अधिक है

भीर जिसकी सं रानी का बाग अमृतसर में एक प्लाट है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, एस० आर० अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ताराख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए धन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत; उक्त ग्रिप्तियम के ग्रिप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के निए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री फकीर चन्द, पुत्र श्रो हरी चन्द, वासो कूचा लाम्बा तौबा भाई मालो, श्रमृतसर।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रोंम प्रकाण पुत्र बसन्त लाल केयर श्राफ प्रकाण रिक्शा कम्पनी प्रतलोघर श्रमृतसर नजदीक रेलवे वर्कणाप ।

(म्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० नं० 2; म्नर किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **ग्राक्षेप**।—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की घर्वाध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की घर्वाध, जो भी घर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पर्वो का, जो उन्त धिवियम के धन्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्ष होगा जो उस धन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट खमरा नं० 2872/652-2820 खाता खातौनी नं० 525/732 रानो का बाग ध्रमृतसर में स्थित है जसा कि रिजस्ट्रोकर्ता ध्रधिकारी के सेल डीड नं० 2992/1 दिनांक 18-1-80 में दर्ज है ।

ग्रानन्द मिह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर 3-चन्द्रपुरी, टेलर रोड़, ग्रमृतसर

तारीखा: 6-9-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ध्रमृतसर

श्रमुतसर, दिनांक 6 सितम्बर 1980

निदेण सं० ग्रमृतमर/80-81/127—यत. मुझे, ग्रानन्द सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० लारैण्म रोड़ पर एक कोठी है तथा जो अमृतसर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय एम० स्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधान, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथतु नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों अधीतः.—

- (1) श्राः अमर नाथ, आयुद्धया प्रकाण, ज्ञान दुई, राम प्रणाद, बालक राम, गुर प्रकाण, श्रीमति राम प्यारी (प्यारी) द्वारा श्रो भोम सेन मुखतार श्राम, वासी जलालन्धर श्रब लारैण्स रोड़, श्रमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्रोमित प्रेम वतो पुत्रो श्रो विशन दाम वासो गांव ठठा, तहसील तरन तारन, जिला ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा स० नं० 2 ऊतर श्रौर किराएदार श्रोमित प्रेमो वता सन् 1969 से 120/- काए प्रति महोता।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) भ्रौरकोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बढ़ है**)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यव हियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हिः रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कुर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

यमुस्ची

्रक्रकोटे: नं० 70/20 नं० 85—ए, (रक्रबा 417 वर्ग मीटर) लारं । रोड़ पर स्थित है जो रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के सेल डीड नं० 2980/18-1-80 में दर्ज है ।

श्रानन्द सिंह; सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, श्रमृतसर 3-चन्द्रपुरी, टेलर रोड़, श्रमृतसर

तार ७: 6-9-1980.

मोहः ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमुतसर

श्रमृतसर, दिनांक 9 सितम्बर 1980

निदेश सं० श्रमृतसर/80-81/128---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रजीत सक्षम प्राधि कारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि कटड़ा खजाना वाला, खूही लोंगा वाली श्रमृतमर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूचे। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रा कर्ता श्रधिकारा के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्र करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ताराख जनवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुइ किसी श्राय की बाबत, उक्त श्राध-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे चचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर भ्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उनत ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रः वनवारो दासपुत्र श्रेः दान चन्द कटड़ा खाजाना वाला, गलः नन्द लाल, श्रमुतसर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बच्देव सिंह पुत्र करनैल सिंह गेट, भगता वाला, स्रमृतसर।

(भ्रन्तरितो)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो। (वह ब्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि स्रोर कोई व्यक्ति इस जायदाद में हिच रखता हो तो।

> (वह व्यक्ति, जितके बारे में प्रयो-हस्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति मों हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः → - इननें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो कि कटड़ा खजाना गली खूहा लींगा वाली जो कि म्यूनिसिपल कारपोरेशन में स्थित है जैसा कि सेल डाड नं० 3169/1 दिनांक 30-1-80, ख्राफ रजिस्ट्रींग ख्रायारटा अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> ंग्रानन्द सिंह, सक्षम श्रधिकारो, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तार**ेख** : 9—9—80.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनाक 9 सितम्बर 1980

निदेश सं० ग्रमृतसर/80-81/129 ---यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसका सं० एक जायदाद है तथा जो कि गुलाब सिंह वाला में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूनों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिन्द्रारुती अधिकारा के कार्यानय, श्रमृतसर में रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरितो (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उनत श्रिष्ठितयम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या प्रान्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रो जोवन सिंह पुत्र हेम राज गली डवकरा, चोल मंडो, अमृतसर।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रेः तारा चन्द पुत्र श्रोः बाबू राम ग्रौर श्रोमित जयां-वंनो पत्नोः श्रो बाबू राम कटरा बिधयां, ग्रमूनसर 【ग्रन्तरितो】
- (3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो जक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो कि गला गुलाब सिंह वालो चान मंड़ी, ग्रमृतसार में स्थित है। जैसा कि रजिस्ट्री नं० 2864/1 दिनांक 9-1-80 ग्राफ रजिस्ट्रीग ग्रथारटी ग्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> न्नानन्द सिंह मक्षम न्निधिकारी, महायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतमर

ताराख: 9-9-80-

मोहरः

प्रकप माई० टी • एन • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

म्रामृतसर, दिनांक 9 सितम्बर 1980

निदेश सं० ग्रमृतसर/80-81/130:—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण दैकि स्थावर संपत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/-स्क से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रापर्टी गला कंघारियन है तथा जो एस० श्रार० में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारा के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशंत भिषक है
भीर अन्तरक (भन्तरकों)और अन्तरिती (भन्तशितयों)के बीव ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उवत अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया
है !--

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी माम की बाबत उपत आधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की, जिन्हें भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उप-घारा (1) के अवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, खर्यात्ः--- (1) श्रीमती श्रोम प्रकाश पुत्र बाल मुक्तद चौक लख्मन सर, श्रमृतसर।

१(म्रन्तरक)

- (2) श्रो राज कुमार स्रोर शिव कुमार पुत्रान जगा नाथ वासा मोती बाजार कूचा बूरा मल, ग्रमृतसर। (अन्तरिता)
- (3) जैसा कि मं० 2 पर क्रौर कोई किराऐदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रीर कोई।

(बहव्यिक्त, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ब) इत सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 46 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबब किसी भन्य व्यक्ति बारा, मधीहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्हीकरण: → -इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही भयं होगा, यो उस अध्याय में दिया भया है।

प्रनुसूची

एक प्रापार्टी नं० 1071/A-26 VIII-8 गती कंधारी बाजार नमक मंडी अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2899 दिनांक 11-1-80 जैसा कि रजिस्ट्ररी अधिकारी अमृतसर में दर्जं है।

> आनन्द सिंह् सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारी**ख**: 9-9-80

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 9 सितम्बर, 1980

निवेश सं० ग्रमृतसर/80—81/131:—यतः मुझे, ग्रानन्व सिंह, धायकर भिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या है), की बास 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-द० से भिंधक है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट जो जसपाल नगर, सुलतान पिड रोड़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकिक म वाह्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्राह्मियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:—

- (1) श्रीमती कर्मी पत्नि करनैल सिंह वासी सुलतान पिंड अमृतसर, क्वारा करनैल सिंह मुखतार खास । (अन्तरक)
- (2) श्रीमित सीता रानी पत्नि स० किशन लाल श्रीर श्रीमित श्रमृतावामा पत्नि जीवन दास, वासी कोट बाबा दीप सिंह, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई ¦किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।
- (4) ग्रौर कोई । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता है।

क्रमल हाम्यक्ति के अर्थना के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस्य सूज्यता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रबं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट खसरा नं० 612 जो कि जसपाल नगर, सुलतान पिण्ड में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3126 दिनांक 25-1-80, रजिस्दी मधिकारी भमृतसर में दर्ज है।

> ध्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 9-9-1980

प्ररूप ग्राई० टी० १२० १२०--

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 9 सितम्बर, 1980

निदेश सं० अमृतसर/80-81/132:—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार-मूल्य \$5,000/г-रु० से अधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो कि मकवूल रोड, श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुस्कि में ग्रीस-भूणे किए में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी में लागित में प्रिम्स में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियस, 1903 (1908 कि 16) में ग्रधोन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे नह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल, का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण हैंसे हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनयम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्म ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता ग्रिधिनयम, वा धन-कर ग्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं 'किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ण के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, ग्रथीत.

(1) श्री ग्रमरीक सिंह पुत्र देवा सिंह दुधना तहसील व जिला ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरनाम कौर विधवा इकवान सिंह 370 ईस्ट मोहन गनगर, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में ग्रौर कोई किरायेदार हो तो। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके वारे में भ्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के यर्जन के लिए कार्यकाित्यां करता हूं।

र्जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तस्रीय में 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी त्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिंध, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ंखं) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं स्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो कि मकब्ल रोड, प्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2982/1 दिनांक 18-1-80 ग्राफ रजिस्ट्रींग ग्रथारटी ग्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> स्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर सायुक्त निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, स्रमृतसर ।

तारीख: 9-9-1980.

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 सितम्बर, 1980

निदेश सं० श्रमृतसर/बटाला/80-81/133:--यतः मुझे, श्रानन्द सिह श्राई श्रार एस,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी बटाला में हे तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में इ विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० बटाला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पृष्णिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि कि विश्वास के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि कि विश्वास के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि कि विश्वास के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि कि विश्वास के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि कि विश्वास के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि कि विश्वास के लिए तथ पाया गया प्रतिफल के लिए तथ पाया गया प्रतिफल के लिए तथ पाया गया प्रतिक के से विश्वास नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; कार/या
- (३) १ ते ते का प्राप्त पिसी धन ता देख नात्तिय।
 हती अन्हीं भारतीय अत्यक्तर अधिनियम, 1922
 1921 का (1) या उक्त अधिनियम, या ध्रा
 हत और नेयम 1957 (1957 का 27) के
 प्रयानवार का ति वास प्रकट नहीं तिल गर्म
 भा का भागत नाहर है । के लिए:
- र प्राप्त । जार नाहा । जार नो द्वाला 269ना के अनुसरण में, में न प्राप्त भाषा १९७२ को साधारा (1) के अवस्थ भाषा प्राप्त १०००

- (1) श्रीमित ऊर्मिला रानी पत्नी श्री जुगल किशोर वासी बटाला (मौहल्ला डोला नंगल)। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमति कविता अग्रवाल पत्नि श्री महिन्दर पाल मेन बाजार, नजदीक नेहरु गेट, बटाला। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० नं० 2 और किराएदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- ('4) ग्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्तित के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 रिकामी अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचभा की तालोग से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचका के राज्यव में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहां अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

द,चस्यः.

> यतः । संश्वमा १८ ५ १७ स्थानसम्बद्धाः विश्वमार

उमर ७ तसर

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के ग्रघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर <mark>ग्रामुक्तं (निरीक्षण</mark>)

म्रर्जन रेज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11सितम्बर, 1980

निदेश सं० श्रमृतसर/80-81/134-यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० आर० एस ब्यायंकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिविनयम' कही गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रुपए से मधिक है

भौर जिसकी सं० गांव सुलतान पिंड में एक प्लाट है तथा जो में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ अनुपूची में भौर पूर्ण रूप में भणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० धार० श्रमृतसर में रंजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुंबे पह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ष्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) धीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाय। गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी घन या ध्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय द्याय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री जगत सिंह वासी गांव सुलतान पिंड तहसील श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री निहाल चन्द भ्रग्रवाल पुत्र श्री ज्योति सम श्रीर श्रीमित गीता गुप्ता पित श्री रमन कुमार गुप्ता श्रीर श्रीमित कविता सिंगला पित्न रामेण्वर दास सिंगला वासी 10 रानी का बाग श्रीर श्रीमित रीठ प्यारा पित्न प्यारा लाल श्ररोरा, वासी 20—डी रानी का बाग, श्रमृतसर।

(भ्रग्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० नं० 2 श्रीर किराएदार यदि कोई हो।

> (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबदा है)।

को चहं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ते संस्कृति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीक्ष-नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव मुलतान पिंड में 8 कनाल 14 मरले का एक प्लाट स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के सेल डीड नं० 2821 दिनांक 4-1-80 में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 11-9-80

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ध्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० श्रमृतसर/80-81/135—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति. जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

धौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि तहसील पुरा ध्रमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिषकारी के कार्यालय, ध्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, सारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यात नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्राध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनयम, या धन-कर भ्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भ्रात्मा राम पुत्र जीवन मल मकान नं० 264/13, तहसील पुरा, भ्रमृतसर ।

(अन्तरक)

- (2) श्री जोगिन्द्र पाल पुस्न श्रात्मा राम मकान नं० 264/13, जी० टी० रोड़, तहसील पुरा, श्रमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में यदि ग्रौर कोई किरायेदार हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो ।

> (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अपित्तयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गड़वों श्रीर पर्वों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टमाय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत नं० 264/13 जो कि तहमील पुरा स्रमृतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 3114 दिनांक 25/1/80 स्राफ रजिस्ट्रीग स्रथारटी स्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

'सारी**ख:** 11-9-80.

प्ररूप आई० टी० एन० एस० 🕂 ।

आयकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 11 सितम्बर, 1980

निदेश स० ग्रमृतसर/80-81/136--यत मुझे, ग्रानन्द सिह, म्राई० म्रार० एस० ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका , उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक श्रोर जिसकी स० ईस्ट मोहन नगर श्रमृतसर मे एक प्लाट हे तथा जो से स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रोर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय एम० भ्रार० श्रमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 **का** 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से ग्रधिक है ग्रौर भन्तरक (प्रनारकों) ग्रीर भ्रन्तिरती (ग्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तम पाया गमा प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य के उसा प्रनारम निधान में वास्तविक रूप से कृथित नही किया गया है:--

- (क) म्रन्तरण में हुई किसी म्राय की बाबत उक्त म्रधि-नियम, के म्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करन या उनस बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख' हेंसी किसी ज्या माहित्या में या अन्य माहित्यों के , महें जा ताम एक न अधिनियम, 1922 के एक न महित्या के किया के न महित्या के न महित्

अन, प्राप्त का अनुसरण में, हिन्द कि का अनुसरण में, हिन्द कि सामकी छहा 269-च की उपधारा (1) ज का का नाम का का रावित्र प्रशास्त--

- (1) श्री रोक्षन लाल खोसला पुत्र श्री राम रत्न खोसला वासी कटडा भाई सन्त सिंह, ग्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री शाम सिंह पुत्र स० कर्म सिंह ग्रौर परमजीत सिंह पुत्र श्री शाम सिंह वासी स्वाक मण्डी, गली जमुग्रा, मकान न० 1093/7, ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जेसा कि स न० 2 और किराएदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्क प्लाट न० 205 ग्रार 204 मिम (रकबा $512\frac{1}{2}$ वन् मीटर) ईम्ट नोडन नगर ग्रमृतसर म स्थित हे जैसा कि राजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के भेल बोड न० 2819 दिनाक 4-1-80 में दर्जे है।

म्रानन्द सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजंन रेज, म्रमृतसर

न्ताट .1−9−80 स्टर प्ररूप भाई • टी • एन • एस > --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० ग्रमृतसर/80-81/137--यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह, ग्राई० ग्रार० एस० आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार **मल्य 25,000/- र• से ग्र**ंशिक उँ ग्रौर जिसकी मं० एक प्लाट है तथा जो ईस्ट मोहन नगर (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उवित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे (ग्रन्तरकों) अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित पंदुंग्य से उबत धन्तरण निखित में गास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है :- -

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बाधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः। अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थातः— (!) श्री रोशन लाल खोसला पुत्र श्रा राम रता खोसला, वासी कटडा भाई सन्त सिंह, ग्रमृतसर!

And the second s

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुन्दन सिंह पुत्र श्री व्हाटर सिंह वासी 62-र्नस्ट मोहन नगर, ग्रमुतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 ग्रौर किराएदार यदि कोई हो।

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोकः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उरत सम्मत्ति है प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (फ) इस सूचता है सकाब ने प्रताशत की तारीख में 45 दिन को प्रविधि या तत्सवद्यो क्यक्तियोः पर सूचना के नामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में नमान्त होती हो, के भीतर पूर्वतित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगें.

स्पटीकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'छक्त प्रधिनियम क अञ्चर 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होग' को उस अध्याय में दिया

अनुसूची

_ 540 वर्ग पीटर एक प्लाट ईस्ट मोहन नगर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ग के सेल डीड नं० 3069 दिनाक 23-1-80 में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिह, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्राय्वन (जिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

तारीख: 11-9-1980

मीहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० श्रमृतसर/80-81/138—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, आई० आर० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,00 €/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एकं प्रापर्टी है तथा जो कटड़ा माहन मिंह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुभूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुनिवृद्धित व्यक्तियों अधितः—

(1) श्रीमात लसवंत कौर विधवा श्री भगत सिह वासी 11-वा, दया नन्द कलीनी, लाजपत नगर, 24-देहला ग्रव ग्रमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित दर्शना रानी परिन श्री अर्जन जीत पुत श्रा बलाको राम वासी कटड़ा जैमल सिंह, गली भाटड़ीया केयर श्राफ श्रर्जन टो स्टाल, कटड़ा जैमल सिंह, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रौर किराएदार यदि कोई हो।

> (वह व्यक्ति, जिसके द्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भ्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरा क्रिलानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त कम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के वास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्हीकर्षः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

कटड़ा माहन सिंह नजदोक स्टेट बैंक आफ इण्डिया श्रमृतसर में एक हमारत नं० 2171/1, 1696/I-20 में स्थित है जो रिजस्ट्रींग श्राथारटी के सेल डोड नं० 3030/1 दिनौंक 21-1-80 में दर्ज है।

म्रानन्द सिंह आई० आर० एस० मक्षम प्राधिकारः सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रॅज, श्रमृतसर

तारीख : 11-9-1980.

मोहरः

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर **धायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, प्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश मं० ग्रमृतसर/8 0-8 1/139---यनः मुझे, ग्रानन्द सिंह, आई० आर० एस०

मायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पए से श्रीधिक है

श्रीर जिसका सं० एक बिल्डिंग है तथा जो चावल मन्डी, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इसन उपाबड़] श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितियण, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1980

का 16) के श्रधान, ताराख जनवरा, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविजा के लिए;

अत अब, उक्स अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अर्था, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रामतो दिवन्द्र कौर पस्ता सन्तोख सिंह निवासी घर नं० 1414/6, बाजार चावल मन्डो, श्रमृतसर । धृ(श्रन्तरक)
- (2) श्री कुलबन्त सिह पुत्र नरैन सिंह निवास। बाजार चावल मर्न्डा, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरितः)

- (3) जैसाकि सं० 2 ग्रीर कोई किराएदार। (यह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रीर कोई।

(बहु व्यक्ष्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हम्ताक्षरो जानता है कि बहु सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्**सूची**

एक प्रापर्टी (प्राधा हिस्सा) न० 1414/6 नया नं० 1561/68 चावल मन्डो में जैसा कि सेल डीड नं० 2910/I दिनांक 14-1-80 रजिस्ट्रा ग्रिधिकारो श्रमृतसर में दर्ज है।

म्रानन्द सिंह, आई० आर० एस० मक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैनरेज, स्रमृतसर

तारीख: 11-9-1980

प्रसप माई० टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर मिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन मुचना

घारत सरकार

कार्वालय, सहायक <mark>भायकर भायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेज, अमृतसर

ग्रम्तगर, दिनाक 11 मितम्बर 1980

निदेण सं० गुरदासपुर/8 0--8 1/140 — एतः मुझे श्रानन्द सिह, आई० अ।२० एस०

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपए से अधिक है

अगैर जिसका स० एक बिलंडिंग है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध गनुम्च। में और पूर्ण रूप में विणत है), रिज्म्ट्रीकर्ता अधिनारी के नायनिया, गुरदासपुर में रिज्म्ट्री-करण अगिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन, तारीख जनवरा, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिषक है बीर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के शिच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छ्रेश्य से उना अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छ्रेश्य से उना अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छ्रेश्य से उना अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण में हुई किसा आय की वावत, उक्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के अन्तरक है डायिश्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय धायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिधिनियम, वा अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुस्था के लिए;

अतः सन्न, उक्त अधिनियम की घारा 26%-म के अनुसरण में, में, चंदन ग्रधिनियम की क्षारा 26%-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत्:--- (1) पाहरथम । भूत सुरापटा, रणका (राज, जालधार वैदा

(ग्रन्तरक)

(2) मैनिजिय प्रमेटी, इ० ए० ४० रालेज चित्रे-एन रोड, नई फिल्मा।

(ग्रन्तरितः)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 मे और कोई किरोधेदार हो ता। (1) डी०ए०वी० कालेज मैनेजिंग कमेटा। (वह व्यक्ति, किरोके श्रिधिभोग में सम्मति है)
- (4) प्रदिप्रोरकारी बाजार इस जायतार में की र रखना हो। तो।

(यह व्यक्ति, जिनक बारे मे अधं। इप्ताक्षरी ानता है पि वह सम्पत्ति से हिनबद्ध हैं)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीश्त सम्पति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

अस्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस भूषना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामोन से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भोनर पूर्वोक्त व्यक्तिया में साकसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस मुजना क राजरव में अकाणन का नारी व सं 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर मम्पत्ति में दिनवद्ध किसी मध्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त श्रिवितयम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, बढ़ी अर्थ होगा जा उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद/विलोडिंग जिसका क्षेत्रफल 8 कनाल 12 मण्ले हैं जा कि गुरदासपुर मों स्थित है जैसा कि केन छाड़ 6537/ 10/1/30 आफ रिल्स्ट्रीय अयारट गुरदावपुर के वार्यालय में दल है।

> त्रातन्द सिंह, श्राई० आर० एस० पना प्राधिकारा महास्य श्रासकर सायुक्त (निर्दक्षण) श्रजैन रेज, अमृनसर

नारा**त्र** : 11-9-1980

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेज, **अम्**तसर

श्रमृतसर, दिनाक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० भ्रमृतसर/80-81/141-भ्रतः मुझे, ग्रानन्द सिंह.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); को धारा 269-ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रू॰ से अधिक है और जिसका स्व एक प्लाट है तथा जो कि कैनेड. एउन्य में स्थित है (ग्रोर इसमें उपाबद्ध अनुमूर्च, में श्रीर पूर्ण चप से विणित है), र्रा रुट्टी नर्ता अधिकारी के वार्यालय समृतसर में रिकरट्ट न्रण अधिनियम, 1908 (1908 मा 10) वा अधीन, नारीख जनवर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के निष्ण प्रस्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने वा कारण है कि प्रशक्ति हिस्सान करने वा कारण है कि प्रशक्ति हिस्सान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक अधिक है और अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नि कित उद्देश से उन्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नि कित उद्देश से उन्त अन्तरण लिखित में देशन यक रूप से कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या खससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयका किसी धनया श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविहा के लिए;

अतः अब, उना श्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्वितयों, अर्थात्:—

(1) श्रः राधे स्थाम पुत्र गोविन्दा मल, सरकुलर रोड, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सन पाल पुत्र श्रा सोहन लाल, प्रकाण वता पत्ना सत पाल, हरिन्द्र कौर पुत्र सत पाल, हुकम सिंह रोड, श्रमृतसर।

(मन्तरिती)

- (3) जैमािक कारम० २ में स्रोरकोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (1) यदि स्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की गरीख से 45 दिन की अविद्या गर तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबित, में भी अविद्या बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के ए। जनश में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूच*े*।

एक भूमि का प्लाट न० 18 मिन जो कि कैनडा एवन्यू, प्रमृतसर में स्थित है जमा कि मेल डीड न० 2940/1 दिनाक 16-1-80 आफ रिजस्ट्री अथारटी अमृतसर के कायिल्य में दर्ज है)।

न्नानन्द मिह, ग्राई० आर० एस मक्षम ग्रधिकारः, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तमर ।

नाराख: 11-9-1980.

प्र**कप ग्राई∙** टी० एन∙ एस∙⊸

आयकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश मं० ग्रमृतसर/80-81/142:—यत: मुझे, ग्रानन्द सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से घषिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो कि कुनो बेरी अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर से रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं हिया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के श्रष्टीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी घन या मन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्।——

- (1) श्री इन्द्र सिंह पुत्र म० सुन्दर सिंह निवासी हुकम सिंह रोड, श्रमृतसर, म० करतार सिंह पुत्र सुन्दर सिंह निवासी किला भंगीयों वाला द्वारा इन्द्र सिंह श्रीर ज्ञान सिंह पुत्र स० सुन्दर सिंह, लारोंस रोड, श्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुदर्शन पत्नः नन्द लाल ग्रौर श्रोमती सुदेश पत्नो निर्मेल ग्रानन्द निवासो किला भंगीयां वाला, श्रमृतसर। (ग्रन्त रिती)
- (3) जैसाकि अपरसं० 2 में श्रीर कोई कि स्योदार हो तो।

(वह व्यक्ति, जिसमें म्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) यदि और कोई ब्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो।

> (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीध के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में श्विनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुमूचो

एक जायदाद जो कि कुने बेरी, अमृतसर में स्थित है जिसका सं० 1702/8-16 और नं० 1889/8-16 अगर नं० 495 और नं० 1891/8-16) जैसा कि सेल डोड नं० 2966/1 दिनांक 17/1/80 आफ रिजिस्ट्री अधारटा अमृतसर के कार्यां लग में दर्जे, है।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम ग्रिधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, ग्रमुतसर

नारीख: 11−9−1980.

मोह्रर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेण मं० ग्रमृतसर्/80-81/143—यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह.

श्रायकर श्रिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिश्वित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिश्वीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

और जिसका सं ० एक जायदाद है तथा जो कि कूना भाटरिया, कटड़ा जैमल मिह, प्रमृतमर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रमृत्मः में और पूर्ण क्य से विशित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रस्जिट्टाकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत:— (1) श्रीमती दर्शना रानी पत्नी श्रर्जन जीत कटड़ा जैमल सिंह, कूचा भाटरियां, श्रमुतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार पुत्र सन्त राम बाजार टाह्लो साह्ब, मकान नं० 501/1-- कूचा भाटरियां अमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर मं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो, कमतुरो लाल और सन्धू रेडियो । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोंग में सम्पत्ति है) ।
- (4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हम्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन में के सम्बन्ध कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के शब्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक जायदाद नं० 501/1-5 जिसका क्षेत्रफल 55 वर्ग मी० है) जो कि कूचा भाटित्यां, कटड़ा जैमल सिंह ग्रमृतसर में स्थित हैजैमा कि सेल डींड नं० 2842/1 दिनांक 8-1-80 ग्राफ रजिस्ट्रींग ग्रथारटी ग्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह, सक्षम म्राधिकारा,

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रजेन रेंज, अमृतसर ।

नारीख : 11-9-80

प्ररूप प्राई॰ ढी॰ एन॰ एस∙-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश मं० श्रमृतसर/80 - 81/144—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

धायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/रुपये से प्रधिक है

(1908 का 16) क अधान, ताराख जनवरा, 1980 को पूर्वोंक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उमके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ट्रह
प्रतिशन से अधिक है भीर अन्तरक (प्रश्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्न अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धनकर मिनियम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खिराने में युविधा के सिए;

अत : मन, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपश्चाचा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अर्जनजीत पुत्र श्री बलाकी राम कूचा भाट-रियां, कटड़ा जैमल सिंह, अमृतसर।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री संत राम पुत्र नथू राम णिव मार्केट, बाजार टाहली माहिब, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैमा कि सं० 2 में ग्रीर कोई किरायेदार होतो। कसत्री लाल सन्धू रेडियो।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में किच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के स्रर्जन के लिए कार्य**गहि**यां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाह्मप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविधि या तस्में पी स्थितियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी प्रविधि
 बाद में समण्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की टारीख न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति ने हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्काक्षरों के पास लिखित में किए जा सर्वेग '

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थ होगा जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक जायदाद नं० 501/1-5 जिसका क्षेत्रफल 55 मीटर जो कि कूचा भाटरियां कटड़ा जैमल सिंह श्रमृतसर में स्थित है जैमा कि सेल डीड नं० 3659/1 दिनांक 10-3-80 भ्राफ रिजस्ट्रींग श्रथारटी ग्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम श्रधिकारी, (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, श्रमृतसर ।

नारीख: 11-9-80.

४रूप श्राईo टीo एनo एसo---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, ग्रमुनसर

श्रमृतसर, दिनाक 6 सितम्बर, 1980

निदेण म० श्रमृनसर/80-81/145----यत मुझे, श्रानन्द सिंह,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

स्रौर जिसकी स० एक मकान है तथा जो कि कटडा चडत सिंह में स्थित है (श्रौर इसरा उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के वर्यालय, श्रमृत्सर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1980

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण भे हुई किसी ग्राय की बाबत, **एक्**त श्रिधनियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हे भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति :---

(1) श्री गोवर्धन दास पुत्र श्री रोणन लाल मकान न० 2523/10, कटट चरता सिंह, ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतीकमलावती पत्नी श्रीसन पाल गुर बाजार श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि उपर स० 2 में ग्रीर कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदो का, जो छक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक प्लाट नं० 2523/1 श्रीरन० 1659/10 जो कि कटडा चडत सिंह अमृतसर में स्थित है जैंमा कि सेल डीड न० 2838/1 दिनाक 15/1/80 श्राफ रिजस्ट्रीग अथारटी श्रमृत-सर के कार्यालय में दर्ज है।

श्रानन्द सिह, सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, श्रमृतसर ।

तारीख 6-9-80. मोहुर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सुचना

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 9 सितम्बर, 1980

ि निदेश सं० ग्रमृतसर्/80−81−146-—यतः मुझे, न्नानन्दः तह.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्वात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक हाउम है तथा जो कि नवां कोट श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) प्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त प्रधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों को जिम्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कीधारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्तलिखित व्यक्तियों अथीत्:-

(1) श्रो ठाकुर सिंह पुत्र स० मेहर सिंह मकाल नं० 5829/ 16-20 गली नं० 11 के पीछे नवां कोट, ग्रमृत-सर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुरिन्द्र कुमार पृत श्री लेख राज महाजन गली नं । 18, नर्वा कोट, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखना हो तो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है) ।

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास खिद्धत में किए जा सकेंगे।

स्वकतो छरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दी का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

श्रन्सूची

एक मकान नं० 369 H/13 (60 वर्ग मी०) जो कि गलो नं० 11 के पोछे हैनवां कोट प्रमृतसर में है जैंगा कि सोल छोड नं० 2882/1 दिनांक 11/1/80 स्राफ रिजस्ट्रीग स्रथारटी स्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर ।

नारीख: 9-9-80

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०....

भायकर स्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० पटियाला/425/79-80 :---श्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 3411 व 3412 है तथा जो कि चौक केसराँ, पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रम, उन्त अधिनियम, नी श्रारा 269-ग के श्रनुसरण मैं, उन्त प्रधिनियम की द्वारा 269-घृकी उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों धर्यातः— (1) श्री जगदीश कुमार पुत्र श्रीलक्षमण दास निवासी चौक केसरा, पटियाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजिन्द्र कुमार पुत्र श्री किशन चन्द व श्री रामेश कुमार पुत्र श्री गोरा लाल चौक केसरां पटियाला।

(प्रन्तरिती)

(3) (i)श्री बनारसी दास व सन्ज भौर, (ii)श्री नत्थू राम निवासी दुकान नं० 3411-12, चौक केसरा, पटियाला।

> (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उन्सं सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंत्ति में हिन-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्राव्धितियम के श्रव्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रव्याव में दिया गया है।

श्रनुसूची

दुकान नं० 3411-3412, चौक केसरां, पटियाला । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6075, मार्च, 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव घन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

विनांक: 11 सिप्तम्बर 1980,

प्ररूप आई• टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जनरेंज, आयकर भवन लुधियाना

मुधियाना, दिनाक 11 मितम्बर 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/411/79-80:—-म्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1730 है तथा जो सेक्टर 33—डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ स्रनुसूची मे स्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ना स्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 1/80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मैं मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन गिम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मेजर एम० मी० श्रानन्द पुत्र डा० के० मी० श्रानन्द द्वारा उसकी श्राटारनी लैफ्टी० कर्नल गुरुदेव सिंह पुत्र स० नारायण सिंह निवासी मकान नं० 1141 सेक्टर 36-सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) लैंफ्टी० कर्नल हरसरन सिंह पुत्र श्री दर्णन सिंह निवासी मकान नं० 556 मेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'तक्त अधिनियम', को अध्याय 20-क में ारिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

श्रनुसूवी

रिहायशी प्लाट नं० 1730, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2139, जनवरी, 1980 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 11 सिप्तम्बर 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- णु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 11 सितम्बर 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/403/79-80 ----श्रत: मुझे, मुखदेव चव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 96 है तथा जो सेक्टर 33—17, लण्डीगढ़ मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची मे ग्रीर पूर्ण रूप सं विणत है), रजिस्ट्री कर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख 1—80

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री शंकर राम पुत्र श्री राम किशन निवासी डब्स्यू० जंड-II-ए, लाजवन्ती गार्डन, नई दिल्ली-46 द्वारा उसकी ग्राटारनी श्री ग्रशोक कुमार पुत्र श्री जे० बी० भल्ला निवासी मकान नं० 1162, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित राजरानी सिंगला पत्नी श्री मोम प्रकाश सिंगला निवासी मकान नं० 3274, सेक्टर 19—डी, चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मृचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मो किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित दूरी, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया त्या है।

वनुसूची

प्लाट नं 0 96 सेक्टर 33 ए, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं 0 2111, जनवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

पारपक्ष महित्रियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-क (1) के मधीन सूकान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, आककर भवन, लुधियाना

लुधियान्त, विनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/400/79-80:---म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

कायकर प्रकिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1685 है तथा जो सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर उससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डी-गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से मुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिविषयम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में 'कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राम या किसी धन या भ्रान्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भास्तिय श्राय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः प्रवः, उन्तः प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमित्:— (1) कैंप्टन किंज तिपितन्द्र सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह 6, कौशिक रोड, नई दिल्ली द्वारा उसकी श्राटारनी स० साधृ सिंह पुत्र श्री करतार सिंह एस० मी० एफ० नं० 72, सेक्टर 17—सी, चण्डीगढ़ द्वारा उसकी श्राटारनी सं० वल विन्द्र सिंह पुत्र श्री बलवन्स सिंह निवासी एस० सी० एफ० 72, सैक्टर 17—सी चण्डीगढ।

(भ्रन्तरक)

(2) मिसिज हर्राजन्द्र कौर पत्नी स० लाल सिंह, 78 केंज पार्क रोड, लिटन, लण्डन ए-10, द्वारण उसकी जनरल पावर आफ आटारनी स० प्यारा सिंह पुत्र स० करतार सिंह मकान नं० 1070, सेक्टर 21- बी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकब्र किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाधीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

'लाट नं० 1685, सेक्टर 33, डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2084, जनवरी 1990 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 11 सितम्बर 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/436/79-80:--ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 154 है तया जो सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत कि निम्तिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रनारण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तिमों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यंतः अब, खक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेजर विजय कोछर पुत्र श्री वी० पी० कोछर हैंड ववाटर मारफत 56APO द्वारा छसकी स्पैणल श्राटारनी सतवन्त कौर पत्नी श्री दया सिंह निवासी 2520, सेक्टर 22—सी, चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दया सिंह पुत्र श्री फौजा सिंह निवासी 2520 सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो छक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस शब्दाय में वियागया है।

श्रनुसूची

प्लाट नं ० 154 सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या गं० 2214, फरवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरोंज, लुधियाना।

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्रकप माई० टी० एन० एस०--

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जनरेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० घण्डीगढ़/409/79~80---अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/ रुपय से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1237 है तथा जो सेक्टर 34 सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, घण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भीध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर मिश्रनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम वा धनकर भ्रधिनियम वा धनकर भ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उन्त मधिनियम की भ्रारा 269-न के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भ्रारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, प्रयात्:---

- (1) लैंक्टी० कर्नल रबी कुमार श्राफ 10 विहार मारफत 99 APO द्वारा उसकी श्राटारनी श्री एस० डी० तलवार पुत्र श्रीवूराममल तलवार निवासी मकान नं० 2154 सेक्टर 27~सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुभाष चन्द्र हाण्डा पुन्न श्री गुरु दास हाण्डा निवासी मकान नं० 3740 सेक्टर 22–डी, चण्डीगढ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के मध्याय 20-क्त में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस ऋध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्नाट नं० 1237 सेक्टर 34-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2131, जनवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीखा: 11 सितम्बर, 1980।

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, चण्डीगढ़ लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/426/79-80--- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 64 है तथा जो सेक्टर33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद स्रमुसूनी में स्रोर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त घ्रधि-नियम के घ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) लैफ्टी० जगदीण चन्द शर्मा झाफिस आफ रिकार्डस, JAK-K-, Haft Chinar, श्रीनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश सिंह व श्रीमित माहिन्द्र कौर 1264 सैक्टर 21--वी, चण्डीगृह ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथें होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 64 सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2174, जनवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, लूधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980।

मोहरः

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर भ्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/405/79-80---म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है और जिसकी संज्ञमान नं 1393 है तथा जो सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) श्रग्तरण से हुई किसी आय की बाबत खक्त अधि-नियम के श्रधीन कर दैने के श्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रत:, श्रव, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-थ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:⊸-

- (1) नैस्टी० कर्नल प्रताप सिंह सन्धु पुत्र श्री भाग सिंह सन्धु द्वारा उसकी ग्राटारनी श्रीमित स्तवन्त रानी सन्धु पत्नी श्री लैफ्टी० कर्नल प्रताप सिंह सन्धू निवासी सी-3/61, जनकपुरी, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भगत सिंह पुन्न श्री महताच सिंह निवासी 124, पंजाबी बाग, पटियाला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सुवता के राजनत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रष्ठणाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ठ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायणी प्लाट नं० 1393, सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख मं० नं० 2126, जनवरी, 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, लुधियाना ।

तारीख: 11 सितम्बर, 1980।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 11 मितम्बर 1980

निदेश सं० मी० एच० डी०/401/79-80--प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्राधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के प्रजीत उज्जन प्राधि हारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिज्ञ हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

न्नौर जिनको सं० रिहायशी प्लाट नं० 1872 है तथा जो सैक्टर 34-ई।०, चण्डीगढ़ में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण का से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, नारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त लंपित के उचिन बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) और ग्रन्तरिती (यन्तरितियों) के बीच ऐमे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिक्ष-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसो प्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, छक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रय त :-7—296GI/80

- (1) श्री दलजीत सिंह केहलों पुत्र स० ग्रमर सिंह, 129, ए० डी० रिजि० मारफत 56 ए० पी० ओ० (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमित मुरजीत कौर पत्नी श्री स्रवतार सिंह रतन निवासी गांव मुल्लाँपुर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

खनत सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजरत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पाम खिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडदीकरण: - इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रौर पदों का, जो खक्त ग्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायसी प्लाट नं० 1872, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2085, जनवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षमप्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रोंज, लुधियाना

तारीखः: 11 सितम्बर, 1980।

प्ररूप आई• टी• एन• इस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/418/79-80ण--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं रिहायशी प्लाट नं 1642 है तथा जो सैक्टर 34-डी , चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय चण्डोगइ, में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिक्ल किलए भन्नरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक का पन्द्रह प्रतिशत से पित है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बोद ऐप भन्तरम के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उद्दा भन्तरण लिखित में बाह्यबिह रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसा प्राय की बाबत. उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसो किसो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय धायकर मधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, म्नलिखित व्यक्तियों अर्थात !-- (1) श्री शमशेर सिंह चोपड़ा पुत्र श्री ज्ञान सिंह घोपड़ा निवासी मकान नं० 2463/2 सामने सोहन लाल गर्ल्जहाई स्कूल, श्रम्बाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री माहिन्द्र सिंह भल्ला पुत्र श्री ग्रवतार सिंह् भल्ला निवासी मकान नं० 147, सेक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पनि क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनन सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी मार्शिय :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की भवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की सामील मे 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकागन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य भ्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का गर्को ।

स्पड्टोकरण:--इसमे प्रमुक्त सम्दों मौर पद्यो का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-रु में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1642 सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2161, जनवरी, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980।

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जनरेज, लिधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/419/79-80—श्रत: मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 1519 है तथा जो सैक्टर 34-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यः विकास करने का काएण है कि यथापूर्वाक्त सं तित का ट. अत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- 'क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीए निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) मेजर एस० सी० माहिन्द द्वारा श्राटारनी स० जगत सिंह निवासी एन० के० 129, मुहल्ला चरनजीत-पुरा, जालन्धर शहर।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमति कृष्णा, खन्ना, 148, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 1519 सैक्टर 34—डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2162, जनवरी, 1980 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लूधियाना

तारीख: 11-9-1980।

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यात्रय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनाक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० चण्डीगळ्/420/79-80—-श्रत: मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त प्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रविक है

स्रोर जिस ही सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 1519 है तथा जो सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में,रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशन से प्रधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पत्था गया प्रतिकत, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविशा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अप्यारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेजर एस० सी० माहिन्द्र हारा ग्राटारनी स० जगत सिंह निवासी एन० के० 129 मुहल्ला चरनजीत-पुरा, जालन्धर णहर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कृष्णा खन्ना, 148, सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकामन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त मधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 1519 सैक्टर 34—डी, चण्डीगढ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2162, जनवरी, 1980 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, लुधियाना ।

नारीखा: 11 सिनम्बर, 1980

प्ररूप माई • टी • एन • एम • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छ।रा 269-ष (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जनरेज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 11 सिनम्बर 1980

निदेश सं० चण्डीगढ्/423/79-80—-श्रतः मुझे, मुखदेव चन्द.

आयंकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अभीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूहण 25,00 में-कुल संस्थिक है

स्रीर जिसकी स० प्लाट नं० 1574 है तथा जो सैक्टर 36-डी० चण्डीगढ में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, चण्डी-गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रच प्रधिक है और भन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरितो (भन्तरितियो) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाह्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है !——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धांधिनियम कथियीत कर रेने कथन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः शय उक्त अधिनियम को धारा 269-थ के धनुसरण में, में, उक्त धिवनियम की धारा 269-थ की उपसारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवितिः—— (1) मेजर सुरिन्द्र कुमार सनन मकान नं० 93 के०, सराभानगर जुधियाना, (पंजाब)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सोहन लाल श्रग्नवाल मकान नं० 448, सैक्टर 35-ए०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्क, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाब्दो हरग --- इपर्पे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वहीं अर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्लाट नं० 1574, सैक्टर 36—डी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्यानं० 2170, जनवरी, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 11 सितम्बर, 1980।

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० चण्डोगढ़/414/79-80:----अतः मुझे, सुखदेव चन्दः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2512 है तथा जो 35-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण हप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थातः ---

(1) मेजर जनरल दलबीर पिहपुत्र श्रीहुकम सिंह गांव डाकखाना कलेरहो जिला स्रम्बाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरदियाल सिंह वराड़ पुत्न श्री जीवन सिंह वराड़ 160, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन क अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति च्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भ्रन् सूची

प्लाट नं० 2512 सेक्टर 35-सी, चण्डीगढ़। (जायदाः जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी विण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्यानं० 2151, जनवरी, 1980 में दर्ज हैं)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेज, लुधियाना ।

तारीखा: 11 सिनम्बर, 1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० राजपुर^ग/150/79—80:——ग्रन[ः] मु**झे**, सुखदेव वन्द

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रौर जिसको सं० इण्डस्ट्रोय न प्लाट नं० 37 है तथा इंडस्ट्रियल ईस्टेट, राजपुरा में स्थित है (श्रौच इससे उपायछ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की वायत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थात् :--

- (1) श्री परमजीत सिंह बेदी, पुत्र बाबा हरिक्शन सिंह बेदी निवासी बेदी भवन, भिद्रहार गर. पटिशाला श्रव 3, एक्सचेंज रोड, श्रीनगर (जे०एंड के०) । (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्ज टिन बाक्स कमानी, राजपुरा रजि० आफिस बी-68, मायापुरी, रिवाड़ी लाईन, फेस--ॉ, नई दिल्ली द्वारा श्री श्रमरीण कुमार मेहरा, मैनेजिंग पार्टनर।

(ग्रन्तरिती)

(3) मैंसर्ज भारत कार्मम एण्ड इण्डस्ट्रीयल लिमिटेड इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, राजपुरा।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

जायदाद नं० 37, इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, राजपुरा । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3219, जनवरी, 1980 दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/416/79-80--ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं ० रिहायशी प्लाट नं ० 1929 है तथा जो सैक्टर 34-डो०, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डोगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्रीमती कौशल्या वेबी पित्नी स्वर्गीय गोविन्द लाल मदान मकान नं० 107 सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ ढारा उमकी स्राटारनी श्री वरिन्द्र मोहन पुत्र श्रो चुहुड्मल निवासी मकान नं० 3416 सेक्टर 29-डी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केंबल कृष्ण कैन्थ पुत्र श्री हजारी लाल कैन्थ निवासी मकान न० 3416 सेक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ ढारा उसकी स्पैशल पावर आफ आटारनी श्री चुहड़मल पुत्र श्री गणेशा राम, मकान नं० 1215, सेक्टर 22-डी, चण्डीगढ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिख्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1929 सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या सं० 2155, जनवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, लुधियाना।

नारीखा: 11 सिनम्बर, 1980।

प्रस्थ आर्क्. टी. एन. एस -----

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधि<mark>या</mark>ना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश स० मी० एच० डी०/399/79-80---ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें अधिकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधील सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं रिहायणी मकान न 3394 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध-

ों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी 80 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्ट्राम्रात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्ट्रामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देले के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह² भारतीय अगयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

- 1. श्री जगमोहन सिंह गिल श्री हरशन सिंह गिल निवासी गांव व डाकखाना बागा पुराना, जिला फरीदकोट। (ग्रंतरक)
- 2 श्री ग्रवतार कृष्ण पुत्न श्री बाल कृष्ण व श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नी श्री ग्रवतार कृष्ण श्री अनिल कुमार पुत्न श्री श्रवतार कृष्ण निवासी मकान न० 3394, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (श्रम्तरिती)
- 3. श्री सुभाष चन्द्र निवासी मकान नं० 3394, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्मरित के अर्थन कोश्विक्ष कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वकार की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध वाद में समाप्त-होती हो, की भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीड से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभावस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पर सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

मकान न० 3384, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख न० न० 2081, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सु**बदेव च**न्द, सक्षम प्राधिकारो महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरक्षण) स्रर्जम रेज, लुधियाना

ता**लेख**" 11 सितम्बर, 1980 मोहर: प्रस्प आई • टी० एन० एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/ग्रार०/192/79–80— श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

श्वायकर अितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/- खपसे से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० खेती बाड़ी क्षेत्रफल 35 कनाल 6 मरले है तथा जो गाव हावास तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 1-1980

को यूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तर्का (धन्तर्कों) घीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया ग्राया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक कप से ग्रिक नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी पाय का बाबन उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देन क प्रस्तरक के दायिक्ट में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; भीश/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसो धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रव, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, ेन्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:—

- श्रीमती हरबंस कौर पुत्री श्री मल सिंह निवासी गाय हावास तहसील व जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)
- श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री मल सिंह गांव हानाम तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति

 में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रम्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिक नियम के धड़याय 20-क में परिचालित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अडमाय में दिया मया है।

प्रमुसूची

खेती बाड़ी भूमि क्षेत्रफल 35 कनाल 6 मरले गांव हावास तहसील लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6093, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/ग्रार०/200/79~80— श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० खेतीबाड़ी भूमि 35 कनाल 6 मरले हैं तथा जो गांव हावास तहसील लुधियाना में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-1980

को पूर्वाक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती बलदेष कौर पुत्री श्री मल सिंह गांव हावास तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

 श्री गुरुदेव सिंह पुत्र श्री मल सिंह गांव हावास तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिम। गया हैं।

अनुसूची

खेती बाड़ी भूमि क्षेत्रफल 35 कनाल 6 मरले जो गांव हावास तहसील लुधियाना में स्थित है) (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6179, जनवरी 1980 में दर्ज है)

> सु**ख**देव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्रकप[्]काई व टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निवेश सं० एल० डी० एच०/म्रार०/213/79-80--म्रतः मुझे, सुखदेव सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खेती वाड़ी भूमि क्षेत्र 32 कनाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रभीन, तारीख 1-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविचा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) था अक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का '27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीः ब्राम्स क्रिट नहीं किया बाग वाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भी, उक्त अधिनियम की अररा 269-श की उपभक्त (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री जरनैल सिंह पुत्र श्री कावल सिंह निवासी गांव हावास तहसील लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री मल सिंह निवासी गांव हावास पतहसील लुक्षियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजाँकतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को लारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वैतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस भी भी कि के भीतर उक्कत स्थानर संग्रीत्स्यमें तीत्त-बद्ध किसी क्या व्यक्ति-क्वारा अक्टेहस्स्कारि के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्थायनैकरणः ----ेहनामें प्रयास्त शत्राख्यों और 'वेदों का, जेजा दुवत अधिनियम के अध्यास 20 -कामों परिकारियस है, बही अर्थ होता जो उस अध्यास में विमा गया है।

मन्त्रची

खेती बाड़ी भूमि 32 कनाल जो गांव हावास तहसील लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता धिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 6345, जनस्वरी 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्जद 'सक्षम' प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 प्रितम्बर, 1980

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एन० एस०→---

'आधिकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० डी० बी० एस०/84/79-80—म्प्रत मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/--रुपये से भ्रौर जिसकी मं० भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल है तथा गाव लोहगढ़ तहसील डेरा वस्मी में म्थित है (ग्रीर इससे उपाबध्य श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधि-कारी के कार्यालय, डेगावस्सी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख 1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का श्वचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है ग्रीर भग्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **छहेश्य** से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत:, श्रब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा के (1)के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:~→

- श्री जोगेन्द्र सिंह पुत्र श्री निरन्द सिंह निवासी गाव नेहगढ़ तहसील डेराबस्सी जिला पिटयाला। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती समिन्द्र कौर पत्नी श्री इन्द्रजीत सिंह निवासी तरफ मैयदी, लुधियाना श्रव मकान नं० 1534 सेक्टर 34—डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की लाशीख के 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकब किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इममें प्रयुक्त कक्वों धीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्राट्याय 20-रु में परिभाषित हैं. वहीं ग्रार्थ होगा, जो उस ग्राट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल गांव लोहगढ़ तहसील डेरावस्सी (जायदाद जैसा कि राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैं रावस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 980, जनवरी, 1980 में वर्ज हैं)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्ररूप भाई• टी• एन• एस०----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

म्रजंन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश स० डी० बी० एस०/85/79-80---श्रतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ध्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगिन, जिसका उच्चित बाजार मूस्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रौर जिसकी स० भिम क्षेत्रफल 8 कनाल है तथा जो गांव लोहगढ़, तहसील डेराबस्सी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, डेरावस्सी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिल्बास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पम्बह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उक्षेक्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रविक कप से किंचित नहीं किया गया है!——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उचल अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की घारा 269ग के मन्सरण में, में उक्त अधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री जोगिन्द्र सिह पुत्र श्री नरिन्द्र सिह निवासी गांव लोहगढ़ सब तहसील डेरावस्सी। (अन्तरक)
- 2. त्रिगेडियर इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री हाजारा सिंह निवासी तरफ सैयदा लुधियाना अब मकान न० 1534 सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सन्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उनत प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल जो गांव लौहगढ़ स० तहसीस डेरावस्सी में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी डेरावस्सी के कार्या-लय के बिलेख संख्या न० 981 जनवरी 1980 में दर्ज है।)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-9-1980

प्ररूप भाई० टी• एन• एस•----

अ यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा 269-घ (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

<mark>श्रर्जन रें</mark>ज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश मं० डी० बी० एस०/86/79-80—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

बायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सम्मा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ मे श्रिधिक है

श्रीर जिसकी स० भृमि क्षेत्र 8 कनाल है तथा जो गांव लोहगढ़ तहसील डेरावस्सी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डेरावस्सी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के तृश्यमान श्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का डिजत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का पम्बह श्रतिश्रत अधिक है धीर मन्तरक (श्रम्तरकों) श्रीर श्रम्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नतिश्रित उद्देश्य से उक्त श्रम्थरण निश्चित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रन्तरण मे हुई किमी भाष की बाबत, उक्त घितिबम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छन्म भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में भ्रविश्वा के लिए;

अतः भ्रम, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र श्री नरिन्द्र सिंह निवासी लोहगढ़, तहसील डेरावस्सी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जीवत इन्द्र सिंह पुत्र विगष्टियर इन्द्रजीत सिंह निवासी तरफ सैयदां लुधियाना ग्रब मकान नं० 1534 सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोकन सम्पत्ति के **अर्जन के** लिए कार्यवाहियो करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं। बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

भृमि क्षेत्रफल 8 कनाल जो गांव लोहगढ़ तहसील डेरा वस्सी में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी डेरावस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 982, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राघिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 11-9-1980

प्र**रूप** आई॰ टी॰ एन॰ एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269~वं (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेशद सं० डी० बी० एस०/87/79-80--श्रत: मुझे, सुखादेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त मिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बचित मुख्य 25,000/-रुपये से पधिक है श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल है तथा जो गांव लोहगढ़, सक्ष तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रष्टिकारी के कार्यालय, डेरावस्सी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1980 को

पूर्वित सम्पत्ति के छिषत बाजार मूल्य से कम के वृषयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के जैर अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त पन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत उनत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सोर/या
- (स्थ) ऐसी किसी आप या किसी धन या अथ्य आसिसमों की, जिन्हें भारतीय धायकर ध्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में. में, उक्त धिधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र श्री नरिन्द्र सिंह निवासी गाव लोहगढ़, सब तहसील डेरावस्सी। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री निवन्द्रजीत सिंह पुत्र ब्रिगेडियर इन्द्रजीत सिंह निवासी तरफ सैयदा लुधियाना ग्रंब मकान नं० 1534, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की ताकी खाल से व्यक्ति के स्विध या तत्संबंधी क्यिक्तियों पर सूचला की ता ती कि स्विध ता ता सी कि स्विध के स्व के स्विध के स्विध के स्विध के स्विध के स्व क
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरों के पास लिक्किन में किए जा सकेंगे।

स्वडटोकरण:--इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल गांव लोहगढ़, सब तहसील डेरावस्सी।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी डेरावस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 983, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्ररूप थाई ० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, लुधियाना

ल्बियाना, दिनाक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० डी० त्री० एस०/83/79-80---प्रतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इमके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विस्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० खेती बाड़ी भूमि 24 बीघा 16 बिसवा है तथा जो गाय नागला, तहसील डेरावस्सी, पटियाला में स्थित है (श्रॉर श्रमें उपाबड़ श्रन्सूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, डेरावस्सी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे एदिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अन्सरण मों, मीं, उबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीर विकासिक एक्स वितयों अधीत्। ---

9-296GI/80

- 1. श्री याली राम पुत्र श्री शुला पुत्र श्री छांगा निवासी नमीमबली तहमील राजपुरा खेवतदार नागला स० तहसील हराबस्मी। (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री राजपाल व श्रोमवीर पुत्र श्री श्रब्बे सिंह पुत्र श्री सुर्जन सिंह निवासी गाव नागला, सब तहसील डेरावस्सी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्टोकरणः — इसमें प्रयुवत शब्दों और पर्दों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में निरभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुर बी

खेती वाड़ी भिम 24 बीघा 16 विसवा, गांव नागला सव तहसील डेरावस्सी।

(जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी छेरावस्मी के कार्यानय के विलेख संख्या नं० 974, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेघ चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० एल० एन० जी०/1/79-80--ग्रतः मुझ, सुखदेश चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3-71-30 हेक्टर है तथा जो गांव णाहपुर कला जिला संगरूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लोगोवाल में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 1-1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्यिक्षा का लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अं अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- श्री चत्तर सिंह पुत्र श्री जंग सिंह निवासी गांव झाडों, जिला संगरूर।
- 2. श्रीमती जरनैल कौर पुत्नी श्री सज्जन सिंह निवासी शाहपुर कलां, जिला संगरूर। (प्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सुम्पत्ति के अर्जन के दिलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षें होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

बन्स्चीं

भिम क्षत्रफल 3-71-30 हेक्टर, गांव शाहपुर कलां, जिला संगरूर। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लोगोवाल के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 45, जनवरी 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269म(1) के अधीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेण सं० एल० एन० जी०/2/79-80--श्रतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भिम क्षेत्रफल 1-99-82 हेक्टर है तथा जो गांव शाहपुर कलां, जिला संगहर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लोगं(वाल में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मुझे वह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई विसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियन के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अग्य भास्तिमों को जिन्हें भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम, या धनकर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तिरती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री रोगन खान पुत्र श्री इसमेल खान नित्रासी गाव मनदर कलां, जिला संगरूर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती वकशीश कौर पत्नी स्वर्गीय सज्जन सिह निवासी शाहपुर कलां, जिला सगरूर। (श्रन्तरिती)

को यह युवता जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षंप :---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अन्निक्ष या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अविक्ष, जो भी मनिक्ष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीए से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास निखित किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1-99-82 हेक्टर, गांव णाहपुर कला जिला संगरूर।

(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लोगोंवाल के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 46, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्रकप भाई•टी०एन•एस०----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० एल० एन० जी०/3/79-80---श्रत: मुझे, भुखदेव चन्द,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० में अधिक है

श्रौर जिसकी मं० भ्मि क्षेत्रफल 2-71-64 हेक्टर है तथा जो गांव शाहपुर कलां, जिला मंगस्टर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण स्प में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लोगोवाल में, रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी फिसो श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियमं की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् '-~

- 1. श्री गुन्देव सिंह पुस्न श्री किरपाल सिंह निवासी झाड़ो, जिला संगहर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती हमीर कौर पर्त्ता श्री सुरजीत सिंह शाहपुर कला, जिला संगरूर। (श्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी कर</mark>के पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकार न की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरमम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना को तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ िक्सी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा स्वांगे।

स्पदशिष्ठरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जा उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2-71-64 हेक्टर, गांव शाहपुर कलां जिला संगरूर।

(जायदाद जैंगा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लोगोवाल के कार्यालय के विलेख संख्या न० 47, जनवरी 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्रस्त आर्. टॉ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० एल० एन० जी०/4/79-80--ग्रनः मुझे, मुखदेव चन्द,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की अधि 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी में भिम क्षेत्रफल 2-76-61 हेक्टर है तथा जो गांव भाइपुर कला ,जिला सगरूर में स्थित है (श्रीर हसम उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय ,लोगोंवाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-1980

को पृत्र कित संपत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, ए'स' दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक खप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनूसरण में, मं, उक्त अधिनियम को धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिस व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री दलीप सिंह पुत्न श्री पाली सिंह निवासी झाड़ी, जिला संगरूर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती हमीर कौर पत्नी श्री सुरजीत सिंह व श्रीमती वकशीश कौर पत्नी स्वर्गीय श्री सज्जन सिंह शाहपुर कलां, जिला संगरूर। (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में को ए भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस धूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- पान लिखिश में किए जा नकांगे।

रयद्भीकरणः—-इराम्नें प्रयाक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2-76-61 हेक्टर शाह $^{ ext{प}}$ र कलां, जिला संग=र।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लोगोबाल के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 48, जनवरी 1980 में दर्ज है)

> सुखदेय चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

नारीख: 11 सिनम्बर, 1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

> > लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० एन० एन० जी०/5/79-80--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3-91-05 हेक्टर है तथा जो गांव शाहपूर कलां, जिला संगहर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लोगोंवाल में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल, निन्तिलिखत उद्देश्य के जवन अन्तरण लिखिन में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में पुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें बारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबि के लिएधा।

ग्रतः वाबः जनत अधिनियम की धारा 269-ग ने भन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, नम्नसिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :—

- 1. श्री जागर सिंह पुत्र श्री रूड़ सिंह निवासी झाड़ी, जिला संगरूर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मुखतियार सिंह पुत्र श्री नत्था सिंह गांव मन्दर कला, जिला, संगरूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजरत्र में प्रकाशनकी तारीख स 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की सवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वी त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टी अपणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही समें होगाओं उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3-91-05 हेक्टर, गांव शाहपुर कलां जिला संगरूर।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लोंगोवाल के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 49, जनवरी 1980 दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० पी० टी० घ्रार०/53/79-80—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 भाग दुकान न० 1 है तथा जो अनाज मण्डी ,पातडा जिला पटियाला में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पातड़ा में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख जनवरी 1980
को पूर्षोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधक है घीर
ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच
ऐमे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य म उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह पुत्र श्री किणन सिंह मारफन मैंसेंज छाबड़ा टैण्ट हाऊस, करनाल। (हरियाणा)।
 (श्रत्याणा)।
- सर्वश्री मदन लाल व सतपाल पुत्र श्री देवी राम, श्रनाज मण्डी निवासी पातझा, जिला पटियाला। (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुषी

1/2 भाग दुकान नं० 1, श्रनाज मण्डी, पातड़ा, जिला पटियाला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी पातडा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1772, जनवरी, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 11 मितम्बर 1980

निदेश स० पी० टी० स्रार∘/52/79-80—स्रत: मुझे,

मुखदेव चन्द, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पग्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 25,000/- रूपमें में श्रिधिक है, श्रौर जिसकी म० 21/2 भाग दुकान न० 1 है तथा जो श्रमाज मण्डी पातडा, जिला पिटयाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रमुची में श्रीर पूर्व रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पातडा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, पातडा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के विश्वास (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 1-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पनद्वह प्रतिशत से अधिक है भीर भ्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भिक्षित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 शी पीतप निर पत भी कर्र किर पुर भी किणा सिंह मारपत मैंपर्क छात्रा टेण्ट हाउस, करनाल। (हरियागा) (श्रन्तरक)
- 2 सर्वर्थी लक्ष्मण दास व रामेश्वर लाल पुत्र श्री देवी राम निवासी पातचा, जिला पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रचीत के पम्प्रतामें कोई भी आक्षेप :→~

- (क) इन मूचना के राजपं में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अबिब या तत्यंबंधी व्यक्तियों पा सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अबिध बाद में मसाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप युवार के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भी र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोतम्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मकेगे।

स्पष्टोकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20 क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

1/2 भाग दुकान न० 1, ग्रनाज म $^{
m 0}$ डी, पात $^{
m s}$ ा, जिला पिटयाला ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पातडा के कार्यालय के विलेख सख्या न० 1768, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 11 सितम्बर, 1980 मोहर: प्ररूप आई० टी• एन० एस•

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी-VI-395 (पुराना) बी-IX -259 (नया) है तथा जो कुच्चा कर्ता राम, लिधयाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिशक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

श्री जगदीमा नाथ पुक्त श्री केदार नाथ निवासी
 129, ग्रीन पार्क, लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

2. सर्वेश्री देव राज,प्रकीण कुमार, सुनील कुमार पुन्न श्री राम स्वरूप निवासी 259, कुच्चा कर्ता राम, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी क<u>डके पृत्रांक्स</u> सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पृटिल् को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरमः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अम्स्**ची**

मकान नं IX 259, कुच्चा कर्ता राम , लुधियाना। (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं 4765, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

[सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्रस्प आई० टी० एन० एस०---

भायकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निवेश सं० सी० एच० डी०/427/79-80--- प्रतः मुझे सुखवेय वन्दः,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से पिधक है और जिसकी सं० रिहायणी प्लाट 1573 है तथा जो सैक्टर 33-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रजिनयम, 1908 (1908 का 16) के आधीन, तारीख 1/1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्रुंबाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा)

भतः प्रव, उत्तर मधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उत्तर प्रविनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- तेपिट० कर्नल भ्रनील कुमार मुलिक, 1307, एफ० टी० एफ० (जी० श्रार० ई० एफ०) मार्फंत् 56 ए० पी० श्रो०। (श्रन्तरक)
- 2. कंबर नरिन्द्र सिंह पुत्न कंबर शमशेर सिंह व श्रीमती चरन नरिन्द्र सिंह पत्नी श्री नरिन्द्र सिंह मकान नं० 18, सैक्टर 3, चण्डीगढ़। श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप !---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाचन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धमुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1573 सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2175, जनवरी 1980 में दर्ज हैं)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रागकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के श्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रामकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

क्षर्जन रेंज लुधियाना लुधियाना, विनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/564/79-80--- प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गयाहै), की धारा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कोठी नं० 61-ग्रार (म्यूनिसिपल नं० बी-XVIII-996) है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से फम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ब्रान्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, ग्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:---

- 1. श्री वलीप सिंह पुत्र श्री चुमण्डा सिंह 308, माडल टाऊन, लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री डिन्डा राम व श्रीमती सन्तोष शर्मा पत्नी श्री वेद प्रकाश निवासी 61-श्रार माडल टाउन, लुघियाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा खो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 61-भ्रार (एम० सी० नं० बी०-XVIII-996) माडल टाऊन लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4899, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सज्जम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना विनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/422/79-80--म्रातः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द॰ से अधिक है

धौर जिसकी सं० मकान नं० 1682 है तथा जो सैक्टर 34—डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-1980

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भ्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्टि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐंसी किसी ग्राय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्तः अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; धर्षातः—

- 1. श्री सुरिन्द्र सिंह चड्डा पुत्र श्री बुद सिंह चड्डा निवासी 21/46, तिलक नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री तरुण वीर सिंह पुत्र श्री रघुत्रीर सिंह चड्डा व श्रीमती महिन्द्र कौर चड्डा पत्नी श्री तरुण वीर सिंह चड्डा द्वारा श्री तरुण बीर सिंह चड्डा मैनेजर, पंजाब एण्ड सिंध बैंक लिमिटेड, खन्ना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उभव सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष, जो भी घविष काद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सिकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1682, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ में कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2167, जनवरी 1980 में दर्ज हैं)

> सुखदेव चन्द सक्षमप्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

मोहरः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्पए से मिधक है

भौर जिसकी स० भूमि क्षेत्रफल 8 बीगा 15 बिसवा है तथा जो गाव भ्रजनाती ,तहसील सरिहन्द जिला पटियाला। में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सरिहन्द में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 1–1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (छ) एसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-त के ममुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मतिकाल व्यक्तियो, अर्थात् :---

- 1. श्री इन्द्र सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह गांव ध्रजनाती, तहसील सरहिन्द। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री जागीर सिंह पुत्र श्री जेमल सिंह व श्री महिइ सिंह पुत्र श्री जागीर सिंह व श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री जागीर सिंह निवासी गांव तलवाड़ा, तहसील सर्राहन्द। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ध्रीधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषिन हैं, वही धर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 बीगा 15 विसवा, गाव प्रजनाली तहसील सरहिन्द।

(जायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सरहिन्द के कार्यालय में विलेख सख्या न० 3273, जनवरी, 1980 में दर्ज हैं)।

> मुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना ै

तारीख 11 सितम्बर, 1980 मोहर: प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (िनरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980 निदेश सं० एल० डी० एच०/554/79~80—श्रतः मुझे, सुखदेय चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० बी-XIX-151 है तथा जो सेठ सोहन लाल लेन, शीप भौंक रोड़, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

- 1. श्री सुरक्षित कुमार द्वारा श्री हरिकृष्ण मित्तल निवासी बी-I-151, शीप शैंक रोड, सिविल लाईन लुधियाना। (श्रन्तरक)
- श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री मंगत राय मारफत 18
 सी, गुरदेव नगर, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोह्स्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, क्रें अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जायदाद नं० बी-XIX-151, शीप यैंक रोड, सिविल लाईन, लुधियाना। (श्रन्तरक)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4769, जनवरी, 1980 में दर्ज हैं) ।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तितयों वर्थात्:—

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----आयकर भिष्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्रण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/412/79-80--म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1258 है तथा जो सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गिया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या जिसी धन या अग्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आधकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

यतः, श्रव, उक्त श्रिष्ठितयम को घारा 269-ग के यनु-इरण में, में, उक्त श्रिष्ठितयम की घारा 269-व की उपधारा के अधीन निस्तिविक्त व्यक्तियों, श्रवीतः --

- 1. एक्स सूबेदार किशन सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह मकान नं॰ 1258 सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी श्री वारिन्द्र सिंह मकान नं० 1258, सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिवेदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

हाब्दीकरण: -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रष्ट होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है ।

भ्रनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1258, सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० नं० 2143, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लिधयाना, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/417/79-80--म्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं॰ मकान जायदाद नं॰ 2311 है तथा जो सेक्टर 22—सी, चण्डीगढ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1—1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युविय से उद्युत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. बनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपेधारा (1) के बधीव निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्ः—

 श्री मोहन दिवन्त्र सिंह सोढी व श्रीमित प्रभजीत कौर निकासी मकान नं० 1122, सैंक्टर 36-सी, चण्डीगढा।

(ग्रन्तरक)

- श्री खरैती लाल, गम्भीर निवासी मकान नं० 2210, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)
- 3. श्री केलीपादो घोष व श्री खालील श्रहमद निवासी मकान नं० 2311, सेक्टर 22—सी, घण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)

कौ यह स्चना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं० 2311, सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय विलेख संख्या नं० 2158, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/537/79-80---ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए मे श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं मकान न वी—XXIII-629 है तथा जो टेक्सटाईल कालोनी, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ण श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारी का 1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे सुविधा के लिए;

मतः सम, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—- श्री भ्रशोक बाटल पुत्र श्री द्वारका नाथ बाटल 10, बाजीर बाग, श्रीनगर। (ग्रन्तरक)

2. सर्वश्री रामेश कुमार, मुदर्शन कुमार, सतीश कुमार व श्रीमत्री उर्मिला जैन निवासी 431-1/मी, कालेज रोड़, लुधियाना। (ग्रन्तरिनी)

 मैसर्स श्री श्रनंग निटराज बी-XXIII टेक्सटाईल कालोनी, लुधियाना। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्वध्दी करण: --इ वर्षे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टवाय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया नया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XXIII-6239, टेक्सटाईल कालोनी, लुधियाना।

(जयदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यानय के विलेख संख्या न० 4643, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर 1980

मोहर:

11--296G1/80

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

पायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी घारा, 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1980

निर्देश सं० डराबस्मा/88/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसका मं० भूमि क्षेत्रफल 32 बिग्गे है, तथा जो नागला तहसंत्र डहरा बस्गांच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रामुची में श्रीर पूर्ग हा ये वाँजा है), रजिन्द्री उनी अधिकारी के कार्यालय, डहरा बस्सा में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख 1/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूह्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विन्निलिखित उद्देश्य से जक्त अन्तरण, निक्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) पन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे चचने में मुविधा के लिए; क्रीए/मा
- (क) बैसी किसो माय या किसी धन या मन्य मास्तिमों को जिन्हें भारतीय माय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या मन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट तहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भव, उनत भिविनयम की घारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उकत भिविनयम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन भीनिष्नकिष्ठित स्वनित्रयों भवति :--- श्री ध्यान सिंह पुत्र श्राबलदेव भिंह निवासी गांव नागली, तहसील करा बस्सा जिला पटियाला

(भ्रन्तरक)

2 नर्वर्श्वः ब्रिज मोहन, व्याहन सिंह राज सिंह, र म सिंह, कर्म सिंह, रणदाप सिंह, रणजात सिंह, रणबार सिंह, बलवार सिंह पुत्रश्री ज्याबन्त सिंह निवासा गांव नांगना, तहसाल डेरा बस्सा जिला पटियाला

(प्रस्तिरेतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजरत में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिव-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 32 बिगे, गांव नागना, तहसान डेरा बस्सा/ (जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रोएनी ग्रिधिकारी डेर. बस्सा के कार्यानय के विलेख सख्या नं० 1007, जनवरा 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सञ्जन प्राधिकारः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंग, लुधियाना ।

तारीख: 15 सितम्बर 1980

प्रकार आई० टो० एत० एत० चन्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियानः, दिनाक 15 सितम्बर 1980

तिदेण सं० ध्रह्मदगढ़/42/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, महाण्क ग्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, नुधियाना,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाड मृल्य 25,000/- इपए से मिधक हैं

और जिसको सं० भूमि क्षेत्रफल 40 बिल्घे 15 विवे हैं, तथा जो गांच वापला पो० श्रो० मार्का जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्री मती श्रीधकारी के कायिलय, ग्रहमदगढ़ में रिक्स्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 के 16) के श्रधान, तारीखा 1/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भिष्टितयम के अधीन कर देने के भन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रम्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उनत धिधितयम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चादिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उपन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित म्यक्तियों, श्रयीत्:-- 1. श्रीमती उत्तम कौर पत्नी श्री सुच्चा सिंह निवासी गांव वापला पो० ग्रो० मांकी तहसील श्रहमुदगढ़ जिला संगरूर

(अन्तरक)

2. सर्वश्रो बन्मा सिंह, जन्मा सिंह, केवल सिंह पुत श्रो जागीर सिंह निवासी गांव वापला डाकखाना मिकी, जिला संगरूर।

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में द्वकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीविनयम, के ग्रध्याय 20-क में परिवाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 40 विग्गे 15 विस्वे गांव कापला जिला संगरूर —

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ग्रष्टमदगढ़ के कायिक्य के विलेख संख्या नं० 48 जनवरी, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रैंज, नृधियाना ।

तारीख: 15 सितम्बर 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1980

निर्देश सं० लिधयाना/53-पा/79-8 0---यतः, सुखदेव चन्द भायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मुल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं। भ्रौर जिसका सं० रिहायणा प्लाट क्षेत्रफल 505 5/9 वर्ग गज है, तथा जो महल बगात लुधियाना में स्थित है (स्रोट इससे उपाबद भ्रन्सची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता <mark>ब्रधिकारः के कार्य</mark>ालय, लूधियाना में रिजिस्ट्रोकरण ब्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1/80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर थन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के वीच रेंपे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देशा ने उत्त धन्तरग तिखित में वास्तविष्ठ रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसे किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रवः, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-परण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपग्रारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रवीतः :-- 1. श्रा पूर्ण सिंह पुत्र श्रा गुलाब सिंह श्रा गुरमेल सिंह पुत श्रा गुलाब सिंह, द्वारा श्रा पूर्ण सिंह पुत्र श्रा गुलाब सिंह निवासा संगत रोड मकान नं० 463 मिविल लाइन्स लुधियाना

(ग्रन्तरक)

श्री श्रीम प्रकाश पुरो पुत्र श्रा सोहन लाल म कान नं को-II-244 कूच्चा विहारा लाल लुधियाना (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खबत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हितबद्ध किमी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्ग्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 505 5/9 वर्ग गज महल वगत लिधयाना (जायदाद जैमा कि रिज्स्ट्राफ्ती श्रीधकारी लुधियाना विलेख संख्या नं० 4695 जनवरा 1980 में दर्ज है।)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर भ्रम्युक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारोख: 15 मितम्बर 1980

प्रकृप माई० टी० एन • एस • -----

भायकर अधिनि गम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बर्धान मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाव 15 मितम्बर 1980

निर्देण मं० चण्डीगढ/415/79-80----यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, महायक श्राय-रि श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, निधियाना,

आयकर गिंधनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थीयर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- दे की अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 58 है तथा जो इन्डस्ट्रीयन एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसम उपाबद्ध प्रमुक्त में और पूर्ण रूप से बीणा है), रिजस्ट्रीकर्ग अधिकार, के कार्यालय, चण्डीगढ़ धें रिलस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख जनवरी 80

को पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल प्रधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अश्वरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तलिखित उद्श्य से उक्त धन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसा ग्राय की बायत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर को के ग्रग्नरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात 11. श्रा गंगा सिंह पुत्र श्री है। रा सिंह, प्यारा सिंह पुत्र सिंह हाक्म सिंह, खुद श्रीर बच्चों के लिए सर्वश्री जोगिन्द्र सिंह, गुरमेल सिंह, मिस हरमिन्द्र कीर सोर वासी 115 वैक्टर 21-ए चण्डीगढ़।

(श्रन्तरक्)

2. श्रमतः श्रविन्द्रजीत कौर पत्नी श्री गुरबक्षण सिंह खुद व बच्चों के लिए श्री राज कंवर सिंह, रणवीर सिंह निवासी मकान न० 12-सः भुषिन्द्र नगर पटियाला।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए कार्यवाह्यियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 जिज्ञित में किए जा सकेंगें

स्पद्धीकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उनत अधिनियम के ध्रध्याय 20-च में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 58, इन्डस्ट्रियल एरिया चण्डीगढ़। (जायदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकार: चण्डीगढ़ के कार्यालय विलेख संख्या नं० 2154 जनवरी 1980 में दर्ज है।

> मुखदेव चन्द सक्षमप्राधिकारः महायक स्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 मितम्बर 1980

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1980

निर्देश सं० खन्ना/98/79-80—-यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, श्रायकर श्रायुक्त सहायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मबीन सभाग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- ४० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 10 कनाल है, तथा जो खन्ना जिला लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खन्ना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रधीन, तारीख 1/80

की पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिये मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत आंधक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिति (अन्तरित्यों) के आज एसे अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिति (अन्तरित्यों) के आज एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिश्वल, निम्नलिखित अश्यम स एक अन्तरक सन्तरक लिए तम पाया गया प्रतिश्वल, निम्नलिखित अश्यम स एक अन्तरक सन्तरक लिखा में बास्त्यक कप के किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिक्षि-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहियेथा, जियाने में सुविशा के सिष्;

मतः अब, उक्त भिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-म की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यांक्तियों, अविद :---

- 1. श्री कस्तूरी लाल पुत्र श्री राम प्रताप निवासी वार्ड नं० 12 मकान नं० 4 खन्ना कला जिला लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री दर्शन सिंह, महेन्द्र सिंह, कुलवन्त सिंह, हरवन्स सिंह पुत्न श्रो अमरसिंह, श्रीमती गुरमेल कौर पुत्री श्री गुरदियाल सिंह वार्ड नं० 6, मकान नं० 503 खन्ना जिला लुधियाना ।

(ब्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त समाति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तक किसी भन्य स्थित द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपस्टीकरण:--इसमें प्रपुक्त शब्दों भीर पदों का, जा उसन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों भयं होगा, जो नस धक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 10 कनाल खन्ना जिला लुधियाना:— (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1310 जनवरी 1980 में दर्ज हैं)।

> सु**खदे**व चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ृश्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 सितम्बर 1980

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छार। 269-म (1) के अभीम सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर मायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 15 सितम्बर 1980

निर्देश सं० खना/99/79-80—-यत , मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेज, लुधियाना आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल 15 मरले हैं, तथा जो खन्ना जिला लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खन्ना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1/80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्न अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरगते हुई ितमो आय की बाबत, खनत अधिनियम, के मधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्व में कमी करन था उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किया आप पा किसाधन गा प्रत्य धास्तियों की, जिल्हें भारतीय आयकर धिवित्रन, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर धोधित्यम, 1957 (195/ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम को घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत पिधिनियम को धारा 269-म की उपवारा। (1) के पिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात !—— श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री करतार सिंह मकान न० 500 वार्ड नं० 12 खन्ना।

(ग्रन्तरक)

2 सर्वश्री राजी कुमार, प्रवीण कुमार श्रानिल कुमार पुत्र श्री जय किरन दाम श्रीमती कमलेण कुमारी पत्नी श्री त्रिलोचन कुमार, श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री ण्याम लाल मार्फ्त मैंसर्म ग्रमर स्टील इन्डस्ट्री जी० टी० रोड, खन्ना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की भन्निया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भन्निस, जो भी
 भन्निस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोपन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेयें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दो भीर पढ़ी का, जो उक्त श्रधितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी धर्ब होगा, जो उस वस्ताय व दिया एवा है।

धनुसूची

भूमि श्रोतन्नफल 3 कराल 15 मरले खन्ना जिला लुधियाना: (जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता खन्ना के कार्यालय विलेख मंख्या नं० 1790 जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द यक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रजंन रेज, लुधियाना

तारीख . 15 सितम्बर 1980 मोहर : प्ररूप बाई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना कार्यालय

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1980

निर्देण सं० खन्ना/100/79-80---यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनिय' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 14 कनाल 4 मर्ले हैं, तथा जो खन्ना कलां, जिला लुधियाना में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खन्ना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1/80

को पृष्टोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री द्वारका दास, मुकन्द लाल, सतपाल, महेन्द्र नाथ, श्रिज भूषण, पुत्र श्री बनारसी दास श्रीमती सुदेश कुसारी, सरोज कुमारी, विजय लक्ष्मी पुत्रियां, श्री बनारसी दास श्रीमती सवित्री देवी पत्नी स्वर्गीय श्री बनारसी दास चण्डाला मार्कीट खन्ना कला जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री दर्शन सिंह, महिन्द्र सिंह, कुलवन्त सिंह, हरपाल सिंह पुत्न श्री अभर सिंह श्रीमती गुरमेल कौर पुत्री श्री गुरदियाल सिंह वार्ड नं० 13 मकान नं० 618 खन्ना मोहल्ला कोटी गिरां खन्ना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- उक्त सम्पित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमिक्षेत्रफल 14 कनाल 4 मरले खन्ना जिला लुधियानाः (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1798 जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15 सितम्बर 1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एम०---

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

ावित्य, महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1980

निर्देश मं० खन्ना/101/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (गिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- स्पये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल 11 मरले हैं, तथा जो खन्ना, लुधियाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, खन्ना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 1/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रक्षिक है श्रोर अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि उन्तर में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) यन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ध्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्ग अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अत: धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---12—296GI/80

- श्री कर्म सिंह,श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री करतार सिंह वार्ड नं० 14 मकान नं० 501 खन्ना जिलालुधियाना । (श्रन्तरक)
- 2. सर्व श्री राम मूर्ति पुत्र श्री कँवर सेन श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी श्री कृष्ण कुमार गुलशन लाल पुत्र श्री सेवाराम, खरैती लाल व चूशी लाल निवासी मकान नं० 268 वार्ड नं० 5, खशा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ध्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, सधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर ादों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सुची

भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल 11 मर्ले खन्ना : (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1814 जनवरी 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रोंज, लुधियाना

तारीख: 15 सितम्बर 1980

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 मितम्बर 1980

निर्देश सं० चण्डीगढ़/430/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द, सह्।यक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना श्रायकर श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- रुपए में ग्रधिक है श्रौर जिमकी मं० लोजिंग कम रैस्टोरेन्ट साईट नं० 1090-91 है, तथा जो मैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इममें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 1/80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, एने दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त श्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या प्रत्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

भ्रतः, अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथौतः— 1. श्री जसिवन्द्र सिंह पुत श्री गमशेर सिंह श्रीमती सनवन्त कौर पत्नी श्री शमणेर सिंह सर्व श्री श्रीतम सिंह, कुलदीप सिंह, लाजपत सिंह पुत्र श्री पोहली सिंह, जसिवन्द्र सिंह खुद व मुख्यारेग्राम श्रीमती सतवन्त कौर, त्रितपाल सिंह, कुतदीप सिंह निवासी कल्याण वाली, तहसील फाजिल्का।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वास देव शारदा पुत्र श्री राम रक्खा मल श्रीमती वीना शारदा पत्नी श्री वाम देव शारदा, श्री गुभाप चन्द शारदा पुत्र श्री राम रक्खा मल. मिसज तारा शर्मा पत्नी श्री एम० मी० शर्मा द्वारा श्री वाम देव शारदा नित्राशी मकान नं० 1263 मैक्टर, 22-वी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरग:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो खक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं यथे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाजिंग कम रैस्टोरेन्ट माईट नं० 1090-91 सैक्टर 22बी, चण्डीगढ़ :—

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2184 जनवरी 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15 मितम्बर 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 मितम्बर 1980

निर्देश मं० पटियाला/405/79-80—यतः, मुझे, मुखदेव चन्द, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना अध्यकर श्रायकर श्रायकर (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-खा के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जायदाद 16 कनाल है, तथा जो झिल, पिटयाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजम्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, पिटयाला में रिजम्ट्रीकरण श्रीविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख जनवरी 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से कथा कप से कथा नहीं किया गया है:—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्नरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर,या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर पिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उन्त धिंधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:--- श्री दरवारा सिंह सपुत्र श्री नारायण सिंह मार्फत श्री नरेन्द्र सिंह सपुत्र श्री दरवारा सिंह रिहायणी 57-ए सरावा नगर, लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

2. सर्वश्री वीरेन्द्र सिंह, रिवन्द्र सिंह, मिहन्द्र सिंह, निरन्द्र मिह सपुत्र श्री हरदयाल सिंह श्रीर श्री हरदियाल सिंह सपुत्र श्री प्रताप सिंह रिहायशी झिल, पिटयाला । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धाजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त नंतिन के प्रवेन क संबंध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ससे 45 दिन की धविधि या तस्सबंधी क्य क्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में सभाष्त्र होनी हो, के भीतर पूर्वोकत क्यिन्यों में से किसी क्यांकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संस्पत्ति में हित- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भक्षोहस्ताक्षरी ने पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्राध्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त एग्बों भीर पदों का, जो उनत प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अबंहोता जो उस विष्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जायदाद 16 कनाल क्षिल, पटियाला में है:—— (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के विलेख सं० नं० 5310 जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 22 सितम्बर 1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- जु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 सितम्बर 1980

निर्देश सं० पटियाला/406/79-80--यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, लुधियाना, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसदे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खेती बाड़ी वाली भूमि 36 कनाल 14 मरले (22020 वर्ग गज) है, तथा जो विपड़ी सेदा पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख जनवरी 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अभीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री हरभजन पुत्न श्री वरियाम सिंह रिहायशी कोठी नं० 30 सैक्टर-2 चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री शाम लाल पुत्र श्री जमना दास रिहायशी पटियाला रघुवीर चन्द सपुत्र श्री बन्त राम रिहायशी पटियाला, अच्छर लाल सपुत्र श्री मोती राम रिहायशी चण्डीगढ़ भ्रम्छरा रानी पत्नी श्री लाल चन्द रिहायशी पातडाँ, जय गोपाल पुत्र श्री हरी राम रिहायणी पातड़ाँ, ज्ञान चन्द पुत्र श्री हरबन्स लाल रिहायणी पटियाला, कमलेण पत्नी मेघ राज रिहायशी लक्ष्मण दास सपूत्र श्री बलैती राम रिहायशी पातडाँ, तरसेम चन्द सपूत्र श्री बलैती राम रिहायशी पातडौं, राम सम्प सपुत्र श्री वसन्ता मल रिहायशी संगरूर, शीला देवी पत्नी श्री जगदीश राय रिहायशी राम प्यारी पत्नी श्री सपूरन चन्द रिहायणी पातड़ाँ, बनारसी दास सपुत्र श्री सन्त राम रिहायशी राजकुभार सपुत्र श्री मदन लाल रिहायशी पातड़ौं, प्रकाश चन्द सपुत्र श्री साध्राम रिहायशी कनालपुर, पूरन चन्द सपुत्न श्री साधु राम रिहायशी कनालपुर, इन्द्र सैन सपुत्र श्री साधु राम रिहायणी पटियाला, सावित्री देवी पत्नी श्री मदन लाल रिहायशी पातड़ौ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी वाली भूमि 36 कनाल 14 मरले (22020 वर्ग गज)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पटियाला के विलेख संख्या नं० 5342 जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 22 सितम्बर 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 22 मितम्बर 1980

निर्देश सं० लुधियाना/536/79-80—यतः, मुझे, सुखदेव

चन्द,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विष्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक भ्रौर जिसकी सं० 500 वर्ग गज का प्लाट है, तथा जो ग्रीन फील्ड लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में, भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के

- इम्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुष्यमान प्रतिकत के पुन्बह प्रतिशत से ग्राधिक है पीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है।
 - (क) ऋग्नरग पे दुई किनी आज की वाबन उक्त आधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक्तर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः भव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुक सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ग्रपीत:--

1. श्री विलोचन सिंह ग्रौर श्री प्रदूसन सिंह पूत्र श्री दर्शन सिंह, 289-भ्रार माडल टाऊन लुधियाना

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती लखवीर कौर पत्नी श्री ग्रमरीक सिंह ग्रीन फील्ड लिधियाना

(भ्रन्तरिती)

को गर्मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्य । हियां **कर**ता हूं ।

७३१ सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

श्पद्धाः तरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही म्नर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

५०० वर्ग गज का प्लाट जो ग्रीन लुधियाना मे स्थित हैं :---। जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 4639 जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जग रेंज, लुधियाना ।

तारीः : 22 सितम्बर 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षायां लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 सितम्बर 1980

निर्देण मं० अमलोह/133/79-80—यत, मुझे, सुखदेव चन्द्र, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं ० रिहायशी जायदाद है, तथा जो बार्ड नं ० 5. (कक्कड़ माजरा) गोविन्दगढ़ स. त० श्रमलोह में स्थित है (श्री र इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकरी के कार्यालय, श्रमलोह में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1 जनवरी 1980 को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थात्:—- 1. श्री जनपाल मपुत्र श्री प्यारा लाल रिहायशी मण्डी गोविन्दगढ़ जिला पटियाला

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कोमल रानी पत्नी श्री शाम मुन्दर श्रौर श्रीमती कमलेश गोयल पत्नी श्री गोपाल दाम रिहायशी वार्ड नं० 5 मण्डी गोबिन्दगढ, जिला पटियाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपप्र मा प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्यण्डीकरणः—एतमो प्रयुक्त धड्यों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

रिहायणी जायदाद वार्ड नं० 5 मण्डी गोविन्द गढ़ में है — (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकरी श्रमलेह के विलेख संख्या न० 1811 जनवरी 1980 में दर्ज है)।

> मृख देव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंग रेंज, लुधियाना।

नारीख: 22 सिनम्बर 1980

प्ररूप भाई • टी० एत० एस०----

आयकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अद्योग मुचना भारत सरकार

लपांचि, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1980

निर्देश यं० ए० सी० नठ० 194/80-81---यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है श्रीर जिसकी मं० 19/बी है, तथा जो अमीरवेट हैदराबाद में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए पन्तरित की गई है धौर मुझ यह विण्वाम करने का कारण है कि यथार्वोक्ट सम्पत्ति का छिनत बाजार मूल्य, छसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अनारण ने हुई कियो आप को बाबत उक्त अधितियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत धिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मूर्विधा के लिए।

अतः धव, उक्त ग्राधिनियम की धारा 269 के कमूसरण में में, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्रोमनी कानता लगमी रतीलाल विवेदी पत्नी स्वर्गीय रतीलाल मोहनलाल विवेदी, घर नं०-96 जोरा, निकन्दराबाद।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती नरला बाला कृष्ण कुमारी पत्नी एन० श्ररण कुमार, घर नं० 6-3-900/5, सोमाजीगुडा, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उस्त सम्पति के अर्जुत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना हे शाजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्व व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्झेकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणित है, वहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं 19/बी, एकट न 19 का विभाग है बीर्क्तन 625 वर्ग यार्ड है अभीरपेट हैदराबाद में रजिस्ट्री दण्यावेज नं 162/80 उप-रजिल्ट्री कार्यलय कैरताबाद में ।

> एम० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सडायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अजन रोंज, हैदराबाद

नारी**ज** : 30-7-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 30 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० सी० नं० 195/80-81—यत:, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत भिधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 10-5-4/1/बी है, तथा जो मासाबटेनक हैदराबाद में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद अनुसूची में फ्रॉन्यूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैद बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफ के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रीधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--

- (1) श्री कुसुमा मुज्जाराव, 24~94 गांधीनगर,
 - (2) श्री बी० रंगास्वामी पिता बी० हनुमय्या, 24-94 गांधीनगर, वनपरती तालुक, महबूबनगर जिला (अन्तरक)
- श्री मैयद हुसैन शकील पिता सैयद मुहमद हकबाल, नं० 19-1-870/4/ए० बहादुरपुरा, हैदराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पन्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों श्रौर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुली जमीन वीस्तंन 1000 वर्ग यार्ड जिस का सर्वे नं० 128 है मु० ग० 10-5-4/1/बी मासाबटेंक मल्लेपली हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 452/80 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराचाद

तारीख: 30-7-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजीन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 27 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी० नं० 238/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4-4-760 है, जो सुलतान बाजार हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय मोजमजालि मार्कीट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्स ग्रिष्टिनियम के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण 14 में, में, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 13—296GI/80

- ग्रकतर हुसैन पिता खुरशीद हुसैन जि० पि० ऐ० सीरज हुसैन 11-5-329 रेड हिल्स हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- श्री सरदार गुरबचन सिंह पिता सरदार राम सिंह 4-4-224 ईदरबाग सुलतान बाजार हैदराबाद-500001।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पाल में
 हितवज्ञ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

घर नं० 4-4-760 वीस्तीनं 70 चतुरगंज सुलतान बाजार हैदराबाद में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 234/जनवरी 1980 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 27-8-1980

प्ररूप भाई। टी एम एस ---

आयक्र **विधित्यम**, 1961 (1981का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मामुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० श्रार० ए०सी० नं० 239/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द रान,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० में प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4-4-801 है, तथा जो सुलतान बाजार हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, मोजमजालि मार्कीट में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिये मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीत कर देने के अन्तरक के घायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविद्या के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपवारा (1) अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती मेहरूप्रीसा पत्नी श्रफताब हुसैन 11-5-339
 रेड हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती दूसा लक्ष्मी बाई पत्नी दूसा नरसहेलू 3-5-557 विठलवाडी, हैदरावाद

(भ्रन्त रिती)

को यह मुचा जारी करके पूर्वोक्त सम्पिम के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धान्नेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से

 45 दिन की मर्वीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना को तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीकन
 ं व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ ध्यक्ति द्वारा, भक्षे।हस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पड्डोकरण:---इमर्वे प्रयुक्त गान्दा और पदा का, जो उक्त घछि-नियम के अध्याय 20-क में परगाणित हैं, बही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिश गया है ।

अमुसूची

घर नं० 4-4-801 विस्तीर्न 70 चतुरगंज सुलतान बाजार में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 233/80 रजिस्ट्री-कर्ना श्रधिकारी मोजामजाहि सार्कीट में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाट

तारोख: 27-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस•----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद कायलिय

हैदराबाद, दिनांक 27 ग्रगस्त 1980

निदश सं० श्रार०ए० सा०नं० 240/80-81——यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं कि सर्वे नं 57 है, तथा जो करमान घाट गांव हैदराबाद, तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्राकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख जनवरा 1980

को पूर्वोक्त गंपरित के उचित बाजार मूल्य से अम के दृश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- श्री वंगा बकसपित रेडी वंगा सूर्य प्रकाश रेडी करमानघाट गांव, हैदराबाद ईस्ट रंगारेडी तालुक। (भ्रन्तरक)
- 2. दि विकर मेक्शन किस्टियन को-ग्रापरेटिव हौसिंग सोसायटी लिमिटेड एस० ग्रार०टी० 77 रिमाला जखुरशोद जहीर मुशीरामेंदि, हैवराबाद। (ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिलाधित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनस्पी

10 एकर जमीन सर्वे नं० 57 करमानवाट गांव, हैदराबाद ईस्ट जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 170/80 रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अवीत्--

तारीख : 27-8-1980

प्रकप ग्राईं • टी • एन • एई • ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ध (1) के प्रजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 27 मगस्त 1980

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 241/8 0-8 1---यत:, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु० से अधिक है,

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 57 है, तथा जो करमान घाट गांव हैदराबाद, तालुक में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुस्ची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोक्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अम्लरक (धन्तरकों) और अम्लरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त धन्तरण निखित में डास्तिक रूप से किवत नहीं दिया गया है:——

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उन्त अधि-नियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

यतः अव, उनत यशितियम की द्यारा 269-ग के प्रमुखरण में; में, उनत अधिनियम की द्यारा 269-च की उपद्यारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रा वंगा ब्रिकशपित रेड्डी,
 वंगा सूर्य प्रकाश रेड्डी करमानघाट गांव हैवराबाद ईस्ट रंगारेड्डी तालुक

(श्रन्तरक)

 दि विकट सेक्णन क्रिस्टीयन की-प्रापरेटिव हौसिंग सोसायटी लिमिटेड एस० प्रार० टो० 77 रिमाला खुरशोद जाहिद मुशोराबाद, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्येनाहियां करता है।

उनत सम्पति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की सर्वाच मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी क से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य भ्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्राधिनयम के अध्याय 20-क में परिशाबित है, वहीं ग्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 एकख 15 गुन्टास जमोग सर्वे नं० 57 करमानघाट गांव हैदराबाद ईस्ट जैमाकि रिषस्ट्रीकृत विलेख नं० 375/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० ॑गोबिन्द राजन ॄसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 27-8-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

धायकर ग्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रजीन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 28 म्रगस्त 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 2 42/80-8 1---यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से ग्रधिक है

म्रगर जिसका मं० 15-1-436/2 है, तथा जो फिलखाना हैइराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध म्रतुमूची में और पूर्ण का से विणित है), रिजिस्ट्राकर्ती मधिकारा के कार्यीलय हैइराबाद में रिजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) वे श्रवीत, ताराख जनवरा 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उश्हेय से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देवे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रीधनियम, या धन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1इ (1) श्रामती सि० सर्रासका पति सत्यनारायन 15-8-487 फिलखाना हैदराबाद,
 - (2) वि० श्रार० सरोजनी पिता रागव सास्त्री मलकपेड हैदराबाद,
 - (3) वि० आर० गनेशक्मार
 - (4) वः० प्रार० सुरेश कुमार फिलखाना हैदराबाद ,

(अन्तरक)

2 श्रा काटम ह्नुमंताराव 15-8-79 फिलखाना हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त गड्यों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा परिशाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

घर न० 15-1-436/2 फिलखाना हैदराबाद में जैमा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 77/8 0 रिजस्ट्रीकृत प्रधिकारी दूदबोली में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-8-1980

प्ररूप धाईं• टी• एन० एस०-

भायकर मंत्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 भ्रगस्त 1980

निर्देश सं० आर०ए०सी० नं० 243/80-81---यतः, मुझे, एम० गोविन्द राजन,

आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-इपये से प्रधिक है

और जिसकी स० 1-2-412/10 है, तथा जो गगन महल को आपरेटिन दोमलगुड़ा में स्थित है (और इससे छपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से निगत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकार के कार्यालय, हैदराबाद नें रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तार ख जनवर। 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान अतिकन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान अतिकल से, ऐसे दृश्यमान अतिकल का पन्अह अतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त4 पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर शिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अंदः अब, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 269-्ग के व्यक्षस्य में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अक्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्री पदमाकर एणवन्त गोडबौल 1-2-412/10 गगन महल को-भ्रापरेटिव डवैलपमेन्ट सोसायटा बोमलगुडा हैदराबाद-29

(श्रन्तरक)

 श्रीमतो समिता सूर्य कान्त माणू पिता सूर्यकान्त डिमाणू 3-4-376/28 झिगमपल्लि, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीन्त्र से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न के प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किमी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जा उपत प्रक्षितियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रथं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया हैं

अनुसूची

घर नं० 1-2-412/10 गगतमहल कोस्रापरेटिव डि-वेलपमेंट सोसायटी कोमलगूडा पर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 736/80 फरवरी 1980 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैवराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 ग्रगस्त 1980

निर्देण सं० भ्रार० ए० सी० नं० 244/80-81, यत:, मुझे, एम० गोविन्द राजन,

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से ग्रधिक है

और जिसकी मं० 5-8-512में 517है, तथा जो चिराम अली लेन हृदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री वर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है पौर मृझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) पौर प्रन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कना करन या उन्हें बवने में मृतिधा के लिए; औरीया
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी घन या धन्य आस्तियों की जिन्हें भारनीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिस्ति। द्वारा उक्ट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सम्ला में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्रामता जी० उमा देवा पति जा० गुग्नाथ राव 3-सी० ए० डा० क्वार्टरम सैकाबाद हैदराकद

(श्रन्तरक)

 श्रामता चन्द्रकला गोपल और 2 मोता गोपल और महेन्द्र कुमार गोयल डी-303 घदर श्रा श्रापिनमेंटम हैदरगूडा, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-ियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं ग्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

घर 5-8-512 से 517 चिराम श्रलीतांन हैदराबाद पर जैंसा कि रिजिस्ट्रेकित विलेख नं० 33/80 रिजिस्ट्रेकित श्रिधिकारी में हैं।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 28-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर पिंघनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 28 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 245/80--यतः, मुझे, एस० गीविन्द राजन,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

स्रीर जिसकी सं० 5-9-29/40/1 है, जो बशीर वाग हैदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, नारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है घौर प्रन्तरक (श्रन्तरकों) और घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त क्रिध-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविद्या के लिए;

अतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातः ---

- श्री स्रोम प्रकाश खुराना पिता मेधराज खुराना 3-4-874/1 बरकतपुरा, हैदराबाद।
- (अन्तरक)
 2. श्रीमती गुरजीत छाबरा पति एस० रजीत सिह छाबरा
 3-3-820 कुतवीगुडा, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोह्स्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ख्रौर पदो का, जो उक्त ध्रिधिनियम के झड्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

खुली जमीन प्लाट न० 1 भ्रौर प्लाट नं० 2 नं० 5~9-29/40/1 बशीरबाग हैदराबाद पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 393/80 रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी हैदराबाद में हैं।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम आधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 28-8-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 श्रगस्त 1980

निर्देश मं० श्रार० ए० मी० नं० 246/80-81--यत:, मुझे, एस० गोविन्द राजन.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिलको सं० 5--9-13 है, तथा जो मैफाबाद हैदराबाद मे स्थित है (ग्रौरडससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, नारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाकित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्ददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात्:--

- 1 (1) श्री के० ग्रार० कुरलावाला, बोमबाई
 - (2) रोशन कुरलीवाला,
 - (3) फानसी दिनयार कार्ड मास्टर,
 - (4) फिवंग उस्ताद चिनाय,
 - (5) शिरीन फिरोज तारापेर,
 - (6) मेहर शोकी काईमास्टर 205 तारवंड सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

2 मैंसर्स स्वस्तीक एसोसिएट्स तारा मंडल 5-9-13 सँफाबाद हैदराबाद-500004।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीर से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-9-13 "कारगमोर" सैफाबाद हैदराबाद जैसा कि रजिस्टीकृत विलेख नं० 259/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 28-8-1980

प्ररूप आहर्. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 28 श्रगस्त 1980

निर्देश मं० श्रार० ए० मी० नं० 247/80-81---यत:, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 3-6-760 है. तथा जो 13वी रोड हिमयत नगर हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का, 16) के श्रधीन, नारीख जनवरी 1980

को पूर्वोवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथितः...

- 1. (1) श्रीमती आर० तिरूपतम्मा पति आर० नारायन गौड,
 - (2) भ्रार० बालराज गौड पिता नारायन गौड,
 - (3) ग्रार० सायन्न गौड पिता नारायन गौड कोत्ता कोटा गांव, वनापती तालुक, महबूबनगर जिला

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री ए० सुरेन्दर राव पिता ए० लक्ष्मी नारायन राव भोते गांव, जगतयाल तालुक, करीमनगर जिला।
 - (2) सी० एच० हरिप्रसाद राव पिता सी० मुरलीधर राव मन्नेगूडेम गांव, मेटपल्ली तालुक करीमनगर जिला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

घर नं० 3-6-760 13वी रोड हिमयन नगर हैदराबाद पर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 746/80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, हैटराबाद

तारी**ख**: 28-8-1980

मोइर :

प्रकृष भाई। टी। एन। एस।--

स्थायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 1 सितम्बर 1980

निर्देश मं० ग्रार०ए० मी० नं० 248/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 10-3-310, 10-3-310ए/1 श्रीर 10-3-310-ए/2 है, तथा जो मासव टाक हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूबी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशान से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त भ्रष्टित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के धायिस्थ में कभी करने या इससे बचने में सुविक्षा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. (1) श्रीजी० वी० धर्मा रेड्डी ,
 - (2) श्रीमती जी० ग्रण्डालु देवी पत्नि श्री धर्मा रही,
 - (3) श्री जी० वी० गिरीस रेड्डी पिता धर्मा रेड्डी, घर नं० 8-2-350/5/v/1 रोड नं० 3 बनजारा हिल्स, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

- . (1) श्रीमर्ता एन० पशा देवी पत्नि एन० जय कृष्णा,
- 2 (2) श्रीमती एन० माधवी मनी पत्नि एन० साई कृष्णा,
 - [(3) श्रीमतो एन० लक्ष्मी कुमारी पत्नि एन० हरि कृष्णाः
 - (4) श्रीमती एन० शान्ती पत्नि एन० मोहन कृष्णा 4-1-427 द्रूप बाजार, हैदराबाद

(भ्रन्तरितो)

3. मैसर्म भारत डाइनेमिक्स लिमिटेड हैदराबाद— (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारी सा से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा जो उस अध्याम में विधा गया है।

धनुसूची

घर और जमीन जिसकी नं० 10-3-310, 10-3-310 ए/1, 10-3-310/v/2 विस्तीर्ण 1370 चतुर वर्ग मीटर, 4176 चतुर मीटर, 1370 चतुर मीटर, मासब टाक हैदराबाद पर जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 109/80, 108/80 और 110/80, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद, हैदराबाट में है।

एस० गोविन्द राजन महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 1-9-1980

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1980

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 249/80-81--यत: मुझे एस० गोविन्द राजन मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है। ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है, जो खुली जमीन बाल्मीकी नगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी केकार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस हे दुश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिशन से ग्रधिक है भ्रोर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रीर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्ननिक्ति उद्देश्य न उनन ग्रन्नरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिः-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त ग्रिघिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन सिम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- (1) श्री रे एल० एन० प्रगदा, मार्फत शंकर सेथू माधव राव, पार्क रोड, कृष्णः नगर, गृदुर। (भ्रान्तरक)
- (2) मैं सर्वे राजा एपार्टमेटस, 15-5-258 ग्रसमान शाही हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पठडीकरण: -- इसमें प्रपुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जा उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन प्लाट नं० 7 बाल्मीकि नगर, गगन महल को प्रापरेटिव सोपायटी, हैदराबाद में जैमा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 719/80 रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक^र स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराजाद

तारीख: 1-9-80

प्ररूप आइ ० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निर्देश में ० श्रार० ए० सी० नं० 250/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० खुली जमीन 6-3-132 है, जो सर्वेनं० 280 बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्णांकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उक्षके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिखित व्यक्तित्तर्गों अर्थादः---

- (1) श्री बी० नारायन रेड्डी, पिता लेट बी० राम रेड्डी, बकील महबूब नगर, महबूब नगर जिला। (ध्रन्तरक)
- (2) डा. सी० कृष्णा रेड्डी, पिता सी० मनीक रेड्डी, जाहिराबाद, मेदक जिला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

खुली जमीन कम्पाउन्ड वाल के साथ नं० 6-3-1132 सर्वे नं० 280 विस्तीर्ण 1595 चतुर मीटर बेगमपेट हैदरा-बाद में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 44/80 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-9-1980

त्ररूप प्राई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

आयकर घविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के प्रशोर मूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 सितम्बर 1980

निदेण सं० ग्रार० ए० सी० नं० 251/80-81—यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- १० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खुली जमीन 6-3-1132 है, जो सर्वे नं० 280 बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, खेरनाबाद में रजिस्ट्री-करण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं खिया गया है:——

- (स) प्रत्याप से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त प्रक्रित्यम के प्रधीन कर देने के प्रत्यापक के प्राधित्व में क्सी करने या प्रसंदे वचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयन्कर घिषिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिषिनयम, या धन-कर घिषिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

चतः सब, उनत सिधिनियम नी बारा 268-म के धनुसरण में, में, उनत सिधिनियम की घारा, 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री बी० नारायन रेड्डी, पिना बी० राम रेड्डी एडबोकेट, महबूबनगर, महबूबनर जिला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जी० श्रमरेन्द्र रेड्डी, पिता जी० सुधाकर रेड्डी, सूर्यापेट, नलगोंडा जिला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येगाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (#) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घिकि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं गर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 6-3-1132 पर सर्वे नं० 280 बेगमपेट हैदराबाद पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 43/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी खैरताबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख:** 3-9-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1980

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 252/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० नं० 159 है, जो टी० एस० नं० 82 तिरुपति टाउन में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण कप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, तिरुपति में रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, तिरुपति में रिजस्ट्रीकरण श्रधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है स्रोर अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उपत श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के स्ननुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:—

- (1) (1) श्री मागारपु चन्द्राणेकर राव पिता श्रीनिवासा राव
 - (2) मगारपु कमालाम्मा पति श्रीनिवासराव
 - (3) जी० इंदरम्मा पति जी० प्रसाद राव,
 - (4) एम० ललिता पति एम० बेंकटराव
 - (5) विमला पति मोहन
 - (6) टी० वीरजम्मा पति टी० मोहन, 281 कोत्ता बीघी, तिरुपति।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुनगारपु पदमनाबराजु पिता मुनगार बासुदेवा राजु, जी० पी० ए० जनार्धना राजु, 618 भवानी नगर, तिरुपति।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर भ्रौर जमीन नं० 159 टी० एस० 82 तिरुपति टाउन पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 244/80 रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी तिरुपति में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-9-1980

प्ररूप माई० टो० एन० एस०------

ग्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निदेश मं० ग्रार० ए० सी० नं० 1066---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्तरत मिविनयम कहा गया है); की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं,

ग्रीर जिसकी सं० है, जो माचवरम (विजयवाड़ा तालुक) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 30-1-1980 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह् प्रतिश्वत से श्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खबत ग्रीवनिवस के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः धन, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उनत अधिनयम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) श्री पेदर्भ सुब्बाराव, पिता सेथय्या, मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चेरुकूरि सीतारामय्या के पुन्न केरुकूरि मिल्लखा-र्जुन राव, माचवरम, विजयवाडा तालूका, कृष्णा जिला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छक्त मम्यत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी पविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धिनियम के अध्याय 20क में परिणाणित हैं, वही अबंहोगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयत्राड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 31-1-80 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 397/80 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी "सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-9-1080

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 सितम्बर 1980

निर्देश सं०म्रार०ए०सी०नं० 253/80-81—स्यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

षायकर षधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की छारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 1036 है, जो वार्ड नं० 1 ब्लाक नं० 7 महबूबनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, महबूबनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **प्रधीन जनवरी, 1980** को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुण्यमान प्रतिकल के लिए भ्रन्तरित की गई है स्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और भ्रम्तरक (अन्तरकों) और भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से तुई किसी भ्राय की बावत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में अधिवधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत:—— 15—295GI/89 (1) जी० यहल्या (2) जी० बाल्लया (3) जी० वेंकटय्या सब का पिता नागय्या कोत्ताचेख्व रोड़, महबूबनगर ।

(ग्रन्सरक)

 श्री जी० नारायणा पिता जी० मल्लय्या कोत्तायेएव् रोड़ महबूबनगर (श्री लखमी नारायणा श्राईल मिल महबूबनगर के बारे में)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रार;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रष्ट होगा, जो उस सम्बाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वार्ड नं० 1 ब्लाक नं० 7 महबूबनगर पर सर्वे नं० 1036 विस्तीर्ण 1 एड 11 गूँटास जैसा कि रिजस्ट्री- कृत विलेख नं० 53/80 रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी महबूबनगर में हैं।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक: 8-9-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रिप्तिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1980

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 254/80-81— यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० सव० नं० 6 है, जो ऐकट्टा गांव बौनेपल्ली सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1980

भो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यनान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रीयकर श्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिश्चित्यम, या धन-कर श्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,] छिपाने मे∤] सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उदन अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में. में. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपघारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीतः :--- श्री बी० ग्रशोक रेड्डी पिता बी०पुल्ला रेड्डी तारबंड सिकन्दरा बाद कनटोनमेट ।

(ग्रन्तरक)

2. दि सौजन्या कोभ्रापरेटिय हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड टी० ए० बी० न० 233 6-6-37/3 कवाड़ीगूड़ा सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
 भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

∫स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिकाशित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सुखी जमीन विस्तीर्न 1 एकड सर्वे न० 8 श्रौर सर्वे नं० 6 में पट्टि तोकट्टा गांव पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 192/80 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी सिकन्दराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक: 9-9-1980

मोष्ट्रर:

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1980

निदश सं० आर० ए० सी० 255/80-81—यत: मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संव सर्वे नंव 12 है, जो तोकट्ठा गांव सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती आरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,वर्षात्:— श्री बी० ग्रमोक रेड्डी पिता लेट बी० पुल्लारेड्डी तारबंड सिकन्दराबाद कानटोनमेंट।

(भ्रन्तरक)

2. दि सौजन्या कोन्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी टी० ए० बी० 233 6-6-37/3 कवाडिगूंडा सिकन्दराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :~

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं:

अनुसूची

सूखी जमीन विस्तीर्न 1 एकड़ सर्वे० नं० 12 तोकट्ठा गांव पर सिकन्दराबाद कान्टोनमेंट में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता विलेख नं० 102/80 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी सिकन्दराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-9-1980

प्रकृष भाई • टी • एत • एस •-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-4(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैं बराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 256/80-81—यतः मुझे एस० गोबिन्द राजन,

प्रायकर प्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रिधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे० नं० 59 है, जो सुभाषनगर करीम-नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करीमनगर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में शस्त्रिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धिनियम के धन्नीन कर देने के प्रकारक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए धीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भाक्तमों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या घन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के शिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के सनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवितः— 1. श्री मंगीलाल मनडाडा पिता श्री सीताराम मनडाडा श्रशोकनगर करीमनगर।

(भ्रन्तरक)

 श्री भीमराज मनडाडा पिता श्री किशन मनडाडा गांधी रोड, करीमनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छन्त सम्पत्ति के ग्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब दें किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पाम लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उसत ग्रिविनयम के अध्याय 20-कं में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अमुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 59 सुभाषनगर विस्तीणे 38 गूठास 86 स्केयर गज करीमनगर पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 239/80 रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी करीमनगर में है।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

विनाक: 10-9-1980

प्रारूप आई • टी • एन • एस •---

भायकर घश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, है**द**राबाद

हैदराबाद, दिनाक 10 सितम्बर 1980

निर्देश स० ए० सी० न० 257/80-81—यत मुझे एस० गोविन्द राजन,

धायकर धिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिष्ठीन सक्षम धिष्ठिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपए से धिषक है

भ्रौर जिसकी स० 1-11-252/1 है, जो बिगमपेट हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रीधिक है और अन्तरक (अन्तरको) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम', के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिश्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना भाहिए था छिपाने मे सुविधा के लिए;

भतः, ग्रब, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा के ग्रधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् .-- मैसर्स जब्बर रिअल इस्टेट 54, नल्लागाट्टा सिकन्दरा-बाद।

(ग्रन्तरक)

2 श्री टी॰ रामकृष्णा 3-6-671 हिम्मतनगर हैदरा-बाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज्वत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढटोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं ध्रथें होगा, जो उस ग्रध्याय मे दिया गया है।

अम् सूची

प्लाट न० 19 घर न० 1-11-252/1 बिगमपेट हैदरा-बाद जसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 100/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सिकन्दराबाद में हैं।

> एस० गोविन्स राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक 10-9-1980 मोहर प्रकप माई• टी• एन० एस•------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43)की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं०आर०ए०सी०नं०258/80-81—यत, : मुझे एस० गोविन्द राजन,

बायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- दंश से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 3-6-163/1 है, जो हैंदरगुड़ा हदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिम्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृण्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छन्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृह्द प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) आर बन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (न) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के घंधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ल) ऐसी किसी आप या किसी धन या अग्य मास्तियों की, जिन्हें मारतीय आयकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, छक्त प्रक्रितयम की धारा 269-च के अमृश्रश्च में, में, उक्त अधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, प्रकृतिः---

श्री रिफकत श्राली सिद्दीकी पिता नुसारत श्राली सिद्दीकी
 3-6-136/11/18 हैदरगुड़ा हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्री मुहमद ग्रहमदुल्ला सिद्दीकी पिता मुहमद ग्रब्दुला रहीम सिद्दीकी निवासी ग्रहमद काटेज, मुश्रीराबाद हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्थोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पूजना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भन्नित या तत्सम्बन्धों क्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भन्नित जो भी भन्नित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्ति में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकान की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितया किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरूताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोत्तरग--इसर्ने प्रयुक्त शल्दों और बदाका, जो जबत अधिनियम के अख्याय 20-क में परिभाषित हैं. बढ़ी श्रव डोगा जा यस अख्य में विया गया है।

अनुसर्घ)

घर ग्रीर जमीन विस्तीणं 247 चुर्तगज छोर नं० 3-6-163/1 हदरगुड़ा हैदराबाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता विलेख नं० 1622/80 रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

दिनांक: 10-9-1980

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर, 1980

निर्देश सं०आ(२०ए०सी०न० 259/80-81—यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 16-7-387 से 391 तक है, जो ग्राजम-पुरा हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है),रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्राजमपुरा में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रिधीन जनवरी 1980

को प्वांक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— श्रीमती भ्रब्बास हुसैनी बेगम पति मिर ताकी श्राली खान 3-6-261/1 हिस्मतनगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती (1) रिक्या बेगम पित से यदश्राली श्रब्बास रीजवी(2) कु० तब्बसुम श्रब्बास (3) कु० तारानुम श्रब्बास (4) कु० ससारत (5) कु० यूसरा बालूल पुत्ती श्री सयद ग्रली अबास रडव 22-3-626/ए2/(5/3 श्रार० टी०) जहरा नगर हैंदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 16-7-387 से 16-7-391 में विभाग विस्तीणें 1350.2 स्क्रबेयर मीटर श्राजमपुरा में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 255/80 रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी श्राजमपुरा में है।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, महायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 10-9-1980

प्रकष भाई• टी॰ एन• एस•----

आयक्कर अधिनियम, 1961 (1961 ा 43) की धारा 269-च (1) के अधीर मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निर्देश सं०आर०ए०सी०नं०260/80-81---यतः, मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उन्द अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छित्त बाजार पृष्य 25,000/- व॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० 7-1-39 है, जो श्रमीरपेट हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन के जनवरी, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त पश्चित्यम के प्रधीन कर देने के सक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अभ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर स्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिक्षितयम, या धन-कर स्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रसः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269--ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त मित्रिनियम की धारा 269-- न की उपधारा (1) के भ्रमीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री महमद मोईजुद्दीन हुमैन पिता महमद काशीमुद्दीन हुमैन नं० 10-3-311 1/ए० मासबटाक हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. मैं मर्म बेस्टो टीन प्रिटर्म 7-1-39 अमीरपेट हैंदराबाद 500016 पार्टनर्स (1) रूकमीनी बाई (2) दुर्गाबाई (3) बालकिणन गनेरीवाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोश्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

खक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **धाक्षेप** !---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की सविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तासारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण: -- इपमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिधितयम के ग्रह्माय 20-क में परिभावित है, वही मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घरनं० 7-1-39 ग्रमीरपेट हैदराबाद में विस्तीर्ण 4311 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 728/80 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 10-9-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 16 जून 1980

निर्देश मं० 277/80-81—यत:, मुझे, एच० तिम्मय्या, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

प्रोर जिसकी सं० एस० नम्बर 461/415 है जो पोबंब हो, धार्डज, गोवा में स्थित है (प्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रोर पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारों के कार्यालय, बार्डेज प्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 118 दिनांक 23-1-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिवात से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निक्तित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्राधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः भव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रयीत् — 16—296GI/80

1. श्री एडवित फान्सिस्को जोस नरोन्हा, (2) श्रीमती मिता किस्मत छाइस ई० नरोन्हा, क्ल्या, छा० गुना गांन्साचिस पनजि, गोवा।

(भ्रन्तरक)

 श्री सर्तिद्र मोहन मल्होत्रा "मोरोड" पोर्बबड्डो कलगुट, गोवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त स्रिष-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोर्वबङ्घो बार्डेज, गोवा में एस० नम्बर 461/415 में स्थित 1300 स्केयर मीटर खुला जगह ग्रौर विल्डिंग जिसका नाप है "मोरोड"।

> एच० तिम्मय्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर ।

विनांक: 16-6-1980 मोहर: प्ररूप आहु. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बगलीर

बंगलौर, दिनांक 16 जून 1980

निर्देश सं० 278/80-81—यतः, मुझे एच० तिम्मय्या, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

म्रोर जिसकी सं० सी० टी० एस० नम्बर 122/103 है, जो वार्ड नं० III न्यू काटन मार्केट हुबलि में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ली श्रधिकारी के कार्यालय, हुबलि भ्रंडर डाक्युमेंट नंबर 1885 दिनांक 14 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के जिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या लन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृक अनुसरण में , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः— श्री सिदिलगप्पा इश्वर्ष्पा बुल्ला लयामिग्टन रोड़ हवलि।

(भ्रन्तरक)

2 (1) श्री भवरलाल कोजाजि ग्रोस्टबाल (2) श्री धनराज कोजाजि ग्रोस्टबाल (3) श्री पारसमल कोजाजि ग्रोस्टबाल श्री राजाजि कोजमल ग्रौर संस के भागीदार न्यू काटन मार्केट, हबलि।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित विष्या क्यांकित के विषय क्यांकित के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

 $70' \times 133'$ खुला जगह श्रौर बिल्डिंग सहित जिसका सी०टी० एस० नम्बर है 122/103 श्रौर जो बार्ड नम्बर 111 न्यू काटन मार्केंट तुबिल में स्थित है।

एच० तिम्मय्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज, बंगलौर ।

दिनांक: 16-6-1980

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

धायकर घिष्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) ने ग्रश्नीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज, बगलीर

बंगलौर, दिनांक 16 जून 1980

निर्देश स० 279/80-81--यतः मुझे, एच० तिम्मय्या, भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधक xौर जिसकी स० सी० टी० एस० नम्बर 122/103 है, जो वार्ड नम्बर 3 न्यू काटन मार्केट हुबली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हुबली भ्रंडर डाक्युमेट नम्बर 1886 दिनाक 14 जनवरी, 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के दृश्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकश मे, ऐसे दृश्यमान प्रसिफल का पन्द्रहु प्रतिकत ग्रविक है और ग्रन्तरक (घन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिचित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण निवित में नास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:----

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रमीन कर देने के प्रस्तरक के वायस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्य ग्रन्तिश्ति हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया चाना चाहिए चा, छिपाने सें सुविग्ना के लिए;

ग्रतः थव, धनतं ग्रधिनियम की घारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त ग्रिबिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अग्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री सिदिलप्पा ईप्रवरप्पा बुल्ला लयामिंग्टन रोड़ हुबली।

(भ्रन्तरक)

2. (1) शा भवरलाल कांजाजि श्रोस्टबाल (2) शा धन-राज कोजाजि स्रोस्टवाल (3) शा पारसमल कोंजाजी श्रोस्टवाल शा राजजि कोजमल श्रौर सस के भीगीदार न्यू काटन मार्कीट झुबली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की भविष्ठ, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी भ्रन्य स्थित द्वारा भ्रषोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकतें।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ध्रविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

 $50^{'} \times 133^{'}$ खुला जगह श्रौर बिल्डिंग सहित जिसका सी० टी० एस० नम्बर है 122/103 श्रौर जो वार्ड नंबर 3, न्यू काटन मार्केट हुबली में स्थित है।

एच० तिम्मय्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, बगलौर

दिनांक: 16-6-1980

प्ररूप आईं० टी० एन० एस०

आवकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रेज, बगलौर

बगलौर, दिनाक 4 श्रगस्त 1980

निर्देश स० 283/80-81—यत, मुझे छार० थोथाब्रि, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी स० ग्रार० एस० नम्बर 65/2 ए० प्लाट नबर 8 है, जो लकमनहिल्ल क्षेत्र, धारवाड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, धारवाड ग्रडर डाक्यूमेट नम्बर 1574 दिनाक 30 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) पुर्ती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

श्री श्रीनिवास हनमन्त भट्ट जोशी भ्राय कर भ्रधिकारी, बगलौर।

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) इमामसाब दावलसाब नवलगुदकर
 - (2) श्रब्दुलखादर दावलसाब नवलगुदकर
 - (3) नजीर भ्रहमद दावलसाब नवलगुदकर
 - (4) हसनसाब दावलसाब नवलगुदकर मार्केट, धारवाड़ (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हित- भद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त धव्यों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

खुला जगह भौर बिल्डिंग जो भ्रार० एस० नम्बर 65/2 ए, प्लाट नम्बर 8 में स्थित है। यह सम्पत्ति लकमनहिल्ल क्षेत्र में, पूना बगलौर रोड, धारवाड में स्थित है।

> न्नार० थोथाद्रि, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बगलौर ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

दिनाक 4-8-1980 मोहर. प्ररूप आई. टी. एन एस.-----

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 6 ग्रगस्त 1980

निर्देण सं० 284/80-81—यतः, मुझे, श्रार० थोथाद्री, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मंद्रिज नम्बर 94, 97 श्रौर 98 है, जो तिलगांव, पणिज में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, इल्हास, पणिज श्रंडर डाक्य्मेट नम्बर 1/143 दिनांक 5 जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रीधक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीज ऐस श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्ननिखन उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिकि हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्त्यों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. (1) श्रीमती निना नोमीया पिटो सभी वासी पणजी, गोआ
 - (2) शकुंतला ग्रेलवीना ग्रंटोनियो पिटो
 - (3) तोकिलो कर्नांडो म्रंटोनियो पिटो
 - (4) प्रेम एस० मखीजा (कनफरमिंग, पार्टी) कंपाल, पणजी गोवा

(श्रन्तरक)

- मैसर्स थ्याक्ति कनस्ट्रक्शन्स प्रतिनिध प्रबंध भागीदार श्री दत्तात्रय जनार्धन थ्याक्ति, सुशीला बिल्डिंग, 18 जून रोड़, पणजी, गोवा । (ग्रन्तरिती)
- 3. (1) देवी श्रीवाणि एडुकेशनल सोसायटी वास्को
 - (2) ग्रीनल्यांड कोग्नापरेटिय हाऊसिंग सोसायटी लिमि-टेड प्रतिनिधि, सचिव श्रीमती कार्मस डिसोझा, 18 जून रोड, सुणीला बिल्डिंग, पणजी। (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो एकत ग्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रथं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

5010-25 स्केवर मीटर खुला जगह जिसका नाम है "वर्जेना सेडुंडो कुंटो डेनवेय सेटा" है जिसका मेट्रिज नंबर है 94,97 और 98 श्रौर जो तलिगांव ग्राम, पणजी में स्थित है।

म्रार० थोथाद्री, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलौर,

दिनांक: 6-8-1980

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 17 सितम्बर 1980

निर्देश सं० म्रार०-62/26127/7980/ए० सिक्यू०/बी०— यतः मुझे म्रार० शेपाद्री,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 17, है तथा जो ग्राट रोड़, मांक्लेवर टाऊन, बंगलीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बंगलीर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30 जनवरी, 1980।

की पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान पितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार पूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रनिशत से अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरित (अन्तरिक) और अन्तरित (अन्तरित में अधिक हों और अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिक कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कि से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ब्रह्म जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ते अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थाद्युः-- श्री डा० मेंहरजी एम० कपूर सं० 77, मेन रोड़, रांय-पूरम, मद्रास-6000131

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० ए० राजू सं० सी० 333 डिफैन्स कालोनी, न्यू देहली-1100241 रेप्रेंजट करते हैं उनके पी० ए० होल्डर श्रीमती कावेरी नाडमंगलम, सं० 17, ग्रांट रोड, बंगलौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3098/79-80 दिनांक 30-1-1980) सौथईस्टर्न भाग सम्पत्ति जिसका सं० 17 तथा जो ग्रांट रोड़, मांक्लेवर टाऊन, बंगलौर में स्थित है। मेजरिंग 3750 स्केवयर फीट।

> श्चार० शेषाद्री, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर ।

दिनांक: 17-9-1980

प्रारूप बाई• टी• एन० एस•------

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, बगलौर

बगलौर, दिनाक 24 सितम्बर, 1980

निर्देश स० मी० श्रार० 62/26140/79-80/ए० सी० क्यू०/बी०—यत मुझे श्रार० शेषाद्री आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से प्रधिक है

श्रीर जिसकी स० ग्रार० एस० स० 420 है, तथा जो कोडीयल बयलगाव, मगलौर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मगलौर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनांक 21 जनवरी 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण कि बिच में वास्तविक इप से इबित नहीं विधानया है।——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की क्षाबत, उक्त ग्रिश्चित्तियम के अधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उममे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था छिपाने मे सुविधा के लिए;

जतः, सब, उन्त विधिनियम की बारा 269-म के अनुसरन में, में, सक्त प्रधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थात् :~~ श्री अलेक्सान्डर डिसोजा, मारटीन डिसोजा के पुत्र निर्मला बिहार, बलमट्टा नथा रोड भगलौर।

(अन्तरिति)

1. सिरिल अलबरट डिसोजा मोपडी हाउस, मेरेमजल गाव बटवाल (ता०) एम० के०

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उपन सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार को तारोख से
 45 दिन की प्रविध्या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोकत
 स्थानियों में से किसी स्थानत द्वारा.
- (ख) इस भूवना क राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 4.5 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में दितग्रह किसी ग्रश्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रमुक्त कन्दो घोर पदों का, जो छक्त श्रीधनियम के घन्याय 20क में परिशाधित है, वहीं घर्ष होगा, जो उस घन्याय में दिया गया है।

श्रन् सूची

(दस्तावेज म० 939/79-80 दिनाक 21-1-1980) जमीन भ्रौर इमारत मपत्ति जिसकी स० है। श्रार० एस० स० 420 भ्रौर टी० एस० म० 255 कोडियाल बेल गाव कोडियाल बेल वार्ड मगलूर। चकबदी उ० में ऊपर का टी० एस० स० द० में मर्बे० लेन

दुरुमें सर्वे लेन पूरुमें सर्वे लेन पुरुमें पात में

श्रार० गेषाद्दी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेज, बगलौर

दिनांक 24-9-1980 मोहर प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ---

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक चायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 22 सितम्बर 1980

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/26212/79-80/ए० सी० क्यू०/ की०--यत: मुझे श्रार० शेषाद्री,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मिक है

और जिसकी मं० 1 है तथा जो 8 कास मगली रोड बंगलौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21 फरवरी, 1980 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के पूर्वमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत ग्राधिक है ग्रीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रीधिनियम, या धन-कर भ्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुक्था के लिए;

अतः, ग्रव, छरत प्रधिनियम की वारा 269-म के प्रनुसरण में, में, उरत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री के० कृष्ण होल्ला सं० 9, 4 क्रास एन० एस० म्रायंगार, स्ट्रीट शेषाद्वीपुरम, बंगलौर-20

(श्रन्तरक)

 मैसर्स श्रैट भेटल इंडस्ट्रीज सं० 1 सं० 8 कास मागड़ी रोड़, बंगलौर-23

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीवा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी घन्य क्यक्ति हारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रष्ठिनियम के भ्रष्ट्याय 20-इ में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3746 दिनांक 21-2-1980) घर संपत्ति जिसका सं० है।

8 ऋास, मागड़ीरोड़
 बंगलौर सिटी ।

चकबंदी उ०में: रास्ता

द० में : श्रीमती कावेरम्म की घर संपत्ति

पू०में: रास्ता प०में: रास्ता 26 एस्केरस्

म्रार० शेषाद्री, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर,

दिनांक: 22-9-1980

धारत सरकार

कार्याक्य, सहायक धायकर भागुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 26 प्रगस्त 1980

निर्देश सं० 53/जनवरी-80—यतः, मुझे, भ्रो० भ्रानद्रांम, भ्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रविनियम' भड़ा यया है), की भ्रारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाकार मूक्व 25,000/-रुपए से प्रक्षिक है

श्रीर जिसकी सं० 8 है, तथा जो डाक्टर गुरुसामी मुदलियर रोड़, चेटपटा मद्रास-31 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय, पेरियमेंट, मद्रास (डाकु०नं० 238/80) में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन जनवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से इस के दृश्यमान प्रतिफल के निवे घन्दरित की वई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिखत अधिक है बौर अन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पावा बवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया बया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किथी माम की बाबत उक्त अधिनियम के मजीन कर देने के नन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिद्दा और/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी अन या अण्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय बावकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या अन-कर मिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथ बाया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के शिए;

अतः भव, उक्त धविनियम की धारा 269-ग के सनुसर्थ में, में, उक्त धविनियम की घारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निक्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थीत् :---17--296 GI/80

- 1. श्रीमती शारदा बद्वाद्री नं० 8, 510 गुरुस्वामी मुदालय रोड़, चेटपुर मद्वास-31 मंगीलाल मानिकचन्द एण्ड को० (श्रन्तरक)
- रेप जी० एम० जैन
 नं० 9 इवनिंग बाजार, मद्रास-3 (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

जनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबित या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबित, को भी सबित बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपध में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथत स्वावर सम्पत्ति में हिनवह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बन्नो इस्ताश्वरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उपत प्रधिनियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस मब्याय में दिया गया है

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 238/80 एस० श्रार० श्रो० पेरियमेट, मद्रास भूमि भौर निर्माण डोर नं० 8, डाक्टर गुरुस्वामी मुदलियार रोड, चेटपुटा, मद्रास-31।

> श्रो० श्रानंद्राम, ्सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलौर,

विनांक: 26-8-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

बायुकर ख्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के बधीन सूचना

धारत बरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर श्रायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 सितम्बर 1980

निदेश सं० 54/जनवरी/80—यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- कि. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 376/1 डाक्टर गुरुसामि जो मुदलियार रोड़, चेटपट, मद्राम-31 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालरय, पेरियमेट, मद्रास में (डाकू० सं० 240/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपात बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वत्ति, जिसका अधिक बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा नया प्रतिक का निम्नलिखत उद्वरिय से उक्त जन्तरण निम्लित में वास्तिक इम से करियन नहीं किया क्या है:----

- (क) ग्रन्तरण से क्रुई किसी ग्राय की बाबत, एक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्सरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः ग्रद, उक्त ग्रिविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्त ग्रिविनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों। अर्थातः ---

- 1. श्री बी० एस० शद्वाद्वी (श्रन्तरक)
- 2. श्री मंगीलाल मानिकचंद और को० (ग्रन्तरिती)

को यह भूषना पार्टी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुत्रवी

डाकूमेंट सं० 240/80 एस० घार० घो० पेरियमेट, मद्रास।

भूमि क्षेत्र श्रार० एस० नं० 376/1, डाक्टर गुरुमामि मुदलियर रोड़, चेटपट, मद्रास-31।

स्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 26-8-1980

प्ररूप आईं ० टी ० एन ० एस ०

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-र, मद्रास

मद्रास, विनांक 26 श्रगस्त 1980

निवेश सं० 61/जनवरी/80 — यतः, मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, ज़िसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा० से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० 15 हेरिगटन रोड, हैं जो चेहपट, मद्रास-31 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पेरियमेट, मद्रास (डाकु० सं० 135/80) में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कन के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण कि बिस में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री प्रकासम नातन रेप बैं० पतर श्राफ श्रटारनी ए० जाना राजु। (श्रन्सरक)
 - 2. कुमारी एस० विजयलक्ष्मी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप;---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के, पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्स्ची

डाकुमेंट सं० 135/80 एम० भ्रार० भ्रो० पेरिममेट,

भूमि ग्रौर निर्माण---डोर नं० 15, हेरिंगटन रोड, चेटपट, मद्रास-31 ।

> भ्रो० श्रानंद्राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, मद्रास

तारीख: 26-8-1980

प्रकप धाई • टी • एन • एस •----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 22 श्रगस्त 1980

निवेण सं० 26/मार्च/80—यतः मुझे, ग्रो० ग्रानंद्राम, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से ग्रिधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 79, बीच रोड़, है, जो तितिकोरिन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याक्षय, जे० एस० ग्रार०—II, तितिकोरिन (डाकु० सं० 490/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से ग्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरक से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी घन या ग्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राम-कर ग्रिविनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम; या धन-कर ग्रिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए पा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधिन व्यक्तियों, प्रयीत्:---

- 1. श्री एम० डि॰ एस० हेनरी श्रौर एन० एल० किरबै मदुरा कोड्स लि॰ । (श्रन्तरक)
- 2. श्री एस० सिलवेस्टर सेक्रेटरी, कोरल मिल्स वर्कर्स को० श्राप० स्टार्स लि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के सर्वान के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्धों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

डाकूमेंट सं० 490/80 जे० एस० ध्रार०—II तितिकोरिन भूमि श्रौर निर्माण—डोर र्स० 79, बीच रोड़, तितिकोरिन।

> श्रो० श्रान्द्राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 22-5-1980

प्रकृष् वार्°्दी., एत्. एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज $^{-1}$, मद्रास

मद्रास, 600006, विनांक 10 सितम्बर 1980

निदेश सं० 44/जनवरी/80—यतः, मुझे, श्रो० श्रान्द्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नयी नं० 7, जो करिअप्पा मुदलि स्ट्रीट, पुरसवाकम, मद्रास-7 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०—II मद्रास नार्थ (डाकु० सं० 101/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1980

को पूर्वांक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे मृज्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बृत: अब, उबत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुबरण में, मं, उबत अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री एच० पी० नातन (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सबुत श्रांद्रा लूर्तन चर्च (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरणः —- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को कक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया हैं।

are of

डाकुमेंट मं० 101/80 जे० एस० ग्रार०-II, मद्रास नार्थ।

भूमि श्रौर निर्माण डोर सं० 7, करिअप्पा मुदलि स्ट्रीट, पुरसवाकम, मद्रास-7।

श्रो० श्रान्द्राम, सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण),** ग्रर्जन रेंज-^I, मद्रास

ना**रीख:** 10-9-1980

किया गया है:---

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 सितम्बर 1980

निदेश स० 56/जनवरी/80-यत, मुझे, श्रो० ग्रानद्राम, 1961 (1961 षायकर ग्रधिनियम, (जिसे इमर्ने इयके पश्चात् 'खक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए में अधिक है श्रौर जिसकी सं० 9 श्रगस्तिया नगर है, जो मद्रास-10 मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप मे र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट, मद्रास (डाक्० स० 188/80) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1980 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकलका पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। धौर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसो आप जा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः, ग्रब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नाजिखित व्यक्तियों, अर्थात

- 1. श्रीमती एन० राजकुमारी (भ्रन्तरक)
- 2. (1) बगबंटी किशनचंद मूरजानी(2) श्री मंगराज किरटरे मूरजानी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इसिंग्सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, ओ भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किये जा सकोंगे।

स्पब्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस ग्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

डाक्मेट मं० 188/80 एस० ग्रार० भ्रो० पेरियमेट मद्राम।

भूमि श्रौर निर्माण डोर नं० 9, श्रगस्तिया नगर; मद्रास-10।

> भ्रो० भ्रानंद्राम, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 10-9-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास 600006, दिनांक 10 सितम्बर 1980

निदेश सं० 62/जनवरी/80—यतः, मुझे, भ्रो० भ्रान्द्राम, आयकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नयी डोर नं० 4, श्रप्पसामी स्ट्रीट, है, जो श्राफ हरिंगटन रोड़, चेटपट, मद्रास-31 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरिममेट, मद्रास (डाकु० सं० 120/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्राह्म-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या श्रग्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्थिए;

जतः अत्र, एक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, नै, उक्त धिवनियम की धारा 269-ध की वपधारा (1) के अधीन निम्नलिबित क्यक्तियों, अविद्---

- 1. (1) श्री लीला राम नीचानी,
 - (2) श्री मोती लाल
 - (3) श्री राजालाल
 - (4) अप्पासामी स्ट्रीट, आफ हरिंगटन रोड, चेटपट, मद्रास-31 (ग्रन्तरक)
- 2. (1) रजनीकांत जे० तुराखिया , (2) सरला धार० तुराखिया, 3. श्री किरन कुमार जे० तुराखिया तथा (4) मीना के० तुराखिया। नं० 11 राजाचार स्ट्रीट टी० नगर मद्यास: 17 (श्रन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर छवा स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट सं० 120/80 एस० द्वार० घो० पेरियामेट, मद्रास।

भूमि श्रौर निर्माण डोर सं० 4, श्रष्पासामि स्ट्रीट, श्राफ हेरिंगटन रोड़, चेटपट, मद्रास-31।

> श्रो० श्रान्द्राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 10-9-1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन● एस॰——

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर, 1980

निदेश सं० 70/जनवरी/80—यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम, बायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269 क से क्षवीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जिनत बाजार मूक्य 25,000/- द० से क्षिक है

भौर जिसकी सं० 254, किलफाक है, जो गार्डन रोड़, मद्रास-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पेरिसमेट, मद्रास (डाकू० सं० 51/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुझे यह विश्वास करने का
बारन है कि यबाउवोंक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके
पृथ्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल
निक्नानिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्चित में वास्तविक छप
से किया नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तरण से हुई किसी साथ की वावत, उक्त बाँध-नियम के समीन कर देने के सन्तरक के बावित्य में कमी करने वा अससे वचने में सुविधा के लिए। मौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिश्रित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्षे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छियाने में सुविधा के सिए;

बर्धः सब, उत्तर मधिनियम की धारा 269-ग के सनुबर्ध में, में, उक्त प्रशितियम की बारा 269-य की उपधारा (1) के सकीय विकाशिक स्थितियों, अर्थात् !---

- 1. श्री वी० एस० शंकर मुदुलियार (अन्तरक)
- 2. श्री मरनाता फुल गास्पल असोसियेशन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्कों भीर पदों का, जो अक्त श्रधिनियम के घष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

ग्रनुसूची

डाक्मेंट सं० 51/80-एस० ग्रार० श्रो०, मब्रास भूमि ग्रौर निर्माण —-डोर सं० 254 किलफाक गार्डन रोड़, मद्रास-10।

> श्रो० श्रानंद्राम ुसअन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीखा: 10-9-1980

प्रकृप धाई। टी। एन। एवः

भायकर **मधिनियम, 1961 (1961** का 43) की श्वारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक श्रायकर <mark>भायुक्त (निरोक्षण)</mark> श्रर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर, 1980

निदेश सं० 73/जनवरी/80—यतः, मुझे, ओ० श्रानंद्राम, आयकर छिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका बचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से मिधक है

ग्रौर जिसकी सं० 57 विता एवेन्यू है, जो चेटपट ,मद्रास-31 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ग्रो० पेरिममेट, मद्राम (डाकु० सं० 9/80-81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख जनवरी, 1980 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की गावत उकत अभिनयम के श्रद्धीन कर वेने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में मुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---18---296GI/80

- (1) श्री एस० राममूर्ति, (2) आर० नरमदा,
 (3) मैनर भ्रार० श्री निवासन श्रौर(4) नावालिंग भ्रार० संगीता।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्री शयाम सुन्दरलाल राथे (2) श्रीमती रमा देवि राभे। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्धा :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन का तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर मूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी भाष्य व्यक्ति द्वारा श्रधोह ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनयम के अध्याय 26-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उत अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

डाकूमेंट सं० 9/80-81 एस० ग्रार० ग्रो० पेरियमेट मद्रास ।

भूमि श्रौर निर्माण ——डोर न० 57, वनिता ऐवेन्यू चेटपट, मद्रास-31।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, मद्रास

तारोख: 10-9-1980

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०--

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

(कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेज-ा], मद्रास

मद्रास, दिनाक 15 सितम्बर, 1980

निदेश रा० 8885--यतः मुझे, राधा बालकृष्नं आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रुपए से ग्राधिक है ग्रौर जिसकी स० 224 है, जो श्री सु**न्न**मनिय बारती स्ट्री^टे कारैकाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कारैकाल (डाकूमेट स० 21/80) मे भारतीय रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्ब से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास तरन का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उभके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरितो (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्तलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तांतक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण न हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियन के प्रधान कर दा क अन्तरक के दायिरन में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों का जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 268-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) क प्रधीन, व्यक्तियों, निम्नलिखित प्रथीत :---

1. कुमारी कमला

(भ्रन्तरक)

2. श्रो एम० जी० जयनमपुखनी भ्रम्माल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्राष्ट्री करण--इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राध-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-224, सुन्नमिनय बास्ती स्ट्रीट, कारैकाल (डाक्सेट सं० 21/80)

> राधा बालकुष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-9-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर, 1980

निदेश सं० 8877---यत:, मुझे, राधा बालकृष्मं, ग्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उखित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 40 ए श्रीर 40 बी है, जो रेलवे स्टेशन रोड, वैगनल्लूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करूर (डाक्सेंट सं० 5/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निविदा उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (ह) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बा**बत उक्त ध्रधि**-नियम के प्रधीत कर देने के अभ्तरक के दायि**रव में** कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; **भौर/**या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, ग्रब, उस्त ग्रिघिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रियात:— 1. श्री करुप्पैया पिल्लै

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० भनमुघावेल एस० रनगराजु (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जोभी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पड्डीफरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त भिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि फ्रौर निर्माण 40ए फ्रौर 40 बी रेलवे स्टेशन रोड़, वैगनल्लूर (डाकूमेट सं० 5/80)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 15-9-1980

प्रकप माई० टी० प्न० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास]

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1980

निदेश सं० 8891-यतः मुझे, राघा बालकृष्न, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा यया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मधिक है 25,000/-**रु**पए से बाजार मूल्य ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 135 है, जो अबिशेक-पूरम द्वि में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, द्रिची (डाकूमेट सं० 225/80) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किश्वी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः——

- 1. श्रीमती सबिता रामम्रती (श्रन्तरक)
- 2. श्री मोहलार ग्रहमद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारं । ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो धक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 135 ग्रविशेकपुरम, ट्रिची (डाक्स्मेंट सं० 225/80)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-II, मद्रास

तारीख: 15-9-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर, 1980

निदेश सं० 8899—यतः मुझे, राधा बालकृष्न, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इस्ए से अधिक है

न्नोर जिसकी सं० टी० एस० 3894 है, जो सौत-स्ट्री पुड्कोट्टै में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्या-नय, पुड्कोट्टै (डाक्सेंट सं० 215/80) में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के चन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर बन्वरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्निजिखत उद्श्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्सियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर धिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री चिदम्बरम चेट्टीयार (म्रन्तरक)

2. श्री नाचियप्य वेट्टीयार (ग्रन्तरिती)

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भड़पाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अ≉पाय में दिगा गया है।

भ्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण \rightarrow टी० एस० सं० 3893, सौत II स्ट्रीट, पुडुकोट्टै (डाक्सेंट सं० 215/80)

राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

अकः क्या, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण कों, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्निटिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारीख: 15-9-1980

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस०----

आयकर ग्रिप्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्या नप, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्राम

महास दिनांक 15 सितम्बर 1980

सं० 8898 :--यन मुझे, राधा बाल कृष्नं भायकर ग्रधितियस, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उपत मधिनियम' फहा गया है), को धारा 269-च के भन्नीन सम्बन्ध प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्क्षि, जिसका उचित से सधिक है पू**च्य** 25,000/-रुपये ग्रीर जिसकी गं० 140 है तथा जो कमातची अस्मान कोडल स्ट्रीट पाडिचेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, पाठि (डाकुमेट सं० 147/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिकान के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वनेत सम्पति का छनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिकात भविक है भीर मन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भरतरक के लिए, तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देशा से उता अस्तरम जिज्ञा में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाक्त उक्त ग्रहि-नियम के ग्रश्नीन कर देने के भन्तरक के दागित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

श्रतः अब, उन्तः ग्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के अनु-नरण में, में उक्त ग्रिशिनाम की धारा 269-व की उपधारा-(1) के ब्रधीन निम्नतिखिन व्यक्तियों प्रयात् :— ं

- ा. श्री म्रलकेन्द्रा अरिस्टाइड भ्रीर मदर्स। (भ्रातरक)
- 2. श्रो एय० रथिनावेलु (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजवल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रवं होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 140, कामाटचि श्रम्मन कोयिल स्ट्रीट पांडिवेरी। (डाक्नमेट सं० 147/80)

> राधा बाल**क्त**ऽन सक्षम प्रधि**र्द्ध**ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण**) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 15-9-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर, 1980

निर्देश स० 8902—— अत मुझे, राधा बालकृष्न, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० नेल्लुमठी स्ट्रीट है, जो पुडुकोट्ट में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुडुकोट्टें (डाक्मेट स० 138/80) में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिब रूप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) ध्रग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

में मित्र अनुमुद्ध उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में में, उक्त किथिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात्ः-- 1. श्री श्रद्धल हमीद (श्रन्तरक)

2 डाक्टर एस० के० राजन, डाक्टर पी० नागरितनम (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीवन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त मञ्दों श्रीर पदी का जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि श्रौर निर्माण — नेल्लुमठी ट्रीट पुड्वो}ै। (डाकूमेट मं० 138/80)

> राधा बालकुष्त सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेज-II, मद्रास

नारीख: 15-9-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के भन्नीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1980

निदेश सं० 15096--यतः मुझे, राधा बालकृष्नण, 1961 (1961 का 43) (जिसे भागकर प्रधिनियम, समें इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- रुपए से चिविक है ग्रौर जिसकी सं० 4, वन्नानदुराई स्ट्रीट है तथा जो दामोदरपुरम, अदयार, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सैंदापेट (डाक्मेट सं० 52/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का र्जाचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दम्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच

ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के ध्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री एम० ए० सिराजुद्दीन ग्रौर श्रदर्स (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एन० पी० दास श्रीर हिलदा दास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन को धविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में के किसी क्यक्ति द्वारा
- (ख) ६० स्चता के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्त में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, अवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरंग '---इसमे प्रयुक्त जन्दों ग्रीर पदों का, जो छक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क म प्रिशाधित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—4, वन्नान दुराई स्ट्रीट, दामोदरपुरम; श्रदयार मब्रास (डाकूमेट सं० 52/80)

राधा बालकृष्न**क** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, भद्रास

तारीबा: 15-9-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर ब्रा**युक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1980

निवेश सं० 8895—यतः, मुझे, राधा बालकृष्न, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

मून्य 25,000/- रूपय सं आधक हैं जो अंग्लुकर कीयमून में जिसकी सं० विवेकानन्द नगर, हैं जो अंग्लुकर कीयमून में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पापोंडि (डाक्सेंट सं० 6/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्नेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत महीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राधि-नियम के श्राधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. श्री तियोदर समबुत कामर ग्रमौदा (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मारटिन दासन । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजून के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टोकरण:-इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीरपदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि स्रौर निर्माण विवेकानन्द नगर, सौकारे। (डाकूमेंट सं० 7/80)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज-, मद्रास

तारीख: 12-9-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस ० 🕂 🔻

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1980

निदेण सं० 8903—यतः मुझे, राधा बालकृष्न, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव काजा III स्ट्रीट है, जो पुडुकोट्टाई में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुडुकोट्टाई (डाक्समेंट संव 126/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1980 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण जिसित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आजना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री के० राव लक्ष्मी ग्रम्माल ग्रौर ग्रदर्स। (ग्रन्तरक)

2. श्री पी० पाप्पाल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनूसूची

भूमि श्रौर निर्माण—कील III स्ट्रीट पुडुकोट्टाई। (डाक्.मेंट सं० 126/80)

> राधा बालक्रुष्त सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, मद्रास

अतः अब, डक्त अधिनियम ती धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मी, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:---

तारीख: 15-9-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1980

निदेश सं० 8895—यत:, मुझे, राधा बालकृष्नण, श्रायकर श्रिष्ठानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठानियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से श्रिष्ठक है

ग्रीर जिसकी संख्या विवेकानन्द नगर है, जो ग्रोलुकर कोम यून में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पाडिचेरी (डाक्स्मेट सं० 7/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नहं प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, **एक्त** श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठित्यम, या धनकर भ्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत :---

- 1. श्रीमती मेरी जोसफ महोदय श्रमौनन्डा (श्रन्तरक)
- 2. श्री बेरनारद ठासन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोक्तरणः--इसमें प्रमुक्त जन्तों और पदों का, जो सक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित हैं। बही श्रष्ट होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण विवेकानन्द नगर श्रोलुकरें। (डाक्मेंट सं० 7/80)

राधा बालकृष्नण, सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख: 12-9-1980

मोहरः

प्रकप बाई • टी • एन • एवं •----

बायकर ब्राव्यनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के ब्राचीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर, 1980

निदेश सं० 10622—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गथा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्षास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका छ जित बाजार मूख्य 25,000/-र • से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 54, है, जो गौंडनपालयम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबन श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गौंडनपालयम (डाक्-मेंट सं० 110/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिखित में बास्तविक रूप से काबत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय मा किसी इन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिडिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिडिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुबरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत :--- 1. श्री ग्रार० टी० जयकानसन

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमति प्रीती प्रारतर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी धरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्त्रीबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविद्य, जो भी श्रविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मुचना के राजपद में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर छक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा वकेंबे।

स्पन्तीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त प्रिवियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण-54 गोडनपालयम । (डाक्मेंट सं० 110/80)

> राधा बालकृष्णन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखा: 18-9-1980

प्ररूप् आई. टी. एन. एत.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० 8883—यतः मुझे, राधा बालकृष्त, आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० आडानकोयिल है, जो कीजबागम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करूर वेस्ट (डाकू-मेंट सं० 50/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त संविस्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से एसे दूरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किती आयं की बाबत ज़क्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्त्यों सुधातः —

- 1. श्री रासप्पा घौंडर श्रौर श्रदर्स (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रार० बालन ग्रीर ग्रदर्स। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकारी।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^क, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह^व।

अनुसूची

भूमि ग्राडनकोयिल कीजबागम । (डाकूमेंट सं० 50/80)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Ц, मद्रास

तारीख: 11-9-1980

प्रकथ बार्द, दी, प्रन, एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ${f z}$ र्जन रेंज- ${f II}$, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 सितम्बर, 1980

निदेश सं० 8883—यत:, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राडान कोयिल है, जो कीजबागम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, करर वेस्ट (डाकुमेट सं० 49/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख जनवरी, 1980

को पूर्वांक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पावा गया प्रतिफल, निम्निशिवत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कृष्ति, नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी मायु की बाबब, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबि्धा के लिए; भौड़/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. भी चेल्लम्माल ग्रौर ग्रदर्स। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रार० पलानीयप्पन भौर ग्रदर्स। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--(क) इस सम्बन्ध के राजपण में प्रकाशन की तारीक मे

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताचील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविक्ष में किए जा सकरेंगे।

स्थाककरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो चक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राडनकोयिल कीजबागम । (डाक्स्मेंट सं० 49/80)

> राधा बालकृष्णन तक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-9-1980

प्ररूप भाई० टी० एम० एस०----

ग्रायकर ग्रांत्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० 15033—यतः, मुझे, राधा बालकृष्न, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं० 65, है, जो सेनतोम हाई रोड़ करपगम प्रवेन्यू मद्रास-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्मेंट सं० 127/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिणत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निस्नितिधित उद्देश्य से उचन अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से दुई किसी भाय की काक्त उक्त प्रकि-नियम, के भ्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिका के लिए;

यतः ग्रंथ, उन्त ग्रविनियमं की धारा 269-म के बनुसरणं में, में, उन्त ग्रविनियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के ग्रवीन निम्मलिकित व्यक्तियों, ग्रवीतः---

- 1. श्री रुस्तम कुरशेडणी दसटूर। (अन्तरक)
- 1. मैसर्स बिल्डिंग इनवेस्टमेंट्स (ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंसे।

रुपक्ती करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया क्या है।

ममुसूची

भूमि श्रौर निर्माण--65, सेनतोम है रोड़, मद्रास-8। (डाकूमेंट सं० 127/80)

> राधा बालकृष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-9-1980

प्रकृष आई० टो० एन० एस•---

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-[[, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० 10638---यतः, मुझे. राधा बालकृष्त, आयकर मिमिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पश्चीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी~79, है, जो बारती को-ग्रापरेटिंब बिल्डिंग कालोनी, पीलमेडु में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बद्धर (डाक्सेंट सं० 249/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान पितफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके वृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशात से यधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) धोर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकान किमलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरक लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाष था किसी अन या प्रण्य प्रास्थियों को जिन्हें भारतीय भाष-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपानी में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधार।
(1) के अपार निस्तिनिधान अकिनयों अर्थाताः

- 1. श्री पी० एस० श्रीदर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एस० शंकर। (ग्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी चरके पूर्वीवत सम्पत्ति के झर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीय---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वदी का, जो उक्त घछितियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण बी-79, बारती कोश्रापरेटिव बिल्डिंग कालनी पीलमेडा, कोयम्बदूर। (डाकूमेंट सं० 249/80)

> राधा बालकृष्त सक्षम_्श्रघिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ृश्रजेन रेंज-, मद्रास

तारीख¦: 11−9~1980 मोहर:// प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

1. श्री के० जोतिकुमारी

(ग्रन्तरक)

2. श्री मी० राजम्माल।

(ग्रन्तरिती)

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-II, मद्वास

मद्राम, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश पं० 10639—यत:, पुझें राधा बालकृष्णन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० 9ए, है, जो मौरिपालयम कोयम्बट्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बट्र (डाक्मेंट मं० 242/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को प्रवांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातुः-- 20—296 GI/80

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 9ए, सौरिपालयम कोयम्बटूर। (डाकूमेंट सं० 242/80)

> राधा बालकृष्ण सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-, मद्राम

तारीख: 11-9-1980

प्रकप भाई। टी। एन। एस।---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-∏, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० 15048---यत:, मुझे, राधा बालकृष्नं, आयकर धिनियम, 1961 (1961 चा 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ट धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 9 है, जो I मेयन रोड गांधीनगर, मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सैदिपट (डाक्मेंट सं० 206/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

छिति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वांस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक है बोर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे खम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेच्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है।—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त व्यक्ति-नियम, के भ्रशीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्तिश के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया नया का या किया जाना वाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

अत: घव; उन्त बांधिनियम की घारा 269-न के अमृसरण में, में; उन्त घांधिनियम की बारा 269-न की श्रुष्टारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत् :--

- 1. श्री टी० कृष्तकुमारी (भ्रन्तरक)
- 2. श्री के॰ मोहम्मद अली और अदर्स। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की यविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतरपूर्वीनत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन को नारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दिन के किसी प्रम्य क्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शक्तियम के शब्दाय 20क में परिभाविक है, बहो शब्दे होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-9, I गांधी रोड गांधीनगर, मद्रास। (डाकूमेंट सं० 206/80)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11~9-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

अनायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनाक 11 सितम्बर 1980

निदेश सं० 15022—यतः मुझे, राधा बालकृष्नं, आयकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रिविक है श्रीर जिसकी सं० 54, हैं, जो मुल्लिवन गारङन स्ट्रीट, मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्नेंट सं० 47/80) मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है पौर अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के , लिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-च की उपघारा के (1)के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीतः—

- श्री सी० वी० बालकृष्त चेट्टियार। (धन्तरक)
- 2. श्रीमती फातिमा मुजामला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धजन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर मम्मित में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटोकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस श्रष्टवाय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निमर्शण—-54, सुल्लिवान गार**ड**न स्ट्रीट, मद्रास-4।

(डाकूमेंट सं० 47/80)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज- , मद्रास

तारीख: 11-9-1980

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा, 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयस्य वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 सितम्बर 1980

निदेश सं० 10628—यतः, मुझे, राधा बालकृष्न, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० टी एस नं० 9/20 है, जो अनुपरपालयम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक-मेंट सं० 595/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यसान प्रतिकल के जिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है धौर धन्तरिक (धन्तरिकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण, जिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रवि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भग्य भारितकों को जिम्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, खिपाने में सुविधा ने जिए;

सब, उन्त समिनियम की धारा 268-ग के सनुसरक में, में, छक्त समिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन बीनिकनसिखित व्यक्तियों, प्रविद:---

- श्रीमती एस० श्रलामेलु श्रम्माल (ग्रन्तरक)
 11/22, विवेकानन्द रोड, कोयम्बट्र
- श्री ए० ग्रार० गोपीनाथ।
 11/22, विवेकानन्द रोड, कोयम्बटूर (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
 भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा अन्नोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 9/20, अनुपरपालयम । (ज्ञाकूमेंट सं० 595/80)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-II,मद्रास

तारीख: 9 सितम्बर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-∏, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर, 1980

निदेश सं० 15094—यतः मुझे, राधा बालकृष्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० 89, है, जो सी० एन० कृष्तस्वामी रोड़, मद्रास-5 में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिपिनकेन (डाक् मेंट सं० 21/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1980।

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त्रण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीश निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाक्:--- श्री वासपल्ली प्रापर्टी डेवलपमेट झौर फाइनेन्सिंग कम्पनी। (ग्रन्तरक)

(ग्रन्तरक)

2. दि एसोसियेशन भ्राफ इन्जीनियर्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 89, सी० एन० कृष्नस्वामी रोड़, मद्रास-5

(गक्मेंट सं० 21/80)

राधा बालकृष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 12-9-1980

प्ररूप आर्दे टी. एन्. एस.—

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-I^I, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर, 1980

निदेश सं० 15088—यन:, मुझे, राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० 55 है, जो वेनकटनारायना रोड़ मद्रास-17 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्मेंट सं० 64/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1980

को पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रस, निम्मिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूविधा का लिए; औ्र√या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री टी० पोन्नम्माल ग्रौर ग्रदर्स।

(मन्तरक)

2. श्रीमती टी० विसाक्षी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन क अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनु सूची

भूमि श्रौर निर्माण---55, वेनकटनारायना रोड़, मद्रास-17 (डाक्मेंट सं० 64/80)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 12-9-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ऋर्जन रेंज-11, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर, 1980

निदेश सं० 15091—यत:, मुझे, राधा बालकृष्नं, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं 14, II कास स्ट्रीट है, जो वेसट सी० ग्राई० टी० नगर मद्रास-35 में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (डाकूमेंट सं 198/ 80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उन्त श्रिधितयम की धारा 269-ग के श्रानुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अग्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रायीत :--- 1.श्री शिवकुमार

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमतीए० मदमा भौर श्रदसं।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना **जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन** के लिए कार्यवाहियाँ मुख्य करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

भ्रमुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 14, II क्रास स्ट्रीट, सी० ग्राई० टी० नगर मद्रास-35।

(डाकूमेंट सं० 198/80)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 12-9-1980

प्रकप गार्ष टी० एत एस----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (विरीक्षण)

ग्रर्जन रज-II, मद्राम मद्रास, दिनांक 12 सितम्बंर 1980

निदेश सं० 15092—यतः, मुझे, राधा बालकुष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 81, है, जो साउथ वेस्ट बोग रोड़, मद्रास म स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण हप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्मेंट सं० 108/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृज्यमान प्रतिफन के लिए अस्तरित की गई है और मुझें यह विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके वृज्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धांध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रस्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त प्रधिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, सन, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण म, म, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- 1. श्री वी० बी० एस० मनियन। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जी० के० अन्दालम्मा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्षन के सम्बन्ध म कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारी ख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्षिनबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, समोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभायित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

श्रनुसूचो

भूमि श्रोर निर्माण ---81, साउथ वैस्ट बाग रोड़, मद्रास (डाक्समेंट सं॰ 108/80)

> राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज- , मद्रास

तारीख: 12-9-1980

प्रकृष धाई • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घष्टीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

मब्रास-600006, दिनांक 12 सितम्बर 1980

निदेश सं० 150006~~यतः मुझे, राधा बालकृष्न आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- ६० में अधिक है

श्रीर जिमकी सं० 10, वरघीस एवेन्यू है, जो श्रशोक नगर, मब्रास-43 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कोडवक्कम (डाकूमेट सं० 277/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृहयमान प्रतिफल से, ऐसे वृहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरितो (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में बास्तविक रूप से क्षित नश्चीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से बुई किसी आय की बाबत उक्त धिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या स्तसे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर घिषिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर सिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रज, उक्त अधिनियम की श्रारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रशिनियम की भारा 269-थ की उपशासा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवितः— 21—296GI/80 1. श्री टी० के० जोशूवा

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती वी० ललिता

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाह्नियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या सम्यम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामोल में 30 दिन की ग्रविष्ठ, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्ष री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधिकरण → इत्र में प्रयुक्त गर्वा और पदो का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिनाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण 10, वरघीस एवेन्यू, मद्रास-83। (डाक्मेंट सं० 277/80)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारो, ्सहायक श्रायक्त श्रायक्त (निर्दक्षण) श्रर्जन रोज-II, सद्रास

तारीख: 12-9-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1980

निदेश सं० 15089—ग्रतः, मुझे, राधा बालकृष्तं ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्राधिक है

स्रोर जिसकी सं० 249, हैं, जो मौंट रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुभूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्मेट सं० 55/80) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः धव, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 269-घ की उपधार। (1) के अधीन, ¶नम्नजिखित व्यक्तियों, श्रर्यात् रे--- 1. मैं० श्राफीशियल ट्रस्टी

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती सबीना कमालुद्दीन।

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन में के सम्बन्ध कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड्दों भौर पदों का, जो उबत मधि-नियम, के घ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रथ होगा जो उस घ्रष्ट्याय में विया गया है।

श्रनुसूची भूमि श्रौर निर्माण — 249, मौट रोड, मद्रास-6। (डाकूमोंट सं० 55/80)

> राधा बालकृष्नं मक्षम ऋधिकारीः, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरःक्षण), श्रर्जन ंष-, मक्रोस

तारीख: 12-9-1980

मौहर:

प्रकृष भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1980

निदेश सं० 15095---यतः, मुझे, राधा बालकृष्न आयकर अधिनयम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिंबत बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 11, बेसेन्ट एवेन्यू रोड है, जो मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ड्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सैंदापेट (डाक् मेंट सं० 43/80) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिक्ष है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण निम्निलिखत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरग से हुई किसी भाग की बाबत उपत अधि-नियम, के प्रधीन कर देन के ग्रन्तरक के बागित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के किए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपन्नारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।— 1. श्री डी० मुकर्जी

(भ्रन्तरक)

2. कैंप्टन एच० सुन्दरम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अक्षोष्ट्रस्ताकरी के पास क्रिथित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण। - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के ध्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 11, बेसेन्ट एवेन्यू मद्रास-20। (डाक्ट्रमेंट सं० 45/80)

> राधा बालकृष्तन् मक्षमप्राधिकारा सहायक भायकर श्रायुक्त (निरःक्षण) ग्रर्जन रेज- , मद्रास

तारीख: 15-9-1980

मोहर 🏅

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II. मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 सितम्बर 1980

निदेश सं० 15023---यतः, मुझे, राधा बालकृष्न म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से भिष्ठक हैं। ग्रीर जिसकी सं० 9, द्वारका कालोनी है, जो एडवर्ड एल्लियट्स रोड, मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्मेट सं० 27/80) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की **गई है और** मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तर म (ग्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच रेंसे पन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उसा प्रनारम निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रीध-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, म. उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा 1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतः :-- 1. श्री वी० रंगानाथन

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० श्रीनिवासाराव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूर्वना के राजंपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जॉ सकेंगे।

स्वश्बीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त श्रधि नियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--9, द्वारका कालोनी एडवर्ड इल्लियट्स रोड, मद्रास-4,

> राधा बालकृष्न् सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्र_ायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 12-9-1980

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

1. श्री ग्रार० तिथागराजन

(भ्रन्तरक)

2. श्री मेहरुन्निसा

(म्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 15 सितम्बर 1980

निदेश सं० 8889—यत., मुझे, राधा बालकृष्त्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० करनाड है, जो धनपती नगर, मद्रास मयूरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मरूरम (डाकूमेट सं० 61/80) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबि्धा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य अंस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाष्टिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मे हित-पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

रपद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण धनपति नगर, करनाड, मयूरम। (डाकूमेंट सं० 61/80)

> राधा बालकृष्न् सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म को अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख: 15-9-1980

प्ररूप भाई० दी० एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 15 सितम्बर 1980

निदेश सं० 10652—यतः, मुझे, राधा बालकृष्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/ रु० से अधिक है

श्रौर जिपको मं० पारवती निवास है, जो कालेज रोड़, कून्नूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कून्तूर (डाकुमेंट सं० 80/80) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1980

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिया का लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः—

1. श्रीमती टी० पारचथिआस्मल

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० सन्तोकचन्द धौर अदर्स

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितवक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वनस्ची

भूमि और निर्माण पारवधी निवास, कालेज रोड कून्नूर (डाकुमेंट सं 80/80)

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-11, जालन्धर

तारीख: 15-9-80

प्ररूप आई॰ टी॰ एन० एस॰

1. श्री पी० भ्रार० मुन्दरराजन

(ग्रन्तरक)

2. श्री सयद प्रकतर शा।

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 सितम्बर 1980

निर्देश सं० 8905—यतः मुझे, राधाबालकृष्णन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-17, डा० गनेशन स्ट्रीट, कोट्टाट्ट ग्राम है, जो पोनमले, द्रिची में स्थित हैं (भ्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय, द्रिची (डाक्स्मेंट सं० 23/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण 5–17, ष्ठाक्टर गनेशन स्ट्रीट, कोट्टा- पट्टु ग्राम, पोनमल्लै। (डाकमेंट सं० 23/80)

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-॥, मद्रास-६००००६

जत: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनमरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

तारीख: 15-9-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०⊸~

आयकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्राय्कत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज,- , मद्रास

मद्रास, दिनाक 15 सितम्बर 1980

निदेश सं० 15031—यत मुझे, राधा बालकृष्ण, धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है

ग्राँर जिसकी स० 3 एलडामस रोड है, जो मद्रास-18 में स्थित है (ग्राँग इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्राँग पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मेलापुर (डाक्ट्रमेट स० 138/80) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्न सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भाष्टिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिक नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

सत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री सी० नटराजन

(अन्तरक)

2. श्री श्रार० रविकान्तन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के <mark>प्रर्जन के</mark> लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उका नमाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मति में हिनबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पड्डीकरग .--इनमे प्रमुक्त गड्डा और पदों का, जा उक्त प्रधि-तियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जा उन अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण स० 3, एलडामस रोड, मद्रास-18]। (डाक्मेट सं० 138/80)

> राधा बालकृष्नं मक्षम प्राधिकारः, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, मद्रास

तारीख: 15-9-198

मोहर 🔏

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-11' मद्रास

मद्रास, दिनाक 25 सितम्बर 1980

निदेश स० 15039—यत, मुझे, राधा बालकृष्नन, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममे इसके परचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रुपए से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी स० 138, है जो सेयनट मेरीस रोड़, मद्रास-18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्राम (डाकूमेट स० 80/80) में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितो (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखन मे वास्तिक रूप ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितयम के श्रिष्ठीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हे भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन्थ, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्:—— 22—296GI/80

- मैं० नवभारत एनटर प्रैसस (पी०) लिमिटेड (ध्रन्तरक)
- 2 श्री ग्रनिल ग्रौर सुनिल ट्रेडर्स। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भाषिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिमालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण न 138, सैंट मेरीस रोड, अम्बश्येर मद्रास 18, (डाकुमेट सं० 80/80)

राधा बालकृष्नन सक्षम ऋधिकारो, महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरोक्षण), स्नर्जन रेज-II,मद्रास

तारी**ख**. 25-9-1980

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भ्रष्टीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-JI, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/19---यतः, मुझे, के० सिंहा,

आयकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- भपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० 315+316 है तथा जो सी० आई० टी० शिडू० नं IV-एम०, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, Reg. of Assurance. cal. में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 30-1-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसं वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घषिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्दृश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:----

- (4) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धिक्षितयम के धिक्षीन कर देने के घन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/था
- (ख) ऐसी किसी धाय या किमो धन या भन्य आहितयों भा, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, भै, उक्त धिवनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के धिधीन, निम्नीलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री विष्वनाथ प्रारोरा तथा अन्य (ग्रन्तरक)
- 2. श्री महाबीर प्रसाद परशराम पुरिया (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की कारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोतन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विचवढ

 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पहों का, जो उन्त प्रवित्यम के प्रक्रमय 20-क में परिभावित है, वही प्रश्नं होगा जो इस प्रक्रमाय में दिया गया है ।

अनुसूची

खाली जमीन प्लाट नं० 315-1-316 सी० आई० टी० शिड० नं०-IV-एम०, कलकत्ता पि० एस० फुलवागान, मोट जमीन 6 के०-15 स्क्ये फीट। जैसा कि विलेख संख्या 537 दिनांक 30-1-80 में दिया गया है।

> के० सिहा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

नारीख: 8-10-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 श्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० ए० सी०/रेंज- Π /कल०/19—यतः, मुझे, के० सिंहा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 315—316 है तथा जो मी० श्राई० टी० णिड्० नं० VI—एम० कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर, पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, Reg. of Assurance cal कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30—1—1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; बीट्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों सुर्धात्ः— 1. श्री विश्वनाथ अररा

(ग्रन्तरक)

2. श्री रिधकरन परशरामपुरिया

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तिस में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः —- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुची

खाली जमीन प्लाट नं० 315---316 सी० श्राई० टी० शिड्० नं० VI -एम० पि० एस० फुलवागान, कलकत्ता, मोट जमीन 6के-15 स्वया० फिट।

के० सिहा सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख : 8-10-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

1. श्री विश्वनाथ ग्रररा

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुरेश कुमार परसरामपूरिया

(भ्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 8 श्रक्तूबर, 1980

निवेश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/19—यतः मुझे, के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 315-316 है तथा जो सी० ग्राई० टी० णिडू० नं० VI —एम० कलकत्ता स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, Reg. of Assurance Cal.कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ,तारीख 30—1—1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों अर्थात्:—— को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

खाली जमीन फ्लैंट नं० 315-316 सी० श्राई० टी० शिडू० नं० VI—एम० कलकत्ता स्थित, पि० रास० फूलबागान, मोठ जमीन 6के०-15 स्क्वा० फीट।

के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 8-10-1980

प्रकप धाई• टी• एन• एस•----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० ए० सी० /रेंज- Π /कल०/80-81—-यतः, भुक्षे, के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र के से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 17 है तथा जो अलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार श्राफ एश्यृरेंस, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रन्तरित को गई है घोर मुझ यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छनित बाजार मूस्य, छसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिगत प्रधिक है घोर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से छक्त अन्तरक लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या प्रश्य बास्तियों को जिल्हें भारतीय बाय-कर बिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिबिनियम, या धन-कर अबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए ।

सतः धन, उन्त धिनिनम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निन्नतिश्वित स्थक्तियों, अर्थातः :--

- 1. मैं सिटी बैंक एन० ए०।
- (म्रन्तरक)
- 2. मैं ० इण्डियन ग्रल्युमीनियम कं ० लि ० । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के घड़्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

17, भ्रालिपुर रोड़ पर दो तल्ला कोठी पि० एस० भ्रालिपुर, कलकत्ता । एरिया : 1.20625 बीधा भ्रौर 1.39486.

> के० सिंहा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 9-10-1980

प्रसम माई० डी० एम० एस०--

आस्त्रकर प्रधिनियम्, 1861 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रवत्बर, 1980

किंदम सं० श्रार० ए० सी० नं० 1067/80-81 यत: मुक्ते, एस० गोविन्द राजन,

भासकर प्रशिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के प्रधीत सभाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी मं० जमीन 1-12 है, जो परणोत्तमटनम गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चिलकलूरी-पेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्श्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर केते के ग्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर भ्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उषत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में; मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-व की उमधारा (1) के श्रदीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती ए० रतमा पति वेंकटापय्या, चिलकलूरिपेट (श्रन्तरक)
- 2. श्री (1) एम० श्रान्जनेयुलु, (2) एम० सुशील, (3) ती० मोहन राव, (4) पी० श्रार० के० मूर्ति, (5) पी० एस० रावम्म, (6) पी. चन्द्र मौलि, (7) ती० रवीन्द्र बाबू (8) पी० हनुमन्त राव; (7) ई० मांबिरेडि (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्तवा किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्य होगा, जो उस प्रक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुखी जमीन विस्तींण 1 एकड 12 सेट पुरुषोत्तम पन्टम गांव पर नं० 119/सी० जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 165/80 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चिलकलूरियेट में है।

> एस० गोविन्द राजन मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैंन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 6-10-80

मोहर

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 6 श्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 1068/80-81--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि और खुली जमीन है, जो 7-49 और 0-17 सेस्ट काटरू गांव में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वय्यूर तालुक मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रान्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा की 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत:--

- 1. श्री कोई माधवराव, कें० वेकटेश्वर राव, के० मुरेश कुमार, के० नरेदर राव, के० सत्तीष, काटूर गाव, वय्यूर तालुक, कृष्ण जिला। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कोडे प्रभावति, पत्नी राजेन्द्र प्रसाद, कालेश्वर राव मार्ग, गवर्नमेंट पेट, विजयवाङ्ग। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उपन सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजनत में प्रकाशन की तारीचा से 45-दिन के जीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितजद किजी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रमुक्त शक्यों घीर पदों का, जो उक्त प्रधि-निवन के अख्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही धर्म होगा, जो उस श्रुष्टाय में विया गया है।

प्रनुसूची

सूखी जमीन भ्रौर खुली जमीन 7-49 श्रौर 0.17 सेंट काटूर गांव एस नं० 519 और 520 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 179/1980 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी वय्यूर में हैं।

एस० गोबिन्द राजन मक्षम प्राधिकारो महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण), म्रजन रेज, हैदराबाद

तारी**ख:** 6-10-1980

मोहरः

प्ररूप बाई • टी • एन • इस •----

आयक**र अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धा**रा **268-ण (1) के घछीन सूचना** भारत सरकार

कार्यालय सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराचाद, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1980

निर्देण सं० ग्रार० ए० सी० नं० 1069/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन 9-11 है, जो बोड्ड्पिल्ल गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कंकिपाडु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्दह प्रतिशत से प्रिक्षक है और भन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाबतिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (स) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भश्चिमयम के भश्चीन कर देने के अन्तरक के बायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आज या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपवारा (1) के सभीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों अर्थात ग्रन्न

- श्रीमती नारला जलजाक्शम्म पति कुटुम्बराव, बोद्रुपाडु, कंकिपाडु, तालुक। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती (1) एम० शिवपार्वती देवी पति डा० रमेश बाबू, ,(2) मैनेति राम बाबू, पिता नागेश्वरराव, नुरपुलू, कंकिपाडु तालुक। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धार्कींप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिष्ठ या हरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिष्ठ, जो भी घनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सक्तेंगे:

स्पब्टी वरवा --- इसमें प्रमुक्त शब्दों मीर पर्यों का, जो उक्त मधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अ**नुसूच**ी

मूखी जमीन 9-11 सर्वे नं० 93/1, 93/3, 221/1, 222/2, 216, 119/2, 99/5 और 10/2 बोड्डपाडु गांव पर जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 128/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कंकिपाडु में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-10-1980

त्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, **सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 1070/80-81-काकीनाडा स्कवाड यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन,
जायकर प्रक्षित्रयम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रक्षित्यम' कहा गया है), की
धारा 269-च के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी ची, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- र० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० म० नं० 43बी-23-5 है, जो श्राह्लियुरम वार्ड डोंडपर्ति विशाखापटनम में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय विशाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण में हुई किसो आप को बाबत, खबत अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रग्वरक के रामिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ज) ऐसी किसी शा या किसी धन या घन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धन-कर धिबनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बिधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के बिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत !—— 22—296GI/80

- 1. श्री जी० सूर्यनारायण पिता कामेश्वरराव, भीमुनि-पटवम। (श्रन्तरक)
- 2. श्री पी० ध्रार० कृष्ण मूर्ति पिता की० गे० राघ वटया, विशाखापटनम। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा सं 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर नूचना की तामील से 30 दिन की धविध, भो भी धविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति आरा, घष्टोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो मीर पदो का, जो उनत प्रधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी घयं होगा, जो उस धव्याय में विया गया है।

धनुसूची

मकान नं० 43-23-5, श्रिल्लपुरम वार्ड, डोंडपित, इनाक ह० 21, टी० एस० सं० 328ए, प्लाट सं० 15 विशाखापटनम पर जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख न० 610/80 फरवरी 1980 रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी विशाखापटनम में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख:** 6—10—1980

प्र₹पं आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयक मधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, 6 प्रक्तूबर, 1980

निर्देश सं० थ्रार० ये० सी० सं० 1071/80-81—काकीनाडा स्कवाडा यत: मुझे, एस० गोविष्ट पाउन, ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीम सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्नि, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,900/- व॰ से अधिक है

स्रोर जिसकी सं. खुली जमीन है, जो बीच मार्ग किर्लमपुडी गांव में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यास्य, विजागा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकास लिये अन्तरित की गई है और मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत आधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितयों) के बोच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निसित्त नश्य से जवन अन्तरण सिक्तित में वास्त्रिक कप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत प्रधि-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व मॅकमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त पश्चिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपसारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात ।—

- श्री संकर वेंकट रामणा राव पिना स्वामी नायुडु, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
 - श्रो मुक्तयूडि मत्य प्रसाद पिता मित्त राजु, पेद्दाङ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पति के अर्जन के सव्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तस्सम्बन्धी क्यिंबतया पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी भन्म क्यक्ति हारा, घछोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण :--- इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही धर्य होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन—किखमपूडी कालोनी, वैजाग मुनिसिपल कार्पोरेशन, वाल्टौर वार्ड टि० एस० सं० 1009 प्लाट मं० 1-873 चनर गज, वैजाग पर जैमा कि रिजस्ट्रीकृत विवेख नं० 921/80 रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी वैजाग में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 6-10-1980

प्ररूप आई • टी • एन • एस • ----

भायकर भिंबानियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीकक)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैं दराबाद, दिनांक 6 श्रवतूबर 1980

निदेश सं० ग्रार० ये० सीं० नं० 1072/80-81काकीनाड़ा स्कवाड यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन,
आगकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); को धारा 269-ज के प्रधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव र
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु० से प्रधिक है
ग्रीर जिसकी सं० टो० एस० सं० 319 है, जो महाराजपेट
विजयनगरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची मे
ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के
कार्याजय, विजयनगरम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल क लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यया एवंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजा । मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन न, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत. सकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या स्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी आयका किसी धनया ग्रन्थ आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उका प्रवितियम की बारा 269-ग के बिनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपवारा (1) के अधील, निम्निकिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री एचूरी वराहनरसिंह शर्मा पिता की० शे० लक्ष्मी नारायण, ग्रानंदपुरम, भीमिलि तालुक। (ग्रन्त२क)
- 2. सर्वश्री (1) पी० सत्यनारायण, (2) भ्रष्पा राव,
 (3) सूर्सनारायण ,(4) बदरी नारायण, (5) वेंकट राव,
 (6) वेंकटराव, (7) गोविन्दराव, (8) रामकृष्ण, (9)
 पी० वी० नारायण, विजयनगरम। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी अवधि बाद में यनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भश्रोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे.

स्पष्टीकरण:--इसर्वे प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनु**सूच**ः

मकान नं० टी० एस० नं० 319-पुराना ऋ० सं० 189 महाराजपेट, विजयनगरम पर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 605/80 फरवरी, 1980 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयनगर में है।

> एस० गोविन्व राजन सक्षम भ्रधिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-10-1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 6 अक्तूबर, 1980

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 1073/80-81— काकीनाड स्कवाड यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 1-10 श्रीर 1-17(2) है, जो वार्ड एक श्रनपूर्ति में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यान्य, विक्कवोल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यान्य, विक्कवोल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल का एसे किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्द्रसरण म, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- भी पोनमसेट्टिजानकीराम रेड्डी पिता रामि रेड्डि अनप्ति। (अन्तरक)
- 2. श्री नलम्मिल्लि बुल्लि रेड्डी श्रौर लोग पिता नागी रेड्डी, श्रनपति। (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरे 45 विन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंत- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिकाधित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन श्रौर हवेली घर सं॰ 1-10, 1-17, श्रनपति, पूर्व गोदावरी जिला पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 300/80 फरवरी, 1980 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी विभक्तवोल में हैं।

एस० गोविन्द राजन सक्षमप्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-10-1980

प्रस्प साईं । टी । एत । एस ----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

<u>}ेदराबाद, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1980</u>

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 1074/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-10(1) श्रीर 1-17 (1) है, जो श्रनपित बिक्कवोल में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बिक्कवोल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, (1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक ह भीर धन्तरक (भन्तरको) भीर धन्तरिती (अन्तरित्यों) के बाच ऐसे धन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण सं हुई किसी आय की बाबत सकत अधि-नियम के प्रज्ञीन कर देने के प्रस्तरक के दायिख में करी करने या उसस बचने में सुविधा के सिए; भीर,या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर शिक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त अधिनियम, सा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ भन्तरिता दारा प्रकट नहीं। किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

श्रतः **भव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269≈ग के बनू**-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वृकी उपवारा (1) के अधीन, निग्नसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री के० वी० रेड्डी पिता मुब्बरायुडु, श्रनपति। (ग्रन्तरक)
- श्री एन० बुल्लि रेड्डी पिता नागि रेड्डी श्रीर लोग, श्रनपति। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त मंपित के धर्मन क संबंध में कोई भी धाओव ।---

- (क) इस सूचना के शबपल में प्रकाशन की तारीबा से 48 दिन की प्रविधि या मस्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचन। की सामील से 30 दिन की प्रविधि, जा वी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी क्यकित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की ठारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हिंता बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उन्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

भनुसूची

खुली जमीन और कवेली घर सं० 1-10(1) श्रौर 1-17(1) एक वार्ड, श्रनपति, पूर्व गोदावरी जिला पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 301/80 फरवरी, 1980 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी बिक्कवोल में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 6-10-1980

प्रकप भाई। टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1980

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं 1075/80-81-यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन, ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम ग्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्राधिक है

ग्रीर जिमकी सं० जमीन (खुली) है, जो वार्ड-नौ ब्लाक-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत), है रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्नह प्रतिशत से ग्रिधक है ग्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रीवित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च भ्रम्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भव: ग्रव, उब्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व भी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात :---

- श्रीमती मेका वीर रेगनायकम्म, पति वेंकटेश्वर राव, सूर्याराव पेट, विजयवड़ा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रो कल्लूरि रामु, पिता तानितय्या, सूर्यारावपेट, विजयवाडा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो
 भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों घीर पर्दों का, जी अक्त ध्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुली जमीन 430 चतुर गज सूर्यारावपेट, रामचन्द्रराव मार्ग, वार्ड-9, ब्लाक-18, विजयवड़ा पर जैसा कि रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 676/80 फरवरी, 1980 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ में है।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराखाद

तारीख: 6-10-1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर ग्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 ग्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० के० एन० एल० /57/79—80——ग्रत: मुझे, गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज, रोहतक

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के साधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से साधिक है

प्रीर जिसकी सं० भूमि रकबा 87 कनाल 11 मरले है तथा जो कुरुजपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के वृध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्तरह प्रतिशत से प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहेंग्य से जकत अन्तरण लिखित में वास्तिकक, निम्नलिखित जहेंग्य से जकत अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के बाबीम कर वेने के बन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; बौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य खास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ध्रम्सरण में में. उक्त पश्चिमियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्रो सत्यपाल पुत्र श्रो सोनू राम उर्फ सावन राम निवासी ई-99, राम नगर नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री चुन्नी लाल पुत्र श्री तारा चन्द निवासीचार चमन, करनाल। (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धोक्तरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो छक्त प्रधिनियम के अक्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयंहोगा, जो उस अध्यार में दिया गया है।

मनु सूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 87 कनाल 11 मरले जो कि कुन्जपुरा (करनाल) में स्थित है तथा जिसका और श्रिष्टिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 2009 दिनांक 26-2-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निर`क्षण), घ्रजैन रेंज, रोहतक

तारीख: 7-10-1980

प्रकप माई० टी• एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० के० एन० एल०/51/79-80---यत., मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति, जिसका स्वित बाजार मूल्य 25,000/- के से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि रकवा 10 बीघे 12 बिसवे है तथा जो करनाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत प्रधिक है गौर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) भग्धरण स हुई किसो धाम को बाबत उनत बाधि-नियम के मधान कर देने के मन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या िना धन या अन्य आस्तियों की, जनहें प्रायकर धीर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त मिर्धानयम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के [लिए;

अतः अव, उपन प्रिप्तियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) सर्वश्री राज कुमार, ग्वीन्द्र कुमार पुत्रान श्री हर भगवान निवासी चण्डीगढ़।
- (2) सुभाष चन्द पुत्र श्री हरभजन लाल निवासी शक्ति कालोनी, करनाल। (भ्रन्तरक)
 - 2. (1) श्री बनारसी लाल पुत्न श्री लधा राम
 - (2) श्री करतार सिंह पुत्र श्री रल सिंह,
 - (3) श्री हरचरण सिंह पुत्र श्री कुलदीप सिंह
 - (4) श्रीमती राज कौर पत्नी श्री तेजविन्द्र सिंह
- (5) श्रो जगविन्द्र सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी करनाल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी खाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवद किसीधम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी छक्त प्रधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्ट होगा, थो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

सम्पित्त भूमि रकवा 10 बीघा 12 बिसवा जोिक करनाल में स्थित है तथा जिसका श्रीर श्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रिजस्ट्री क्रमांक 6472 विनांक 29-1-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 6-10-1980

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, रोहतक रोहतक, दिनांक 4 ग्रक्तूबर, 1980

निर्देश सं० के० एन० एन०/49/79-80--श्रतः, मुझे, गो० सि० गोपाल.

धायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि रक्वा 9 बीघा 7 बिसवा है तथा जो करनाल में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण क्य में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करनाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उका श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वास, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

सतः सब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
2—296GI/804

शे अमर सिंह पुत्र श्री शिवराम, निवासी मोहल्ला कोट, करनाल। (ग्रन्तरक)

सर्वश्री

- 2. (1) चरन्जी लाल पुत्र श्री मुन्गी राम
 - (2) प्रेम चन्द पुत्र विशम्बर दास
 - (3) सूरज भान पुत्र चरन्जी लाल
 - (4) नरेश कुमार पुत्र प्रेम चन्द
 - (5) कमलेश रानी पत्नी बाल कृष्ण्, निवासी-गण, करनाल। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

ग्रन् सूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 9 बीघा 7 बिस्वा जोकि कस्बा करनाल में स्थित है तथा जिसका श्रीर श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 6009 दिनांक 16-1-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहसक

तारीख: 4-10-1980

प्रकृप धाईं । टी । एन । एस ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1980

निर्देश सं० के० एन० एल०/53/79-80---यतः, मुझे, गो० मि० गोपाल,

प्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्भा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूक्य 25,000/-रुपय से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि रकबा 12 कनाल 19 1/4 मलरखे है तथा जो ग्राम डोडवा, तहसील करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृहय से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में कास्त-विक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रान्तरण सं हुई किसी प्राय की बाबत जबन प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कवी करने या उसने बचने में भुतिशा के चिन्; पौर/ता
- (क) ऐसी किमी भाष या किमी धन या अन्य भास्तियों की, जिम्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, जियाने में मुजिप्रा के लिए:

अत : सब, उक्त भिनियम की घारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त भिनियम की घारा 269 म की उपधाया (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैं कुन्दन लाल दुर्गा दास, तरावडी मार्फत श्री कुन्दन लाल व दुर्गा दास क्रेजान श्री नारायण सिंह, श्रीमती जुरस देवी पत्नी श्री सन्त राम व मंगन राम पुत्र श्री काणी राम, तरावड़ी।
 (ग्रन्तरक)
- 2. (1) सर्वश्री श्रणोक कुमार, राजिन्द्र कुमार पुत्नान श्री जगत राम।
 - (2) श्री राम कुमार,
 - (3) श्री राम प्रमाद
- (4) श्री शीश पाल ,पुत्रान श्री बशेशर दास निवासी-गण, तरावड़ी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रवधि या तस्मां भी क्यक्तियों पर सूचन।
 की तासील से 30 दिन की अवधि जो भी भविष्य
 बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोद्दत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिष्तियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा जो उस भक्ष्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि रक्तबा 12 कनाल 19 1/4 मरले जोकि ग्राम डोडवा में स्थित है तथा जिसका ग्रीर ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रिजस्ट्री क्रमाक 6483 दिनांक 29-1-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम श्रधिकारी, (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-10-1980

प्राक्ष्य श्राई० टी० एन० एस० ----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-न (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज, रोहनक

रोहनक, दिनाक 4 श्रक्तूबर 1980

निर्देश स० के० एन० एल०/48/79-80-यतः मुझे, गो० सि० गोपाल, आयकर प्रधितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्षए से पधिक है और जिसकी सख्या भूमि रक्षवा 19 बीघा है तथा जो करनाथ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दर, प्रतिणत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरात्यों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उना अन्तरण निवित्त में वास्तविक खर से कायत किया गया है।

- (क) प्रनारण पे हुई किमी श्राप की बाबत उक्त श्राप्ट-तियम के श्रधीत कर बन के प्रनारक के दामित्व मे किमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

५त. ग्रज, उवत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उकत ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीन:—

- श्री हरकेश पुत्र श्री शिवराम पुत्र श्री हीरा निवासी मोहल्ला कोट, करनाल। (श्रन्तरक)
 - 2. सर्वश्री (1) चरनजीत लाल पुत्र मुन्शी राम
 - (2) प्रेम चन्द पुत्र विशम्भर दास
 - (3) सूरजभान पुत्र चरनजीत लाल
 - (4) नरेण कुमार पुत्र प्रेम चन्द
- (5) श्रीमती कमलेश रानी पत्नी बाल ক্রুত্ण निवासी गण, करनाल। (श्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्अन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजाल म प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रोत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वद्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो श्रीर वदो का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सम्पत्ति भाम रकबा 19 बीघा जोकि कस्बा करनाल में स्थित है तथा जिसका श्रोर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5994 दिनाक 15-1-1980 में किया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 4-10-1980

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 20th August 1980

No. A. 32015/1/80-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri Ram Singh, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an ad hoc basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's Office for the period from 2-8-80 to 30-9-80, or until further orders, whichever is cather vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) granted leave.

The 27th August 1980

No. A. 35014/2/80-Admn. II.—In continuation of this office Notification of even number dated 29-2-1980, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. P. Jain, a permanent Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to the ex-cadre post of Accounts Officer on an ad hoc basis for a period of one year w.e.f. 10-9-1980, or until further orders, whichever is earlier.

Shri M. P. Jain will be on deputation to the ex-cadre post of Accounts Officer and his pay will be regulated in terms of the instructions contained in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F. 10(24)/E-III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

P. S. RANA Section Officer for Secv. Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 23rd September 1980

No. A. 12019/1/80-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an ad hoc basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 1-9-1980 to 30-11-1980, or until further orders, whichever is earlier:—

- 1. Smt. Sudha Bhargava
- 2. Shri J. N. S. Tyagi.

S. C. JAIN, Section Officer for Secy.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th September 1980

No. A. 38013/1/80-Admn. III.—The President is pleased to permit Shii S. N. Ghosh, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission. to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th September, 1980 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated 24th November, 1973.

S. BALACHANDRAN

Dy. Secy.,
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R., CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 29th September 1980

No. A-19036/1/76/Ad-V.—Consequent on the expiry of his term of deputation, the services of Shri K. Subanna, Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, CIU(C) were placed back at the disposal of the Government of Andhra Pradesh with effect from 1-7-1980 afternoon after expiry of 14 days earned leave from 18-6-1980 to 1-7-1980

The 30th September 1980

No. A-19021/7/80-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri K. J. Singh, IPS (WB-1969) as Superintendent

of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 18-9-1980.

> Q. L. GROVER Administrative Officer (E)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 26th September 1980

No. E-28013/1/78-Pers.—On attaining the age of superannuation Shri N. N. Mohanty relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, DSP Durgapur w.c.f. the afternoon of 31st August, 1980.

Sd. ILLEGIBLE Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 30th September 1980

No. 11/110/79 Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri S. D. Vadera, an officer belonging to the Gujarat Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad, by transfer on deputation with effect from the forenoon of the 8th September, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Vadera will be at Rajkot.

The 4th October 1980

No. 11/33/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri J. J. Yadav, an officer belonging to the Government of Maharashtra, as Assistant Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 16th September, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Yadav will be at Pune.

No. 11/2/80 Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri Surya Deo Prasad, on officer belonging to the Bihat Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operation, Bihar, Patna, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 20th September, 1980, until 1urther orders.

The headquarters of Shri Prasad will be Muzastarpur.

No. 11/2/80 Ad. J.—The President is pleased to appoint Shri Akhauri Pramod Sekhar Singh, an officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations. Bihar, Patna, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 20th September, 1980, until further orders.

The headquarters of Shri Singh will be at Patna.

No 11/36/80 Ad. I.—In continuation of this office notification of even number dated 28-3-1979, the President is pleased to appoint Shri M. L. Gulati, Office Superintendent in the Central Bureau of Investigation, Delhi Branch, New Delhi, as Deputy Director in the office of the Registrar General, India at New Delhi, on ad-hoc basis, by transfer on deputation, for a further period from the 26th February. 1980 to the 28th February. 1981, or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Gulati will be at New

No. 11/96/79 Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri Bal Ram Prasad, Research Assistant in the Central Institute of Indian Languages, Mysore, as Research Officer (Language) in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- in the Office of the Registrar General, India (Language Division), Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 20th September, 1980, until further orders.

2. The headquarters of Shri Prasad will be at Calcutta.

The 6th October 1980

No. 18/57/80-Ad. I.—Consequent on his retirement on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30-9-1980, the President is pleased to remplov Shri M. N. Iagtiani. a Section Officer of the C.S. Cadre of the Ministry of Home Affaits in the same post for a period of six months with effect from 1-10-1980 in the office of the Registrar General, India.

His headquarters will be at New Delhi.

P. PADMANABHA Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 1st October 1980

No. Admn. I/290.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to accord proforma promotion to Shri G. L. Bansal (02/0263) Section Officer as Accounts Officer in the officiating capacity in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with offect from 25-8-1980 (forenoon) i.e. the date from which his next junior Shri B. B. L. Saxena, Section Officer has been promoted as Accounts Officer in this office.

D. C. SAHOO Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110022, the 23rd September 1980

No. 29015(2)/78/AN-I.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Time Scale of that Service (Rs. 1100-50-1600) with effect from the dates shown against them, until further orders:—

SI. No.	Name	Date from which appointed
1.	Smt. Usha Grace Antony .	6-8-79
2.	Shri Thomas A. Kallivayalil	1-8-79
3.	Shri Abhijit Basu	1-8-79
4.	Smt. Radha A. Nanjanath .	30-8-79
5.	Shri Hari Santosh Kumar .	1-8-79
6.	Km. Ganga Purkuti	1-8-79
7.	Shri Dheer Singh Meena .	1-8-79
8.	Shri Yashwant S. Negi .	1-8-79
9.	Shri Kaihau Vaiphei	2-8-79
10.	Shii Gautam Sen	1-8-80
11.	Shri Veerabhadra Rao Volaga	1-8-80
12.	Shu K. Niranjan Rao .	1-8-80
13.	Shii K. G. Menon	1-8-80
14.	Shri S. S. Raghavan	1-8-80
15.		1-8-80
16.	Shri K. Natarajan , .	1-8-80
17.	Shri T. M. Kalyanaraman	1-8-80
18.	Shri A. K. Ghosh	1-8-80
19.	Shri P. L. Ahuja	1-8-80
20.	Shri K. Rajagopalan .	1-8-80
21.	Shri D. Raghava Rao .	J-8-80
22,	Shri D. R. Vohra	1-8-80
23.	Shri R. Vijayaraghavan .	16-8-80

C. V. NAGENDRA

Addl. Controller General of Defence Accounts (Admin).

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 23rd September 1980

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1032/74-Admn(G)/5760.—On attaining the age of superannuation, Shri Salıl Kumar Bose, Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, relinquished charge of the post in that office on the afternoon of the 31st March, 1980.

P. C. BHATNAGAR Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPTT. OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 26th September 1980

No. 12/135/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Basant Kumar, Assistant Director (Gr. I) (Chemical) in Small Industries Service Institute, Jaipur as Deputy Director (Chemical), at Small Industries Service Institute, Jaipur on ad hoc basis with effect from the afternoon of 23rd August, 1980 until further orders.

No. A-19018/4/73-Admn(G).—Consequent on his reversion from deputation with Dadra and Nagar Haveil Administration, Silvassa. Shri G. P. Mathur assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (Mech.) at Extension Centre, Meerut in the forenoon of 17th July, 1980.

The 27th September 1980

No. 12/395/63-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. Pichumani, Assit. Director (Gr. I) (Chemical), Small Industries Service Institute, Madras as Deputy Director (Chemical) as Small Industries Service Institute, Bangalore on ad hoc basis with effect from the forencon of 5th September, 1980, until further orders.

The 1st October 1980

No. 12(613)/69-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri J. P. Dhanunjai, substantive Small Industries Promotion Officer (Mechanical) and ad hoc Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industries Service Institute. New Delhi to retire from Government service on his attaining the age of superannuation on the afternoon of 31st August, 1980.

The 6th October 1980

No. A. 19018/104/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. N. Sengupta, substantive Small Industries Promotion Officer and officiating Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation), Small Industries Service Institute, Calcutta as Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation/Production Index) on ad hoc basis in the same Institute with effect from the forenoon of 3rd December, 1979 until further orders.

No. A. 19018/127/74-Admn.(G).—Consequent on his reversion from deputation with the District Industries Centre, Hardoi, under the Government of Uttar Pradesh, as General Manager, Shri R. S. Koli, has assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation/Production Index) at Small Industries Service Institute, Ludhiana with effect from the forenoon of 29th August, 1980.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 1st October 1980

No. 7460B/A-19012(3-GNS)/79-19B.—On his being permanently absorbed in the M.E.C. Limited Shri G. N. Sachan, resigned from the post of Assistant Chemist in Geological Survey of India with effect from the afternoon of 14-9-1978.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th September 1980

No. A. 19012(134)/80-Estt, A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. G. Wasnik, officiating Senior Technical Assistant (Min. Engg.), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Mining Engineer in this department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 8th September, 1980, until further orders.

The 1st October 1980

No. A.19012(136)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Arupananda Naik, Permanent Senior Technical Assistant (Geology) Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist, a Group 'B' post in this department, with effect from the afternoon of 12th September, 1980 until further orders.

S. V. ALI Head of Office.

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 1st October 1980

No. F. 150-1/79-Estt./16485.—Shri R. S. Pandey, Hindi Translator, Zoological Survey of India, Headquarters, Calcutta, is hereby appointed to the post of Hindi Officer (Group 'B') in the scale of Rs. 650—1200/- in the same Department at the Headquarters, Calcutta in a temporary capacity on ad hoc basis with effect from 29-9-1980 (forenoon), until further orders.

DR. K. K. TIWARI Director, Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th September 1980

No. 4(42)/77-SI.—Shri R. L. Gokhale, Programme Executive, All India Radio, Indore resigned from service with effect from 21st August, 1980.

Dv. Director of Administration for Director General

New Delhi, the 4th October 1980

No. 9/10/78-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri K. L. Ahuia, Stenographer (Sr.) NSD, All India Radio, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Reporter (M) N.S.D., All India Radio, New Delhi with effect from 1-8-80 (F.N.).

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 1st October 1980

No. A. 12023/26/76-Admn. I.—Consequent on his appointment to the post of Evaluation Officer in the Department of Family Welfare, Shri B. D. Chandola relinquished charge of the post of Health Education Officer (Field Study and Demonstration Centre), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services on the forenoon of 5th April, 1980.

No. A. 12026/5/78(CLTRI)/Admn. I.—Shri T. K. M. Pillai relinquished charge of the post of Administrative Officer at the Central Leprosy Teaching and Research Institute, Chingleput, with effect from the afternoon of the 31st July, 1980.

S. L. KUTHJALA Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 6th October 1980

No. A. 19012/3/80-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri D. M. Thakar in the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Bombay on an *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 18th September 1980 and until further orders.

SHIV DAYAL Deputy Director Administration (Stores)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION Faridabad, the 1st October 1980

No. A. 19024/6/79-A. III.—The short term appointment of Shri R. Ramakrishnan to the post of Chief Chemist has been further extended with effect from 1-10-1980 and until turther orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 18th September 1980

No. DPS/21/1(2)/78-Est./16274.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, appoints Shri T. V. Ramaswamy, Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad hoc basis in the Delhi Regional Purchase Unit of the same Directorate with effect from January 9, 1980 (FN) to September 30, 1980 (AN), or until further orders which ever is earlier.

R. P. DE SOUZA Assistant Personnel Officer

Bombay-400 001, the 22nd September 1980

No. DPS/23/8/77/Est. 16408.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Vasant Balwant Vyapari, a temporary Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from April 5, 1980 (FN) to May 12, 1980 (AN) vice Shri B. D. Kaviswar granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 29th September 1980

No. AMD-1/38/78-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. V. B. Raju as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Divisions in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 26, 1980 until further orders.

No. AMD-1/38/78-Adm.—Director. Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Bijendra Singh as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of September 22, 1980 until further orders.

No. AMD-1/23/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Y. R. Satva Saradhi as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1980 until further orders.

The 1st October 1980

No. AMD-2/2941/79-Adm.—The resignation tendered by Shri Aiay K. R. Tilwankar, from the temporary post of Scientific Offleer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director. Atomic Minerals Division with effect from September 17, 1980 (afternoon).

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 6th October 1980

No. A.38019/1/77-E. I.—The undermentioned officers of India Meteorological Department retired from the Govt. service on the dates mentioned against their names on attaining the age of superannuation.

Sl. No	Name	Designation	Date on which officer retired,
1.	Shri L. C. Sharma .	Meteorologist Gr.1	31-7-80 (A.N.)
2.	Shrì G. Sevu	Meteorologist Gr. I	31-8-80 (A.N.)
3.	Shri M. N. Pillai	Meteorologist Gr. I	31-8-80 (A.N.)
4.	Shri V. K. B. Unni .	Meteorologist Gr. I	31-8-80 (A.N.)
5.	Shri A, S, Prabhavalkar	Assistant Meteorologist	30-6-80 (A,N.)
6.	Shri V. M. Varadarajan	Assistant Meteorologist	31-7-780 (A.N.)
7.	Shti A. Yoganand .	Assistant Meteorologist	31-7-80 (A.N.)
8,	Shri A. Gupta	Assistant Meteorologist	31-8-80 (A.N.)
9.	Shri K. C. Subbaiah .	Assistant Meteorologist	31-8-80 (A.N.
10.	Shri S. K. Mulye .	Assistant Meteorologist	31-8-80 (A.N.)
11.	Shri Krishna Prasad .	Assistant Meteorologist	31.5 °((A.N.)
12.	Shri V, Muthuswamy .	Assistant Meteorologist	31-8-80 (A.N.)

K. MUKHERJEE, Meteorologist for Director Genereal of Mteorologg

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th September 1980

No. A. 32014/3/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistant to the grade of Assistant Technical Officer on an ad-hoc tests with effect from the date indicated against each and to prost it on the station indicated against each.:—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
	Shri		<u></u>	
1. K.	V. Ramachandran	ACS, Bangalore	ACS, Bangaiore	1-9-80 F.N.
2. J. S	. Mann	ACS, Lucknow	ACS, Lucknow	30-8-80 F.N.
3. J. S	. Sehgal	ACS, Palam	ACS, Palam	30-8-80 F.N.
4. D.	Pichumani	ACS, Madras	ACS, Madras	4-9-80 F.N.
5. A.	Mahalingeswara .	ACS, Bombay	ACS, Bombay.	5-9-80 F.N.
6. Ish	war Daya]	ACS, Palam	ACS, New Delhi	30-8-80 F.N.
7. M.	N. Dhasmana .	RC & DU, New Delhi	RCDU, New Delhi	1-9-80 F.N.
8. P. S. Dalvi		ACS, Bombay	ACS, Bombay	11-9-80 F.N.

R. N. DAS Assistant Director of Admnistration.

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 3rd October 1980

No. 15/78/70-Ests-I.—Shri J. P. Bahuguna, who was appointed as Research Officer on ad hoc basis was reverted to his original post of Research Asstt. Grade I (Selection Grade) w.c.f. 18-7-80 (F.N.).

J. C. VARMAH
President,
Forest Research Institute and Colleges

Dehra Dun, the 27th September 1980

No. 16/301/78-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint Shri Hamidullah, Office Superintendent, Forest Research Institute and Colleges as Assistant Registrar in the same office, with effect from the forenoon of 22nd September, 1980, on a temporary basis until further orders.

R. M. MOHANTY
Registrar
Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay, the 30th September 1980

F. No. II/3E(a)2/77 Pt. I.—Shri A. M. Pathan. Selection Grade Inspector has on promotion assumed charge as Superintendent Gr. 'B' in Bombay Central Excise Collectorate I with effect from 29-8-1980 (forenoon).

K. S. DILIPSINHJI Collector of Central Excise. Bombay-I

Indore, the 30th September 1980

No. 17/80.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer, Central Excise, Group 'B', Shri H. S. Kanwar, has assumed charge as Administrative Officer, Central Excise Divisional Office, Raipur in the afternoon of 23-8-1980.

S. K. DHAR Collector

Madras-1, the 24th September 1980 CUSTOMS ESTABLISHMENTS

No. 11/80.—Shri T. Jayaraman, temporary Appraiser (Non-Expert) in the Madras Custom House resigned the post of Appraiser with effect from 20-9-1980 (A.N.).

A. C. SALDANHA Collector of Customs

Nagpur, the 4th October 1980

No. 10/80.—Shri M. M. Shirazi, Assistant Collector (Hqrs.) of this Collectorate having attained age of superannuation, has retired from Government service in the afternoon of the 31st August, 1980.

No. 11/80.—Shri G. S. Ahuja, lately posted as Assistant Collector (Preventive)/(Technical)/(Valuation) and (Audit). Central Excise Hqrs. Office, Nagpur has assumed charge of the office of the Assistant Collector (Hqrs.), Central Excise, Nagpur in the afternoon of the 31st August, 1980 relieving Shri M. M. Shirazi, Assistant Collector.

No. 12/80.—Consequent upon his transfer Shri R. J. Beley an Officer of Indian Customs and Central Excise service lately posted as Senior Technical Officer in the Department of Revenue, Ministry of Finance, New Delhi has assumed charge of the Office of the Assistant Collector (Preventive)/(Technical)/(Valuation) and (Audit). Central Excise, Nagpur in the forenoon of the 15th September, 1980 relieving Shri G. S. Ahuia, Assistant Collector of his charge.

K. SANKARARAMAN Collector

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 1st October 1980

No. A-32014/1/80-Admu. V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following Offices to efficiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on purely temperary and ad-hoc basis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000 EB 40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

Sl. No.	Name of Officer with designation.			Date of assumption of charge as E.A.D/A.E.			
1							
	S/Shri						
1,	G. P. Verma, Supervisor.		•	٠	5-9-80	(forenoon)	
2.	N. C. Gupta . Supervisor.	•			11-9-80	(Forenoon)	
3,	D. S. Agarwal, Supervisor.	٠	•		15-9-80	(forencen)	
4,	A. P. Garg, . Supervisor.			٠	18-9-80	(forenoon)	

1	1 2			3		
_	S/Shr1					
5.	Mohan Kumur, Supervisor.				5-9-80	(ferencen)
6.	R. K. Burman, Supervisor.				6-9-80	(forencen)
7.	Asif Ali, . Supervisor.			•	12-9-80	(forencen)
8.	S. S. Singh, . Supervisor.				11-9-80	(afterneen)

K. L. BHANDULA, Under Secy. Central Water Commission.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 29th September 1980

No. 33/11/78-ECIX(Vol. III).—The President is pleased to appoint Shri P. G. Patekar, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Dv. Architect (C.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs 700/- p.m. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- (plus usual allowances) with effect from 21-8-1980 (FN) on the usual terms and conditions. His pay will be refixed shortly under the rules.

2. Shri P. G. Patekar is placed on probation for a period of two years with effect from 21-8-80 (FN).

K. A. ANANTHANARAYANAN Dv. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Coburn Properties Limited.

Calcutta, the 25th September 1980

No. 27027/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Coburn Properties Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. B. BISWAS, Registrar of Companies, West Bengal₄

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Garden Stores (Assam) Private Limited.

Shillong, the 29th September 1980

No. 1040/560(5)/2277.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Garden Stores (Assam) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. BHATTACHARJEE, Registrar of Companies, Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong. In the matter of the Companies Act, 1956 and of Dharana Security Printers Private Ltd.

Bangalore, the 30th September 1980

No. 1396/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Dharana Security Printers Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI, Registrar of Companies. Karnataka, Bangalore

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vishwas Saving and Financing Private Limited.

Ahmedabad, the 3rd October 1980

No. 1821/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Vishwas Saving and Financing Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companics Act, 1956 and of M/s Salfee Financial Company.

Ahmedabad, the 3rd October 1980

No. 1331/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Saifce Financial Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Paritosh Finance & Travelling Private Limited.

Ahmedabad, the 3rd October 1980

No. 2392/560.— Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Paritosh Finance & Travelling Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. G. ANANTIJAKRISHNAN, Registrar of Companies, Gujarat.

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 27th September 1980

No. F. 48-Ad.(AT)/80.—Consequent upon his selection for appointment as Deputy Manager (Legal) in the Food Corporation of India, 11/A, Mirza Galib Road, Calcutta-16, Shri S. N. Mandal, permanent Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay is hereby relieved of his duties in the Income-tax Appellate Tribunal with effect from the afternoon of 27th September, 1980.

His lien on the permanent post of Assistant Registrar Income-tax Appellate Tribunal will be retained for a period of 2 years from 27th September, 1980 (Afternoon) under the rules.

T. D. SUGLA, President

(1) Shri Nanda Dulal Srimani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shu Ashish Dani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. No AC-26/R-II/Cal/80-81 —Whereas, I, K SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

194 situated at Maniktala Main Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5 R Scaldah, Calcutta on 16 1 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/8th Part or Share Two storeyed Bldg of Land area 22 kath 14 Ch 26 sq ft at Premises No 194-A Sachin Sen Saraini, Old No 194 Manicktala main Road PS Manicktala more particularly described in deed No 40 dated 16-1-80

K SINHA.
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcuita

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely •—

Date 7-10-80 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. AC-27/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

194, situated at Maniktala Main Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer at

S.R. Sealdah Cal. on 16-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nanda Dulal Srimani.

(Transferor)

(2) Shri Rajani Kant Dani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th Share of two storied bldg. area 22K. 14Ch. 26 Sq. ft. at Premises No. 194A Sachin Sen Saraini, old No. 194, Maniktala bldg. main Rd. under P.S. Maniktala more patticularly in deed No. 43, dated 16-1-80.

K SINHA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 7-10-80

(1) Shri Nanda Dulal Srimani.

(Transferor)

(2) Smt, Hana Dani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. AC-28/R-U/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

194 situated at Manicktala main Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

\$.R. Sealdah Cal. on 16-1-80

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed, by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official, Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of two storeyed bldg, area 22Kaths, 14ch, 26 sq. ft. at Premises No. 194A Sachin Sen Saraini, old No. 194, Manicktala bldg, main Rd, under P.S. Manicktala more particularly in deed No. 41, dated 16-1-80.

K. SINHA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 7-10-80

FORM ITNS----

(2) Shri Nanda Dulal Sreemani.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri Chimanlal Dani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANCE-II,

CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. AC-29/11/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing

194, situated at Maniktala Main Road Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Sealdah Calcutta on 16-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assetsw hich have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th Share of two storeyed bldg. area 22K-14ch. 26 sq. ft at premises No. 194A, Sachin Sen Saraini, old No. 194, Maniktala Main Rd. Calcutta under P.S. Maniktala, More particularly described in Deed No. 47 dated 16-1-80.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 7-10-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. AC. 30/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

194, situated at Maniktala Main Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Scaldah Cal. on 16-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nanda Dulal Srimani.

(Transferor)

(2) Smt. Amita Dani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of two storied bldg, area 22 Kaths 14Ch. 26 sa ft at Premises No. 194A, Sachin Sen Sariani, old No. 194, Manicktala main road under P.S. Maniktala more par-Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 7-10-80

FORM ITNS----

(1) Shii Nanda Dulal Sreemani.

(Transferor)

(2) Smt. Kirti Davi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1980

Rcf. AC-31/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

194, situated at Maniktala Main Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Scaldah Calcutta on 16-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of two storeyed bldg, area 22K. 14Ch,—26 sq. ft. at premises No. 193A, Sachin Sen Sarani old No. 194, Maniktala Main Road, Calcutta under P.S. Maniktala. More particularly described in Deed No. 46 dated 16-1-80.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 7-10-80

Seal ·

(1) Shri Nanda Dulal Sreemani.

(Transferor)

(2) Smt. Niten Davi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMP-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. AC-32/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000'-and bearing No.

194, situated at Maniktala Main Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Sealdah Calcutta on 16-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under attachment of the said Act to the fellowing persons namely:—

Objections, if any, the the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offickel Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th share of 2 storeyed bldg, area 22K. 14ch. 26 sq. ft. at premises No. 194A, Sachin Son Sarani old No. 194, Maniktala Main Road, Calcutta under P.S. Maniktala, More particularly described in deed No. 44 dated 16-1-80,

K. SINHA.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 7-10-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/125.--Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Kucha Bhabrian Amritsan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amutsar on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the in Chok Baba Sah' bi Bazar Lachhmansar Kucha Bhabrian, the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely '-26-296GI/80

(1) Smt. Ram Piari w/o Sh. Tara Chand r/o Bazar Lachhmansar through Sh. Tara Chand s/o Sh. Maharajmal r/o Bazar Lachhmansar, Amritsar. (Transferor)

(2) Shri Kishan Chand s/o Sant Ram & Smt. Rattan Devi w/o Sh. Kishan Chand, Sh. Pan (Bansi Gulshan Lal) ss/o Sh. Kishan Chand r/o Bazar, Lachhmansar, Amritsar.

(3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 2964 old No. 138 old & No. 1028 situated in Chok Baba 'Sah' bi Bazar Lachhmansar Kucha Bhabrian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2901/I dated 11-1-80 of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-9-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/126,—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot situated at Rani Ka Bagh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR-Amritsar on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Faqir Chand s/o Shri Hari Chand r/o Kacha Lamba Tobha Bhai Salo, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Om Parkash s/o Basant Lal c/o Parkash Riksha Co. Putlighar Amritsar near Railway workshop.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land Khasra No. 2872/652-2820 Khata khatoni No. 525/732 situated in Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2992/J dated 18-1-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-9-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/127.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One kothi situated at Lawrance Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 o f 1957);

- (1) Sh. Amarnath, Smt. Ayudhya Parkash, Smt. Gian Dai, Sh. Ram Parkash, Sh. Balak Ram, Sh. Gurparkash, Smt. Ram Piaran through Sh. Bhim Sain mukhtar aam r/o Jullundur now Lawrance Road, Amuitsar
- (2) Smt. Prem Wati d/o Sh. Bishan Dass, r/o Vill. Thatha Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar.
- (3) As at Sr. 2 above and tenant(s) if any. Smt. Premowati Rs. 120/- p.m. since 1969.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One kothi No. 70/20 No. 85-A (Arca 417 sq. mtrs.) situated on Lawrance Road, as mentioned in the sale deed No. 2980/1 dated 18-1-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsor.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the raid Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 9th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/128.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to Believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Katra Khajanawala Khuhi Longa wali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Banarsi Dass s/o Sh. Diwan Chand, r/o Katra Khajanaweda Gali Nand Lal, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Buldev Singh s/o Karnail Singh r/o Gate Bhagtanwala. (Transferee)
- (3) As at Sr. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation in property)

to be interested in the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at katra Khajavawala Khuhi Longawali within municipal corporation, as mentioned in sale deed No. 3169/I dated 30-1-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-9-80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/129.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property, Gali Golab Singhwali, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Jiwan Singh s/o Sh. Hem Raj Gali Dabkaran Cheel Mandi, Amritsar,

(Transferor)

(2) Sh. Tara Chand s/o Sh. Bau Ram & Smt. Lagyawanti w/o Sh. Bau Ram, r/o Katra Baghian, Amritsar.

Transferec)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1071/R-26/VIII-C, situated in Gali Mandi, Amritsar, as mentioned in the sole deed No. 2964/I dated 3-1-80 of the regites ation authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.,

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amiltser.

Date: 9-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th September 1980

Ref. No ASR./80-81/130.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Gali Kandharian situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sh. Om Parkash s/o Sh. Bal Mukand, Chowk Lachhmansar Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar & Shiv Kumar ss/o Jagan Nath r/o Moti Bazar Kucha Bura Mal Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1071/A-26/VIIIX-C, situated in Gali Kandharian, Bazar Municipality, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2099 dated 11/1/80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amultsar.

Date: 9-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 9th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/131.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated in Jaspal Nagar, Sultanwind Road, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Karmi w/o Karnail Singh r/o Sultanwind Amritsar through Karnail Singh mukhtar khass.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Rani w/o S. Kishan Lal & Smt. Amritawasa w/o Jiwan Dass r/o Kot Baba Dip Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot khasra No. 612 situated in Jaspal Nagar Sultanwind Amritsar (area 390 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 3126/1 dated 25-1-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS..

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 9-9-1980

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 9th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/132.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot at Magbul Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has age theen truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Agt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the appropriate property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Amrik Singh s/o Deva Singh r/o Dudhala Teh.
 Distt. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Harnam Kaur wd/o Iqbal Singh r/o 370 Fast Mohan Nagar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land at Maqbul Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2982/I dated 18-1-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 9-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsai, the 10th September 1980

Ref. No. ASR/BTL/80-81/133.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at Batala

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

27---296GJ/80

(1) Smt. Urmala Rani w/o Sh. Jugal Kishore, r/o Batala (Mohalla Daula Nangal), Batala.

(Transferor)

(2) Smt. Kavita Aggarwal, w/o Sh. Mohinder Pal. Main Bazai Near Nehiu Gate, Batala.

(Transferce)

- (3) As at St. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

property sousisting of shop situated inside Gate, Batala as mention in the sale deed No. 4932 dated 11-1-80 of the registering authority Batala.

> ANAND SINGH IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-9-1980

FORM NO. J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/134.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

One plot situated in Sultanwind Village, Teh. ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908), in the office of the Registering Officer at SR Annitour on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen pe, cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance in section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Piara Singh s/o Jagat Singh r/o Sultanwind village, Teh. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Nihal Chand Aggarwal, s/o Sh. Joti Ram & Smt. Gita Gupta w/o Sh. Raman Kumar Gupta & Smt. Kavita Singla w/o Rameshwar Das Singla r/o 10-Rani Ka Bagh & Smt. Ritu Piara w/o Sh. Piara I.al Aroia r/o 20-D Rani Ka Bagh Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2, and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are-defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 8 kanals 14 marlas situated in village Sultanwind Village, T.T. Road, Teh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2821 dated 4-1-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-9-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amiltsar, the 11th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/135.—Whereus, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Tebsilpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at SR Amritsar on January 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by phore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Atma Ram s/o Jiwan Mal r/o House No. 264/ 13 Tehsilpura, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Pal s/o Atma Ram r/o House No. 264/ 14, G.T. Road, Tehsilpura, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2, and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 264/13 situated in Tehsilpura, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3114 dated 25-1-80 cl the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amotsar.

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th September 1980

Ref No ASR/80-81/136—Whereas, J, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No One plot situated in Fast Mohan Nagan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid at each the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscition (1) of section 269D of the said Act to the following per ons, namely —

- (1) Sh Roshan I al Khosla s/o Sh Ram Rattan Khosla r/o Katra Bhai Sant Singh, Amiitsar.
 - (Transferor)
- (2) Sh Sham Singh s/o S Karam Singh & S Paramjit Singh S/o Sham Singh r/o Swank Mandi, Gali Jammuan House No 1093/7 Amritsar

(Transferee)

- (3) As at si No 2, and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No 205 & 204 Mm (measuring 5121 sq metrs) situated in East Mohan Nagar Amritsai as mentioned in the sale deed No 2819/dated 17-1-80 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 11 9-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/137.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land situated in Fast Mohan Nagai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Roshan Lal Khosla s/o Sh. Ram Rattan Khosla r/o ktr Bhai Sant Singh Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Kundan Singh s/o Bahadur Singh r/o 62-East Mohan Nagar, Amritsar.
 - (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 540.13 sq. yds. situated In East Mohan Nagar, as mentioned in the sale deed No. 3069/I dated 23-1-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11 9-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/138.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property situated in Kot Mahan Singh ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jaswant Kaur wd/o Sh. Bhagat Singh r/o 11-B Daya Nand Colony, Lajpat Nagar, 24-Delhi now Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Darshna Rani w/o Arjanjit & Arjanjit s/o Blaki Ram r/o Ktr. Jaimal Singh, Gali Bhatrian c/o Arjan Tea Stall Ktr. Jaimal Singh Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 2171/1, 1696/I-20 situated in Katta Mahan Sirgh, near State Bank Amritsar, as rientioned in the sale deed No. 3030/I dated 21-I-80 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/139.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property sinated in Chawal Mandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Davinder Kaur w/o S. Santokh Singh r/o Bazar Chawol Mandi, House No. 1414/6, Amritsai. (Transferor)
- (2) Sh. Kulwant Singh s/o Natain Singh r/o Bazac Chawal Mandi, Amritsat.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2, overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property (1.2 share) Khana Shumari No. 1414/6 new No. 1561/6-8 situated in Chawal Mandi, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2919/I dated 14-1-80 of the resolutioning authority.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rmritsar.

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/140.—Whereas, 1, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One building situated at Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Harbans Lal s/o Mula Mal r/o Ranjit Road, Jullundur Cantt. (Transferor)
- (2) Managing Committee D.Λ.V. Colleges, Chitter Gupta Road, Nev Delhi.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2, and tenant(s) if any.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property/building (arc) 8 kanals 12 marlas) situated at Gurdaspur, as mentioned in the sale deed No. 6537/1 dated 10-1-80 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-9-1980

11527

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONIR OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsai, the 11th September 1980

Ref No ASR/80 81/141 --- Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

One plot in Keneddy Avenue Amritsar situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—296GI/80

(1) Sh. Radhey Sham s/o Sh. Gobinda Mal r/o Circulai Road, Amritsar

(Transferoi)

- (2) Sh Sat Pal s/o Sh Sohan Lal Parkash Watt w/o Sh Sat Pal, Harinder Kumar s/o Sh Sat Pal, 1/o Hukam Singh Road, Amritsar
 - (Transferee)
- (3) As at sr No 2, and (enant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

One plot of land No 18 Min situated in Keneddy Avenue Amritsar, as mentioned in the sale deed No 2940/I dated 16-1-80 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsai

Date 11 9 1980

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th September 1980

Ref. No. ASR/80-81, 142.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Kubbi Beri, Amritsar situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(J) Sh. Inder Singh s/o S. Sunder Singh r/o Hukam Singh Road, Amritsur & S. Kartar Singh s/o S. Sunder Singh r/o Kila Bhangian wala through Inder Singh & S. Gian Singh s/o S. Sunder Singh, Lawrance Road, Amritsar.

(Fransferor)

- (2) Smt. Sudershan w/o Nand I al & Smt. Sudesh w/o Nirmal Anand r/o Qila Bhangian wala, Amritsar, (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2, and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Kubi Beri Amritsar (No. 1702/8-16 & No. 1889/8-16 & No. 495 & No. 1891/8-16) as mentioned in the sale deed No. 2966/I dated 17-1-80 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-9-1980

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/143.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property at Kucha Bhatrian, ASR situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Darsna Devi w/o Arjanjit r/o Ktr. Jaimal Singh Kucha Bhatrian, Amritsar.

 (Transferor)
- Sh., Vijay Kumar s/o Sant Ram r/o Bazar Tahli Sahib, House No. 501/I-5 Kucha Bhatrian, Amritsar.

(Transferec)

- (3) As at sr. No. 2, and tenant(s) if any.

 Kasturi Lal & Sandhu Radios

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 501/1-5(area 55 sq. mtrs) situated in Kucha Bhatrian, Ktr. Jaimal Singh, as mentioned in the sale deed No. 2842/I dated 8-1-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-9-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/144.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One house at Kucha Bhatrian, Ktr. Jaimal Singh situated at (and more fully described in the Schedule annexed heteto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on January, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Arjanjit s/o Sh. Blaki Ram r/o Kucha Bhatrian, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Sant Ram s/o Nathu Ram r/o Shiv Market Bazar Tahli Sahib, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. Kasturi Lal & Sandhu Radios (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 501/1-5 (area 55 sq. metrs) situated in Kucha Bhatrian, Ktr. Jaimal Singh as mentioned in the sale deed No. 3659/1 dated 10-9-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1980

Ref. No. ASR/80-81/145.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One house in Ktr. Charat Singh situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Goverdhan Dass 8/0 Sh. Roshan Lal 1/0 Ktr. Charat Singh House No. 2523/10, Amritsar.

Transferor)

(2) Sint. Kamla wati w/o Sh. Sat Pal r/o Bazar Guiu Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at St. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 2523/10 & No. 1656/10 situated in Katra Charat Singh, as mentioned in the sale deed No. 2938/I dated 15-1-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-9-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMP TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th September 1980

Rcf. No. ASR/80-81/146.---Whereas, I, AN AND SUVGH IRS

bying the Competent Authority under Section 269B of the In onte-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One House in Nawan Kot Amritsar situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amrifical on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

- (1) Sh. Thakur Singh s/o S. Mehar Singh H. No. 5829/ 16-20 backside Gali No. 11, Nawan Kot, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Surinder Kumar s/o Sh. Lekh Raj Mahajan Gali No. 18, Nawan Kot, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2, and tenant(s) if any.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dilined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House on plot No. 369C/13 (Area 60 sq. metrs.) situated in Gali No. 11, backside Nawan Kot, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2882/I dated 11-1-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquiistion Range, Amritsar.

Date: 9-9-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. PTA/425/79-80—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop Nos. 3411 and 3412 situated at Chowk Kaseran, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patiala in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Jagdish Kumai S/o Shii Lakshman Dass, R/o Chowk Kaseran, Patiala

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar s/o Shri Ki han Chand and Shri Ramesh Kumar s/o Shri Gota Lal. Chowk Kasetan, Patiala.

(Transferec)

(3) (1) M/s Banarsi Dass and Sons and (2) Shri Nathu Ram R/o Shop No. 3411-12, Chowk Kaseran, Patiala (Person in occuppation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 34-11-12, Chowk Kaseran, Patiala, (The property as mentioned in the sale deed No. 6.)75 of March, 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Inditional

Dated: 11-9-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 11th September 1980

Ref No CHD/411/79-80 —Whereas, I, SUKHDHV CHAND,

Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Luchiana

being the Compotent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1730 situated at Sector 33D, Chandigarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigath in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Major S. C. Anand s/o Dr K C Anand through his attorney 1 t Col Gurdey Singh s/o S. Narain Singh resident of House No. 1141, Sector 368, Chandigarh

('Iransferor)

(2) 1t Col Haisaian Singh s/o Shri Darshan Singh, resident of House No. 1556, Sector 34D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1730, Sector 33D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed. No. 2139 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDDANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/403/79-80.—Whereas, I. SUKHDEV CHAND.

Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 96, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 3908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
29—296G1/80.

(1) Shri Shankar Ram 9/0 Shri Ram Kishan resident of WZ-II-A, Lajwanti Garden, New Delhi-46 through his atorney Shri Ashek Kumar s/0 Shri J. B. Bhalla, r/0 House N. 1162, Sector 18C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Rani Singla w/o Shri Om Parkash Singla r/o House No. 3274, Sector 19D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal lbave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 96. Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2111 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge, I udhiana

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/400/79-80,---Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1685, situated at Sector 33D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Capt. Brij Triptinder Singh 5/0 Shri Pritam Singh, 6, Kaushak Road, New Delhi through his attorney S. Sadhu Singh s/0 S. Kartar Singh, S. CF No. 12, Section 17C, Chandigarh through his attorney S. Balwinder Singh s/0 S. Balwant Singh r/0 SCF No. 72, Sector 17C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Harjinder Kaur w/o S. Lal Singh, 78 grange Park Road, Leyton, London E-10, through her general power of attorney S. Piara Singh s/o S. Kartar Singh, House No. 1070, Sec. 21B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within e period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1685, Sector 33D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2084 off January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING.

LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/436/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 154 situated at Sector 33A, Chandigarh

and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income.tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Maj. Vijay Kochhar s/o Shri V. P. Kochhar, HQ CEME XV Corps C/o 56 APO through his special attorney Satwant Kaur w/o Shri Daya Singh, r/o 2520, Sector 22C, Chandigarh.

(Transferce)

(2) Shri Daya Singh s/o Shri Fauja Singh, R/o 2520, Sector 22C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 154, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2214 of Feburary 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/409/79-80.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND,

Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 1237, situated at Sector 34C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Ravi Kumar of 10BHIAR C/o 99 APO through his attorney Shri S. D. Talwar son of Shri Boora Mal Talwar R/o House No. 2154, Sector 27C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chander Handa s/o Shri Guru Dass Handa, r/o House No. 3740, Sector 22D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1237, Sector 34C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2131 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING,

LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/426/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 64, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Jagdish Chand Sharma C/o Records, JAK-IL, Haft Chinar, Srinagar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Singh and Smt. Mohinder Kaur, 1264, Sector 21B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 64, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2174 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE QF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/405/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 1393 situated at Sector 33C, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigath in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Col. Partap Singh Sandhu s/o Shri Bhan Singh Sandhu through her attorney Smt. Satwant Rani, Sandhu w/o Shri (Ltd. Col.) Partap Singh Sandhu, R/o C-3/61, Janakpuri, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Bhagat Singh s/o Shri Mehtab Singh resident of 124, Punjabi Bagh, Patiala.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1393 at Sector 33C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2126 of January, 1980 of the registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING.
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/401/79-80 —Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No 1872, Sector 34D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proteedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Daljit Singh Kahlon s/o S Amar Singh, 129, A. D Regt. C/o 56 APO

(Transferor)

(2) Mis. Suijit Kaur w/o Shri Avtai Singh Rattan, Resident of Village Mullanpui (Ludhiana).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1872, Sec. 34D, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 2085 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/418/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1642, situated at Sector 34D, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Shamshei Singh Chopra s/o Shii Gian Singh Chopra, R/o House No. 2463/2, Opp. Sohan Lal Girls High School, Ambala.

(Transferor)

(2) Shij Mohinder Singh Bhalla s/o Shij Avtar Singh Bhalla, r/o House No. 147, Sector 18A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No 1642, Sector 34D, Chandigarh. (The peroperty as mentioned in the sale deel No. 2161 of January, 1980 of the Registering Authority Chandigath).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CEN RAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/419/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 share in Plot No. 1519, situated at Sector 34D, Chardigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

30-296GT/80

 Major S. C. Mohinder through attorney S. Jagat Singh 1/0 N. K. 129, Mohalla Charanjit Pura, Jullundur City.

(Transferor)

(2) Mts. Krishana Khanna, 148, Sector 35A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in Plot No. 1519. Sector 34D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2162 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I udhiana

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/420/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in Plot No 1519, situated at Section 34D, Chandigarh,

(and more fully described in the S hedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major S. C. Mohinder through attorney S. Jaga* Singh r/o N. K. 129, Moballa Charanjit Pura, Jullundur City.

(T) ansferor)

(2) Mrs. Kushana Khanna, 148, Sector 35A, Chandigath

(Transieree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a peard of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share in Plot No. 1519, Sector 34D, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 2162 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

Scal:

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Rcf. No. CHD/423, 79-80.—Where is, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 1574, situated at section 36D Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Major Surinder Kumar Sanan, House No 93K, Sarabha Nagar, Ludhiana (Punjab)

 (Transferor)
- (2) Shri Sohan Lal Aggarwal, House No. 448, Sector 35A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 1574, Sector 36D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2170 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

Seal

FORM NO ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX. ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE CENTRAL
REVENUE BUILDING, LUDHIANA
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref No CHD/414/79 80—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No Plot No 2512, situated at Sector 35C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigath in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the aid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other issets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following prisons, namely:—

(1) Shri (Maj Gen) Dalbii Singh 5/0 Shii Hukam Singh, V & PO Kallerheii Distt Ambala

(Transferor)

(2) Shii Gurdial Singh Brai s/o Shii Jiwan Singh Brai, 160, Sector 11/A, Chandigarh (Transfere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the indersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 2512 Sector 35C, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No 2151 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigath)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Pange, Ludhana

Dated 11-9-1980 Seal FORM ITNS - --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUF BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th Seitember 1980

Rel. No RAI/150/79-80 — Whereas, I SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Property No 37 situated at Industrial Estate, Rajpura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Papura in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parmit Singh Bedi 3/0 Shri Baba Harkishan Singh Bedi R/0 Bedi Bhawan, Bhupindra Nagar, Patiala presently at 3, Exchange Road, Srinagar, (1 & K)

(Transferor)

(2) M/s Tin Box Company, Rajpura, Regd Office at B-68, Mayapuri, Rewaii Line, Phase-I, New Delhi through Shri Amiish Kumar Mehra, Managing Partnei.

(Transferee)

(3) M/s Bharat Comerce and Industry Ltd, Industrial Estate, Raipura.

(Person in occuppation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 cays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No 37, Indl Estate, Rajpura. (The property as mentioned in the sale deed No. 3219 of J. nuary, 1980 of the Registering Authority, Rajpura).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana)

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref No CHD/416/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (herein ifter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/-

and bearing

No Residential Plot No 1929 situated it 8 ctoi 34D Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest d property in I I have reason to believe that the fair market value of the property as itoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

28---276GI/80

(1) Smt Koshalya Devi w/o late Shri Gobind Lal Madan, House No 107, Sector 35A, Chandigarh through her attorney Shri Varinder Mohan s/o Shri Chuhar Mal R/o House No 3416 Sec 29D, Chandigarh

(liansfero)

(2) Shri Kewal Krishan Kainth s/o Shri Hazari Lal Kainth r/o House No 3416, Sector 29D, Chandigarh through his special power of attorney Shri Chuhai Mal s/o Shri Ganesha Ram House No 1215 Sector 22D Chandigarh

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ga_ette

FXPIANATION —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Residential Plot No 1929 Sec 34D, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No 2155 of January 80 of the Registering Authority Chandigath)

SUKHDEV CHAND
Computent Authority
Inspecting Assist int Commissioner of Income tax
Acquisition Range I udhiana

Dated 11 9 1990 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSI'I COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhi ina, the 11th September 1980

Ref No CHD/399/79-80—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorre-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), thave reason to believe that the immovable property, having a fur market value exceeding Rs 25,000/- and b-aring No Resident al House No 3394 situated at Sector 35D Chandigaih

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigath in January 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer & agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '—

(1) Shii Jagmohan Singh Gills s/o Shri Harshan Singh Gill R/o Village and Post Office Bagha Purana, Distt Faridkot

(Transferor)

- (2) Shii Avtu Krishan s/o Shii Bal Krishan and Smt Krishna Kumari w/o Shii Avtai Krishna, Shii Anil Kumar s/o Shii Avtai Krishna, Rs/o House No 3394, Sci 35D, Chandigarh (Transferce)
- (3) Shri Subhash Chander R/o House No 3394, See 35D, Chandigarh (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDUIF

House No 3394, Sector 35D, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No 2081 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigath

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated 11-9 1980 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

R/o Village Hawas, Tehsil and Distt. Ludhiana. (Transferor) (2) Shr. Buldey, Singh a (o. Shri, Mul. Singh

(2) Shri Baldev Singh s/o Shri Mal Singh, R/o Village Hawas, Tehsil Ludhiana.

(1) Smt Harbans Kaur D/o Shri Mal Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980

Rcf No. TDH/R/192/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land metasuring 35 kanals 6 marlas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35 kanals 6 marlas at Village Hawas, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6093 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

 Smt. Baldev Kaur D/o Shri Mal Singh, R/o Village Hawas, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Gurdev Singh s/o Shri Mal Singh, R/o Village Hawas, Tehsil Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. LDH/R/200/79-80,—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land land measuring 35 kanals 6 marlas situated at Village Hawas, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—31—296GI/80

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35 kanals 6 marlas at Village Hawas, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6179 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980 Ref. No. LDH/R/213/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 32 kanals situated at Village Hawas, Tehsil Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jarnail Singh s/o Shri Kabal Singh, R(o Village Hawas, Tehsil Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Singh s/o Shri Mal Singh, R/o Village Hawas, Tehsil I udhiana

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 kanals at Village Hawas, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 6345 of January 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. DBS/84/79-80.—Whereas, J, SUKHDEV

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 8 kanals situated at Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dera Bassi in January, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Joginder Singh s/o Shri Narinder Singh, R/o Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Saminder Kaur W/o Shri Inderjit Singh, R/o Tarf Saidan, Ludhina now at House No. 1534, Sector 34D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesteld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals at Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 980 January, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. DBS/85/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 8 kanals situated at Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dera Bassi in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Narinder Singh, R/o Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi. (Transferor)

(2) Brig. Inderjit Singh s/o Shri Hazara Sinh, R/o Tarf Saidan, Ludhiana now at House No. 1534, Sector 34D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals at Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 981 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. DBS/86/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 8 kanals situated at Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Sasi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surinder Singh S/o Shri Narinder Singh R/o Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi, (Transferor)
- (2) Shri Jiwat Inder Singh s/o Brig. Inder it Singh, R/o Tarf Saidan, Ludhiana now at House No. 1534, Sector 34D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals at Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 982 of January, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref No DBS/87/79 80—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Land measuring 8 kanals situated at Village Lohgarh, S. Tehsil Deia Bassi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dera Bassi in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Surinder Singh s/o Shri Narinder Singh R/o Village Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi, (Transferor)
- (2) Shii Navinder Jit Singh s/o Brig. Inder Jit Singh, R/o Tarf Saidan, Ludhiana now at House No. 1534, Sector 34D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals at Village Lohgarh, S Tehsil Dera Bassı.

(The property as mentioned in the sale deed No 983 of January, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11 9-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. DBS/83/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair 'market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. Agricultural land measuring 24 bighas 16 biswas situated at Village Nagla, S. Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dera Bassi in January 1980,

for an apparent con ideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Chali Ram s/o Shri Bulla s/o Shri Chhanga, R/o Nasimbly Tehsil Rajpura Khewatdar Nagla, S. Tehsil Dera Bassi.
- (2) S/Shi Raj Pal & Om Bir Sons of Shri Abhey Singh S/o Shri Surjan Singh, R/o Village Nagla, S. Tehsil Dora Bassi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 bighas 16 biswas at Village Nagla, S. Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 974 of January, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

R/o Village Jharon Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Smt. Jarnail Kaur D/o Shri Sajjan Singh, R/o Shahpur Kalan, Distt. Sangrur.

(1) Shri Chattar Singh s/o Shri Jang Singh,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. LNG/1/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 3-71-30 Hectors situated at Village Shahpur Kalan, Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Longowal in January 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3-71-30 Hectors at Village Shahpur Kalan, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 45 of January, 1980 of the Registering Authority at Longowal).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. 1 NG/2/79-80.—Whereas, I. SUKHDFV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fan market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1.99.82 Hectors,

situated at Village Shahpui Kalan, Distt Sangiur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office)

at Longowal in January 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Pability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32--296GI/80

- (1) Shri Roshan Khan s/o Shri Ismail Khan, R/o Village Mander Kalan, Distt. Sangrur. (Transferor)
- (2) Smt. Bakhshish Kaur w o Late Shri Sajjan Singh, R/o Shahpur Kalan, Distt. Sangrur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 1 99.82 Hectors at Village Shahpur Kalan, Distt Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 46 of January, 1980 of the Registering Authority at Longowal).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

Scal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. LNG/3/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land measuring 2.71.64 Hectors

situated at Village Shahpur Kalan, Distt. Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Longowal in January 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurdev Singh s/o Shri Kırpal Singh, R/o Village Jharon Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Smt. Hamir Kaur w'o Shri Surjit Singh, R/o Shahpur Kalan, Distt. Sangrur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 2.71.64 Hectors at Village Shahpur Kalan, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 47 of January, 1980 of the Registering Authority at Longowal).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

(1) Shii Dalip Singh s/o Shri Pali Singh, R/o Jharon Distt Sangrur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hamit Kaur w/o Shit Suijit Singh & Smt Bakhshish Kaur W/o Late Shri Sajjan Singh, R/o Shahpur Kalan, Distt. Sungrur.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1980

Ref. No ING/4/79-80—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 2.76.61 Hectors

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer situated at Village Shahpur Kalan, Distt. Sangrur,

at Longowal in January 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.71.61 Hectors at Shahpur Kalan, Distt. Sangrur

(The property as mentioned in the sale deed No. 48 of January, 1980 of the Registering Authority at Longowal).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1980

FORM ITNS----

(1) Shii Jagai Singh s/o Shii Rur Singh, R, o Jharon, Distt. Sangrur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. LNG/5/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3.91.05 Hectors

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Longowal in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Shii Mukhtiar Singh s/o Shii Natha Singh, V. Mandei Kalan, Distt, Sangiur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3.91,05 Hectors at Shahpur Kalan. Distt. Sangtur,

(The property as mentioned in the sale deed No. 49 of January, 1980 of the Registering Authority at Longowal).

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. PTR/53/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half share in Shop No. 1, situated at Anaj Mandi, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patran in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pritam Singh s/o Shri Karam Singh, S/o Shri Kishan Singh, C/o M/s Chabra Tent House, Karnal (Haryana). (Transferor)
- S/Shri Madan Lal & Sat Pal Ss/ Shri Devi Ram,
 Anaz Mandi,
 R/O Patran, Distt. Patrala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in Shop No. J. Anaj Mandi, Patran (Distt. Patrala).

(The property as mentioned in the sale deed No. 1772 of January, 1980 of the Registering Authority, Patran).

SUKHDLY CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENΓ OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHLANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref No. P1R/52/79 80 --- Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Halt share in Shop No. 1, situated at Anaj Mandi, Distt Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at at Patran in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transler with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- (1) Shii Piitam Singh s/o Shii Karam Singh, S/o Shii Kishan Singh, C/o M/s Chabia lent House, Kainal (Haryana). (Tiansferor)
- (2) S/Shri Lachman Dass & Rameshwar Lal Ss/o Shii Devi Ram, R/o Patran, Distt. Patiala 1, Anaz Mandi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Half share in Shop No 1, Anaj Mandi, Patran (Distt. Patiala)

(The property as mentioned in the sale deed No. 1768 of January, 1980 of the Registering Authority, Patran)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date . 11 9-1980

Seal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhinna, the 11th September 1980

Ref. No. LDH/553/79-80.—Whereas, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House Property No. B-VI-395 (Old)/B-IX-259 (New) situated at Kucha Karta Ram, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at I udhiana in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) Shri Jagdish Nath S o Shr Kiidar Nath, R/o 129, Green Park, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Dev Raj, Patvech Kumar, Sunil Kumar Ss/o Shri Ram Sorup, R/o 259, Kucha Katta Ram, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House No. B-IX-259, Kucha Karta Ram, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 4765 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11 Sep. 1980

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVINUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/427,79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot 1573,

situated at Sector 33D, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1980

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lt. Col. Anii Kumai Mullick, 1307, FfF (GREF) C/o 56 A.P.O.

(Transferor)

(2) Kanwai Natinder Singh S/o Kanwar Shamshei Singh & Mrs. Charan Natinder Singh W/o Shri Natinder Singh House No. 18. Sector 3, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1573, Sector 33D, Chandigath (The property as mentioned in the sale deed No. 2175 of January, 1980 of the Registering Authority. Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11 Sep. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiann, the 11th September 1980

LDH/564/79-90.—Whereas I, SUKHDEV No. CHAND Inspecting Asciptant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 61-R (Municipal No. B-XVIII-996)

situated at Model Town, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1980

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

33-296/80

(1) Shri Dalip Singh S/o Shri Ghomanda Singh, 308, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash S/o Shri Dinda Ram & Smt. Santosh Sharma W/o Ved Parkash, R/o 61-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 61-R, (MC. No. B-XVIII-996), Model Town I udhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4899 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Indhiana

Date: 11 Sep. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOMPTAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/422/79-80.—Whereas J, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 1 udhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 1682, situated at Sector 34D, Chandigarh and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of (1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Singh Chadha S/o Shri Budh Singh Chadha R/o 21/46, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tarun Bir Singh Chadha S/o Shri Raghbir Singh Chadha & Smt. Mohinder Kaur Chadha W/o Shri Tarun Bir Singh Chadha through Shri Tarun Bir Singh Chadha, Manager, Punjab & Sind Bank Ltd. Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1682, Sec., 34D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2167 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11 Sep. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. SRD/155 79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 8 bighas 15 biswas situated at Village Ajnali, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sithind in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Inder Singh S/o Shri Harnam Singh S/o Shri Diwan Singh Village Ajnali, Teh. Sirhind. P.O. Gobindgarh.

(Transferor)

(2) Shri Jagir Singh S/o Shri Jaimal Singh & Shri Mohinder Singh S/o Shri Jagir Singh & Shri Rajinder Singh S/o Shri Jagir Singh, Residents of Village Talwara, Teh. Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bighas 15 biswas at Village Ajnali, Tch. Sithind.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3273 of January, 1980 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11 Sep. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Rcf. No. LDH/554/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-XIX-151, situated at Seth Sohan Lal Lane, Sheep Shank Road, Civil Lines, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surakshat Kumar I hrough Shri Harikrishan Mittal R/o B-I-151, Sheep Shank Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferoi)

(2) Shri Suresh Kumar S/o Shri Mangat Rai C/o 18C, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereinrare as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 1B-XIX-151, Sheep Shank Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4769 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. CHD/431/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1258 situated at Sector 33C, Chandigath.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Chandigarh in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or revasion of the litbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ex-Sub. Kishan Singh S/o Shri Inder Singh House No. 1258, Sec. 33C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Inderjit Kaur W/o Shri Birinder Singh, House No. 1258, Sector 33, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1258, Sec. 33C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2143 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 11th September 1980

Rcf. No. CHD/417/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 2311

situated at Sector 22C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Chandigarh in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Mohan Davinder Singh Sodhi & Smt. Piabhjot Kaur R/o House No. 1122, Sector 36C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Kharaiti Lal Gambhir, Resident of House Np. 2210, Sector 22C, Chandigath.

(Transferee)

(3) Shri Kalipado Ghosh & Shri Khalil Ahmed Residents of House No. 2311, Sector 22C, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as viven in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2311, Sector 22C, Chandigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 2158 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1980

Ref. No. 1 DH/537/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acqisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House Property No. B-XXIII-629, situated at Textile Colony, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Batal S/o Shri Dawarka Nath Batal, 10, Wazir Bagh, Srinagar. (Transferor)

(2) S/Shri Ramesh Kumar, Sudershan Kumar, Satish Kumar and Smt. Urmila Jain, Residents of 431-1C, College Road, Ludhiana. (Transferee)

(3) M/s Sriyansh Knitters, B-XXIII-629, Textile Colony, Ludhiana. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XXIII-6239, Textile Colony, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4643 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

Ludhiana, the 15th September 1980

Ref. No. DBS/88/79-80.-Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 32 bighas situated at Village Nagala, S. Teh. Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhian Singh S/o Shri Baldev Singh S/o Shrl Hakam Singh, R/o Village Nagala, S. Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Brij Mohan, Kahan Singh, Raj Singh, Ram Singh, Karam Singh, Randeep Singh, Ranjit Singh, Randhir Singh, Balbir Singh Ss/o Shri Jaswant Singh Residents of Village Nagala, S. Teh. Dera Bassi. Distt, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 bighas at V. Nagala, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1007 of January, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

SUKHDEV CHANT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th September 1980

Ref. No. AMD/42/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 40 bighas 15 biswas at situated at Village Bapla, P.O. Manki, Distt. Sangrur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedgarh in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, naredy:—

34-296GI/80

S/o Shri Deva Singh,
R/o Village Bapla, P.O. Manki, S. Teh. Ahmedgarh,
Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) S/Shri Bagga Singh, Jagga Singh, Kewal Singh
Se/o Shri Jagir Singh

(2) S/Shii Bagga Singh, Jagga Singh, Kewal Singh, Ss/o Shri Jagir Singh, R/o Village Bapla, P O. Manki, Distt. Sangrur.

(1) Smt. Uttam Kaur W/o Shri Sucha Singh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 bighas 15 biswas at V. Bapla, Distt, Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 48 of January, 1980 of the Registering Authority Ahmedgarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 Sep. 1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th September 1980

Ref. No. LDH/539/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot measuring 505.5/9 sq. yds. situated at Mahal Bagat, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ludhiana in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puran Singh S/o Shri Gulab Singh and Shri Gurmel Singh S/o Shri Gulab Singh through Shrl Puran Singh S/o Shri Gulab Singh, Residents of Sangat Road, House No. 463, Civil Lines, Ludhlana.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Puri S/o Shri Sohan Lal S/o Shri Nikka Mal, R/o House No. B-II-244, Kucha Behari Lal, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 505.5/9 sq. yds at Mahal Bagat, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4695 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND Competent Authorith Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 Sep. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th September 1980

Ref. No. CHD/415/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 58 situated at Industrial Area, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1980

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ganga Singh S/o Shri Hira Singh & Shri Piara Singh S/o Shri Hakam Singh for himself and for his minor sons S/Shri Joginder Singh, Gurmail Singh and Miss Harminder Kaur, All residents of 115, Sec. 21A, Chandigarh.
 (Transferor)
- (2) Smt. Avinder Jit Kaur W/o Shri Gurbax Singh for himself and her minor sons namely Shri Raj Kanwar Singh and Ranbir Singh, Residents of House No. 12C, Bhupinder Nagar, Patials.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 58, Industrial Area, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 2154 of January, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 Sep. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th September 1980

Ref. No. KHN/98/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 10 kanals

situated at Khanna, Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kasturi Lal S/o Shri Ram Partap R/o Ward No. 12, House No. 4, Khanna Kalan, Distt. Ludhlana.

(ransferor)

(2) S/Shri Darshan Singh, Mohinder Singh, Kulwant Singh, Harbans Singh Ss/o Shri Amar Singh and Smt. Gurmel Kaur D\$o Shri Gurdial Singh R/o Ward No. 6, House No. 503, Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 kanals at Khanna (Distt. Ludhiana). (The property as mentioned in the sale deed No. 1310 of January, 1980 of the Registering Authority, Khanna.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 Sep. 1980

FORM NO. 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th September 1980

Ref. No. KNN/99/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 3 kanals 15 Marlas situated at Khanna, Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khanna in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaswant Singh S/o Shri Kartar Singh, House No. 500, Ward No. 12, Khanna.

(Transferor)

(2) S/Shri Rajiv Kumar, Parveen Kumar, Anil Kumar Ss/o Shri Jai Kishan Dass, Smt. Kamlesh Kumari W/o Shri Tarlochan Kumar & Shri Virinder Kumar S/o Shri Siam Lal C/o M/s. Amar Steel Industry, G.T. Road, Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kanals 15 Marlas at Khanna Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1790 of January 1980 of the Registering Authority, Khanna.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 Sep. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th September 1980

Ref. No. KNN/100/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 14 Kanals 4 Marlas

situated at Khanna Kalan, Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khanna in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

(1) S/Shri Dawarka Dass, Mukand Lal, Sat Pal, Mahinder Nath, Brij Bhushan Ss/o Shri Banarsi Dass & Smt. Sudesh Kumari, Saroj Kumari, Vijay Lakshmi De/o Shri Banarsi Dass and Smt. Savitri Devi Wd/o Shri Banarsi Dass R/o Chandla Market, Khanna Kalan, Distt. Ludhiana,

(Transferors)

(2) S/Shri Darshan Singh, Mohinder Singh, Kulwant Singh, Harpal Singh, Ss/o Shri Amar Singh & Smt. Gurmel Kaur D/o Shri Gurdial Singh R/o Ward No. 13, House No. 618, Mohallal Kotte Kiran, Khanna (Distt. Ludhiana)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 kanals 4 marlas at Khanna Kalan, Distt Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1798 of January, 1980 of the Registering Authority, Khanna).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th September 1980

Ref. No. KNN/101/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Land measuring 3 Kanals 11 marlas situated at Khanna, Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khanna in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Karam Singh & Shri Jaswant Singh &/o Shri Kartar Singh, Ward No. 14, House No. 501, Khanna, Distt, Ludhiana.

(Transferois)

(2) S/Sbri Ram Murti S/o Shri Kanwar Sain, Sudesh Kumari W/o Shri Krishan Kumar, Gulshan Lal S/o Shri Sewa Ram, Kharaiti Lal and Chuni Lal Residents of House No. 268, Ward No. 5, Khanna.

(Transferces)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 11 marlas at Khanna.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1814 of January, 1980 of the Registering Authority, Khanna.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETIAX

ACQUISITION RANGE, I UDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th September 1980

Ref. No. CHD/430/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

I odging-cum-Restaurant Site No. 1090-91,

situated at Sector 22B, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in January 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Taswinder Singh S/o Shri Shamsher Singh, Smt. Salwant Kaur W/o Shii Shamsher Singh, S/Shri Pritpal Singh, Kuldip Singh, Lajpat Singh Minoi sons of Shri Pohla Singh, Jaswinder Singh for self, & special attorney of Smt. Salwant Kaur, Pritpal Singh, Kuldip Singh, All residents of V. Kilyanwali, Teh Fazilka.

 (Transferors)
- (2) Shri Vam Dev Sharda S/o Late Sh. Ram Rakha Mal, Smt. Veena Sharda W/o Shri Vain Dev Sharda, Shri Subhash Chand Sharda S/o Shri Ram Rakha Mal and Mrs. Tara Sharma W/o S C. Sharma, Through Shri Vam Dev Sharda, residents of House No. 1263, Sector 22B, Chandigarh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceoid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lodging-cum-Restaurant Site No. 1090-91, Sector 22B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2184 of January, 1980 of the Registering Authority Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd September 1980

Ref. No. PTA/405/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 16 kanals situated at Ihill, Paliala (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in January, 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely --- 35—296GI/80

 Shri Darbara Singh S/o Shri Narain Singh through his attorney Shii Narinder Singh S/o Shri Darbara Singh, resident of 58A, Saiabha Nagar, Ludhiana.

(Transferors)

(2) S/Shri Varinder Singh, Ravinder Singh, Mahinder Singh, Narinder Singh Ss/o Shri Hardial Singh and Shri Hardial Singh S/o Shri Partap Singh, residents of Jhill, Patiala.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 Kanals at Jhill, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5310 of January, 1980 of the Registering Authority, Patiala.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd September 1980

Ref. No. PTA/460/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 35 Kanals 14 Marlas (22020 sq. yds. situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harbhajan Singh S/o Shri Waryam Singh, R/o Kothi No. 30, Sector 2, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Sham Lal S/o Shri Jamna Dass, R/o Patiala. Raghbir Chand S/o Shri Bant Ram, R/o Patiala. Achhar Lel S/o Shri Moti Ram, R/o Chandigarh. Achhra Rani W/o Shri Lal Chand, R/o Patran. Jai Gopal S/o Shri Hari Ram, R/o Patran. Gian Chand S/o Shri Harbans Lal, R/o Patiala. Kamlesh W/o Shri Megh Raj, R/o Patran. Lachhman Dass S/o Shri Walaiti Ram, R/o Patran. Tarsem Chand S/o Shri Walaiti Ram, R/o Patran. Ram Sarup S/o Shri Basanta Mal, R/o Sangrur. Sheel Devi W/o Shri Jagdish Rai, R/o Jind. Ram Piarl W/o Shri Sampuran Chand, R/o Patran. Banarsi Dass S/o Shri Sant Ram, R/o Beepur. Raj Kumar S/o Shri Madan Lal, R/o Patran. Parkash Chand S/o Shri Sadhu Ram, R/o Kanalour. Puran Chand S/o Shri Sadhu Ram. Inder Sain S/o Shri Sadhu Ram, R /o Patiala. Smt. Savitri Devi W/o Shri Madan Lal. R /o Patran.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36 kanals 14 marlas (22020 sq. yds.) Triparl Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5342 of January, 1980 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22 Sep. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd September 1980

Ref No. LDH/536/79-80.—Whereas, I,

SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot of land measuring 500 sq. yds.

situated at Green Field, Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ludhiana in January, 1980

for an apparent consideration winch is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Tarlochan Singh and Shri Parduman Singh Se/o Shri Darshan Singh, 289R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Lakhbir Kaur W/o Shri Amrık Singh, Green Field, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 500 sq. yards at Green Field, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4639 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22 Sep 1980

 Shri Jaspal S/o Shri Piare Ial, R/o Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Somal Rani W/o Shri Sham Sunder & Smt. Kamlesh Goyal W/o Shri Gopal Dass, Residents of Ward No. 5, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 22nd September 1980

Ref. No. AML/135/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House property situated at Ward No. 5, (Kukar Majra) Gobindgarh, S. Teh. Amloh (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed-the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'sald Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Ward No. 56 Kakar Nagar, Mandi Gobindgarh (Distt. Patiala).

(The property as mentioned in the sale deed No. 1811 of January, 1980 of the Registering Authority, Amloh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22 Sep. 1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 30th July 1980

Ref. No. RAC. No. 194/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19/B situated at Amecrpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on Jan-1980

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kanta Laxmi Ratilal Trivedi, W/o late Sri Ratilal Mohanlal Trivedi, H. No. 69-Jeera, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Narla Bala Krishna Kumari W/o Sri N. Aruna Kumar, House No. 6-3-900/5, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece and parcel of vacant land bearing No. 19/B forming part of plot No. 19 admeasuring 625 Sq. Yds. situated at Amecrpet, Hyderabad, registered vide Document No. 162/80 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad,

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 30-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 30th July 1980

Dof No DAC No 105/8081 Whoreas I

Rcf. No. RAC. No. 195/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10-5-4/1/B situated at Masab Tank Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Jan-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discrosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) 1. Sri Kusuma Subba Rao, 24-94, Gandhinagar Warnaparthy, Mahaboobnagar, Distt.
 - Sri B. Rangaswamy, S/o B. Hanamaiah H. No. 24-94 Gandhinagar, Wanaparthy, Mahaboobnagar-Dist.

(Transferor)

(2) Sri Syed Hussain Shakeel, S/o Syed Mohd, Iqbal, H. No. 19-1-870/4/A Bahadurpura, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1000 Sq. Yds, out of survey No. 128 bearing M. No. 10-5-4/1/B situated at Masab Tank, Mallepally, Hyderabad, Registered vide Doc. No. 452/80 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 30-7-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th August 1980

Ref. No. RAC No. 238/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-4-760 situated at Sultanbazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mojamjahi Market in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Akther Hussain S/o Late Dr. Kursheed Hussain G.P.A. of Mr. Siraj Hussain S/o Late Dr. Kursheed Hussain 11-5-329 Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sardar Gurbachan Singh S/o Sardar Ram Singh 4-4-224 Inderbagh, Sultanbazar, Hyderabad-500001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House bearing Municipal No. 4-4-760 Known as SIRAJ GHAR measuring 70 sq. yards equivalent to 58.52 sq. meters situated at Gujarati Galli, Sultan Bazar, Hyderabad registered with Joint Sub-Registrar, Mojamjahi Market Hyderabad vide Document No. 234/Jan 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th August 1980

Ref. No. 239/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-4-801 situated at Sultan Bazar Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mojamjahi Market on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Meherunnisa W/o Mr Aftab Hussain 11-5-339 Red Hills, Hyderabad.
- (2) Smt. Dusa Laxmi Bai W/o Dusa Narsimloo 3-5-557 Vithal wadi, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House bearing Municipal No. 4-4-801 known as AFTAB GHAR measuring 70 sq. yards equivalent to 58.52 sq meters situated at Sultan Bazar, Gujarati galli, Hyderabad Registered with Joint Sub-Registrar Mojamjahi Market, Hyderabad vide Document No. 233/Jan 80.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-8-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th August 1980

Ref. No. RAC. No. 240/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 57 situated at Karmanghat village Hyderabad-east (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—296GI/80

 Vanga Bikshapathy Redy, Vanga Suryaprakash Reddy, Karmanghat Village, Hyderabad East, Rangareddy District.

(Transferor)

(2) The Weaker Section Christian Co-operative Housing Society Ltd., No. SRT/77 Risala Kursheed Jahir, Musheerabad, Hyedrabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 10 acres equivalent to 4.04 Hectares situated in Survey No. 57 at Karmanghat village, Hyderabad Fast Taq. Hyderabad/Rangareddy district registered vide Document No. 170/Jan 80 with Sub Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

Hyderabad the 27th August 1980

Ref No 241/80-81 -- Wehreas, I, S GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 5 No 57 situated at Karmanghar Village Hyderahad-east (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabed on January 80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as faoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Inlian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

- (1) Vanga Bikashapathi Reddy and Vanga Suiya Piakash Reddy R/o Karmanghat village, Hyderabad east taluk, Rangareddy Dt
 - (Transferor)
- (2) The Weaker Section Christian Co operative Housing Society 1 td., SR1/77 Risala. Kursheed Jahi, Muchcerabad, Hyderabad (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THI SCHEDULE

Agricultural land of measuring 9 acres 15 guntas equivalent to 3,789 Hectars situated in Survey No 57 at Karmanshat village Hyderabad taluk Rangareddy District Registered vide Document No 375/Jan 80 with 5ub Registrar Hyderabad

> S GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderahad

Date : 27-8 1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDFRABAD

Hyderabad, the 28th August 1980

Ref No RAC No 242 80-81.-Whereas, I, S GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter 1cferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

15-1-436/2 situated at Feel Khana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on Jan '80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Smt C Susecla, W/o Satyanarayana, 15-8 487, Feel Khana Hyderabad 2. Dr. V. R. Sarojini, D/o late V. R. Raghava Sastry, Malkpet, Hyderabad

V R Ganesh Kumai, 5,0 Late V R Raghava Sastry,

Feel Khana, Hyderabad, and V R Suresh Kumar, 5/0 Late V. R Raghya Sastry, Feel Khana, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Katkam Hanumantha Ros, S, o Late Sangaiah, Door No. 15-8-79, Feelkhana, Hyderabad

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the uate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M No 15-1-436/2, I'vel Khana, Hyderabad area 213 Sq yards registered during the month January, 1980 vide document No 77 before the SRO, Doodhbowli.

> S. GOVINDARAIAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 28-8-1980

Form ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADESH,

HYDERABAD

Hyderabud, the 28th August 1980

Ref No. RAC. No. 243/80-81.—Wherea, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-2-412 10 situated at Gaganmahal Co-operative Development Society, Domalguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on Jan 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Padmakar Yeshwant Godbole "Yash Kamal" 1-2-412/10 Gaganmahal Co-operative Development Society, Domalguda, Hyderabad-29.

(Transferor)

 Kumari Smita Suryakant Maru, D/o Sri Suryakant D. Maru, 3-4-376/28, Lingampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-2-412/10 in Gaganmahal Co-operative Development Society, Domalguda, Hyderabad (about 1007 sq. yards) registered before the SRO, Hyderabad vide document No. 736/80 during the month of January, 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Andhra Pradesh, Hyderabad

Date: 28-8-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONLR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabed, the 28th August 1980

Ref. No. RAC. No. 244/80-81.—Whereas, I, S GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 5-8-512 to 517 situated at Chiragali Lane Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on Jan, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of anv income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

J Smt G. Uma Devi, W/o G. Gurunath Rao, 3-C.I.D. Quarters, Sarlabad, Hyderabad.

(Transleror)

2 Smt. Chandrakala Goel & 2 others, (Smt. Sita Goel and Mr. Mahendra Kumar Goel), W/o Ramkumar Goel, H. No. D-303, Matrusri Apartments, Hyder-mide Hydershod guda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No. 5-8-512 to 517 (3rd Floor), Chiragali Lane Hyderabad was registered during the month of January, 1980 before the SRO, Hyderabad vide document No. 33/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Andhra Pradesh, Hyderabad

Date: 28-8-80.

FORM ITNS ------

1 Mr Om Piakash Khuijana, S/o Mcgh Raj Khuijana 3-4-874/1, Barkatpura, Hyderabad

(Transferor) Ranjit Singh

(Transferce)

NOTICE UNDER SICTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADFSH, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th August 1980

Ret No RAC No 245/80 81—Whereas, I, S GOVINDARAIAN,

being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herem after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/4 and bearing

No 5 9 29/40 situated at Bashirbagh, Hyderabad and mere fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforested property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following permanely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Chhabra, 3-3 820, Kutbiguda, Hyderabad

2 Mrs Guriet Chhabia, Wo Sii S

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot No 1 and Portion of Plot No 2 total admensuring \$40.11 Sq. Yards (M. No 5.9.29/40/1) situated at Bishir bagh. Hyderabad was registered during the month of January 1980 vide document. No. 393/80 with SRO Hyderabad.

S GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissionet of Income-Tax
Acquisition Range, Andhra Pradesh, Hyderabad

Date · 28-8-80, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th August 1980

Ref. No. RAC. No. 246/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 5-9-13, situated at 'CRAIGMORE' Saifabad, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on January, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Mr. K. R. Coorlawala, S/o Rustom Coorlawala, 17/A Mount Pleasant Road, Malbar Hills, Bombay-6, (2) Smt. Roshan R. Coorlawala, W/o Rustom Coorlawala 205, Tarbund, Secunderabad, (3) Smt. Fancy Dinyar Cardmaster, W/o Dinyar Gardmaster, 3-6-327, Hyderguda, Hyderabad, (4) Smt. Feroza Altad Chenoy W/o Artad Chenoy, 206, Tarbund, Secundrabad, (5) Shireen Firoze Tarapre, W/o Firoze Tarapre, 5, Beldith Take, Jamshedpur-831001, Bihar, (6) Mchar Soli Cardmaster, W/o Soli Cardmaster, 205 Tarbund, Secunderabad.

(Transferor)

 M/s, Swatik Associates, Tara Mandal, 5-9-13, Saifabad, Hyderabad-500004.

(Frankferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immusable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing No. 5-9-13, Known as Craigmore, Saifabad Hyderabad was registered before the SPO Hyderabad vide document No. 259/80 during the month of January, 1980.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Andhra Pradesh Hydarabal

Date: 28-8-80,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 28th August 1980

Ref. No. 247/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-6-760, situated at 13th Street, Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. R. Tirupathamma, W o R. Narayana Goud, R/o Kotha, 2. Rachala Baliaj Goud, S/o R. Narayana Goud, R/o Kotha Kota Village, Wanaparty Taluk, Mahaboobnagar Dt., 3. Rachala Sayanna Goud, S o R. Narayana Goud R/o Kotha Kota Village, Wanaparthy Taluk, Mahboobnagar Dt. (Transferor)
- (2) 1. Allineni Surender Rao, S/o A. Laxmi Narayanatao, Mothe Village, Jagtial Tq., Karimnagar Dt., 2. Chennemaneni Hati Prasad Rao, S/o C. Muralidhararao, R/o Mannegudem Village, Metpalli Tq., Karimnagar Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of building 3-6-760, 13th Street, Himayatnagar, Hyderabad was registered during the month of January, 1980 before the S.R.O. Hyderabad vide document No. 746/80,

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax,
Acquistion Range, Hyderabad.

Date: 28-8-80,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st September 1980

Ref. No. RAC. No. 248/80-81 (J. Nos. 3537, 3541 & 3542).
—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10-3-310, 10-3-310/A/1 & 10-3-310/A/2 Masab Tank, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad on Jan. '80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) I. Sri G. V. Dharma Reddy, II. No. 8-2-350/5/A/1, Road No. 3 Banjara Hills, Hyderabad, 2. Smt. G. Andalu Devi, W/o Sri G. V. Dharma Reddy, H. No. 8-2-350/5/A/1, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad & 3. Sri G. V. Ghuish Reddy, S/o G. V. Dharma Reddy, H. No. 8-2-350/5/A/1 Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

1. Smt. N. Padmaja Devi W/o Sri N. Jaya Krishna,
 2. Smt. N. Madhavi Mani W/o Sri N. Sai, Krishna,
 3. Smt. N. Laxmi Kumari W/o Sri N. Harikrishna and
 4. Smt. N. Shanti W/o N. Mohana Krishna,
 All are residing at 4-1-427, Iribe Bazaar, Hydera-

(Transferec)

(3) M/s. Bharath Dynamics Limited, Hyderabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with Superstructures M. No. 10-3-310, 10-3-310/A/1 and 10-3-310/A/2 together with rooms, sheds, water tank room electrical, sanitary and other fittings, fixtures, reservoir, electric motor, pump set and pipe fittings etc. having a total extent of 1370 sq. meters, 4176 sq. meters and 1370 sq. meters, Masab tank, Hyderabad. The above property have been registered before the SRO, Khairtabad vide document nos. 109/80, 108/80 and 110/80 during month of January, 1980.

S. GOVINDARAJAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderaba

Date: 1-9-80.

Seal:

37--296GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st September 1980 Ref. No. RAC. No. 249/80-81.—Whereas, I S. GOVIN-DARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 7 situated at Open Plot at Valmikinagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afoiresaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Ray L. N. Pragada, C/o Shanker Sethu Madhava Rao, Park Road, Krishnanagar, Guntur.

 (Transferor)
- (2) M/s. Raja Apartments, 15-5-258, Osman Shahi, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the send Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot at Valmikinagar at Gaganmahal Co-operative Society Ltd. bearing Plot No. 7 registered before the SRO, Hyderabad during the month of Jan. 1980 vide documents 719/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rango.
Andhra Pradesh, Hyderabad

Date: 1-9-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st September 1980

Ref. No. RAC, No. 250/80-81.—Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6-3-1132 situated at in Survey No. 280, Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri V. Narayan Reddy, S/o Late V. Ram Reddy, Advocate, Mahboobnagar, Mahboobnagar Dt. (Transferor)
- (2) Dr. C. Krishna Reddy S/o C. Manik Reddy, Medical Practitioner, Zaheerabad, Medak Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land surrounded by a compound Wall bearing Municipal No. 6-3-1132 in Survey No. 280 total admeasuring 1595 sq. mtrs. at Begumpet, Hyderabad registered during the month of Jan. 1980 before the SRO, Khairtabad. Document No. 4A/Jan 80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 1-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd September 1980

Ref. No. RAC No. 251/80-81.—Whereas, I S GOVIN-DARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-1132 situated at in Survey No. 280, Begunipet, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khairtabad on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri V. Nagayan Reddy, S/o Late V. Ram Reddy, Advocate, Mahboobnagar, Mahboobnagar Dt.

 (Transferor)
- (2) Sri G. Amarender Reddy, S/o G. Sudhakar Reddy, Agriculturist, Suryapet, Nalgonda Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land from Property bearing M. No. 6-3-1132 in Survey No. 280 situated at Begumpet, Hyderabad total area 799-68 Sq mts. registered before the SRO, Khairtabad during the month of January, 1980 vide document No. 43/80.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Andhra Pradesh, Hyderabad

Date!, 3-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th September 1980

Ref. No. RAC. No. 252/80-81.—Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

M. No. 159 situated at T.S. No. 82 Bldg & Site, TIRU-PATHL TOWN

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tirupathi on Jan. '80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Dr. Magavarapu Chendrasekara Rao, S/o Srinivasarao, Medical Practitioner, 281, New Street, TIRUPATHI.
 2. Smt. Magavarapu Kamalamma, W/o late Dr. M. Srinivasa Rao, 281, New Street, TIRUPATHI.
 3. Smt. G. Indiramma, W/o Gurubhagavathula Prasada Rao, 281, New Street, Tirupathi.
 4. Smt. M. Lalita W/o Modekurthi Venkat Rao, 281, New Street, TIRUPATHI.
 5. Smt. A. Vimala W/o Annavarapu J. Mohan, 281, New Street, TIRUPATHI and
 6. Smt. T. Neerajamma W/o Tadopalli Mohan at present residing at COCHIN (Kerala State) rep. by her mother Smt. M. Kamalamma (Agent No. 2). (Transferor)
- (2) Dr. Mungara Padmanabha Raju, S/o Mungara Vasudeva Raju, Now working as Medical Practitioner and residing at Bustan, IRAN (618/B, Bhavani Nagar, Tirupathi is being rep. by brother & G.P.A. holder Sri Janardhanaraju, 618, Bhavani Tirupathi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tirupathi Municipality—Tirupathi Town—Municipal New Door No. 159-T.S. No. 82, R.C.C. Building with Vacant Site registered with the SRO, Tirupathi during the month of January, 1980 vide document No. 244/80.

S. GOVINDARAIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range,
Andhra Pradesh Hyderabad

Date: 4-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st September 1980

Ref. No. RAC No. 1066.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Asst. No. 6071 situated at Jageeru-Machavaram of Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pedarla Subbarao, S/o Sri Seethayya, Mogalrajapuram, Vijayawada (AP).

(Transferor)

 Shri Cherukuri Mallikharjunarao, S/o Scetharamayya, Machavaram, Vijayawada, Krishna District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule of the property as per the registered document No. 397 of 1980, dated 30-1-80 registered before the Sub. Registrar, Vijayawada.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquistion Range. Andhra Pradesh, Hyderabad

Date: 8-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th September 1980

Ref. No. 253/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1936 situated at Ward No. 1, Block No. 7 Mahaboobnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mahaboobnagar on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Sri G. Yellaiah (2) Sri G. Balaiah (3) Sri G. Venkataiah all sons of Sri Nagaiah Kothacheruvu Road, Mahaboobnagar.

(Transferor)

(2) Sri G. Narayana S/o G. Mallaiah, Kotha Cheruvu Road, Mahaboobnagar (on behalf of Sri Laxmi Narayana Oil Mill, Mahaboobnagar).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land situated in Ward No. 1 Block No. 7 of Mahaboobnagar Survey No. 1036 admeasuring 1 Acre 11 guntas Registered vide Document No. 53/80 with Sub-Registrar, Mahaboobnagar.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range,
Andhra Pradesh, Hyderabad

Date: 8-9-1980.

(1) Sri B. Ashok Reddy, S/o Late Dr. B. Pulla Reddy, Tarbund, Secunderabad Cantonment.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Soujanya Co-operative Housing Society Ltd., TAB No. 233, 6-6-37/3, Kavadiguda, Secunderabad (By President—Sri M. V. Pandianath) (By Secretary—Sri S. Venkateshiya)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

Hyderabad, the 9th September 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Ref. No. RAC. No.254/80-81.—Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN,

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

> > that Chapter.

shall have the same meaning as given in

Survey No. 6 situated at Thokatta Village, Bownapally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land 1 acre (4840 sq. yards) in survey No. 8 and part of survey No. 6 at Thokatta Village, Bownapally Secunderabad Cantonment registered with the SRO, Secunderabad Cantonment regis rabad during the month of January 1980 vide Document No. 192 /80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquistion Range, Andhra Pradesh, Hyderabad

Date: 9-9-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th September 1980

Ref. No. 255/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 12 situated at Thokatta Village, Secunderabad Cantonment

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ~ 38—296GI|80

(1) Sri B. Ashok Reddy, S/o Late Dr. B. Pulla Reddy, Tarbund, Secunderabad Cantonment.

(Transferor)

(2) The Soujanya Co-operative Housing Society Ltd., TAB No. 233, 6-6-37/3, Kavadiguda, Secunderabad. (By President—Sri M. V. Pandarinath) (By Sccretary—Sri S. Venkateshiya).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sain property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 1 Acre in Survey No. 12 at Thokatta Village—Secunderabad Cantonment—Registered with the SRO, Secunderabad during the month of January 1980 vide Document No. 102/80.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Andhra Pradesh, Hyderabad.

Date: 9-9-80,

Scal:

 Sri Mangilal Mundada, S/o Sri Sitaram Mundada, Ashoknagar, Karimnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Bheemraj Mundada S/o Sri Kishan Mundada, Gandhi Road, Karimnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th September 1980

Ref. No. RAC. No. 256/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 59 situated at Subhasnagar Kastimaticar (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kastimanagar on January '80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land bearing survey no. 59-Subhasnagar admeasuring 38 guntas and 86 sq. yards, Karimnagar registered with the SRO, Karimnagar during the month of Jan. '80 vide document no. 239/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range.
Andhra Pradesh, Hyderabad.

Date: 10-9-80 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th September 1980

Ref. No. RAC No. 257/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-11-252/1 situated at Begumpeta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Jan. '80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s., Jabbar Real Estate, 54, Nallagutta, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri T. Ramakrishna, 3-6-671, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transfere'e)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19 (Ground floor) Premises No. 1-11-252/1. Begumpet, Hyderabad registered with the SRO, Secunderabad during the month of Jan. '80 vide document No. 100/80.

S. GOVINDARAJAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range.
Andhra Pradesh, Hyderahad

Date: 9-9-80.

NOTICE UNDE RSECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th September 1980

Ref. No. RAC. No. 258/80-81.—Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Door No. 3-6-163/1 situated at Hyderaguda, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Rifaquat Ali Siddiqui, S/o late Dr. Nusarat Ali Siddiqui, Reader in Botany, Nizam College, Hyderabad R/o 3-6-136/11/18, Hyderguda, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Mohd. Ahamadullah Siddiqui, S/o Mohd. Abdul Raheem Siddiqui, R/o "Ahamed Cottage" Musheerabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and land totally covering a land area of 247 sq. mtrs. or 326.24 sq. yards Door No. 3-6-163/1, Hyderaguda, Hyderabad registered with the SRO, Hyderabad during the month of Feb. '80 vide document no. 1622/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range,
Andhra Pradesh, Hyderabad.

Date: 10-9-80.

(1) Snit. Aboas Husain Begum, W/o Sri Mii Taqui Ali Khan R/o 3-6-261/1, Himayath Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(1) 1 Smt. Rafia Begum W/o Sri Syed Ali Abbas Rizvi, 2. Kum. Tabbasum Abbas D/o Sri Syed Ali Abbas Rizvi, 3. Kum. Tarannum Abbas D/o Sri Syed Ali Abbas Rizvi, 4. Kum Massarat D/o Sri Syed Ali Abbas Rizvi, 5. Kum Yusra Balool D/o Sri Syed Ali Abbas Rizvi, H No. 22-3-626/A2 (5/3RT), Zahianagar, near Mandi Mii Alam, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ANDHRA PRADFSH, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th September 1980

Ref. No RAC, No 259/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 16-7-387 to 16-7-391 situated at Azampura, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on Ian. '80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 16-7-387 to 10-7-391 admeasuring 1350.2 sq. meters or 1516 sq. yards situated at Azampura, Hyderabad registered with the SRO, Azampura during the month of Jan. '80 vide document no. 255/80

S. GOVINDARAJAN, Completent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Andhia Pradesh, Hydersbad

Date: 10-9-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ANDHRA PRADESH, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th September 1980

Ref. No. RAC. No. 260/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 7-1-39 situated at Ameerpeta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan. '80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, names:—

(1) Mohd. Moizuddin Hussain, S/o late Mohd. Khasimuddin Hussain, H. No. 10-3-311/1/A, Masab Tank, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Besto Tin Printers (7-1-39, Ameerpeta, Hyd-500016) Rep by 1, Rukmani Bai, W/o Bankat Lalji; 2, Durgabai, W/o Nand Kishore, 14-4-47, Begum Bazaar, Hyderabad, 3, Balkishan Ganeriwal, S/o late Govind Pershad Ganeriwal, Deenaband Estate Tılak Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House M. No. 7-1-39 at Ameerpeta, Hyderabad admeasuring 5130 Sq. yards or 4311 Sq. meters registered with the SRO, Hyderabad during the month of January, 1980 vide document no. 728/80.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Andhra Pradesh, Hyderabad.

Date: 10-9-80, Scal:

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th September 1980

Notice No. 277/80-81.—Whereas, I. H. TIMMAIAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing S. No. 461/415 situated at Porbayaddo, Bardez, Goa. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardez under document number 118 on 23-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

- (1) I. Mr. Edwin Francisco Jose Noronha, 2. Mrs. Mila Kismat Dias E Noronha, R/o Rua Dr. Gunha Gonsalves, Panaji, Goa, (Transferors)
- (2) Shri Satindar Mohan Malhotra, Morod, Porbavaddo, Calangute, Gon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 118 dated 23-1-1980]

Plot of land with house thereon measuring 1300 Sq. Metres known as "Morod" situated at Porbavaddo, Bardez, Goa bearing S. No. 461/415.

Η. ΤΙΜΜΑΙΛΗ Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalorec

Date: 16-6-1980.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th September 1980

Notice No. 278/80-81.—Whereas, I, H. TIMMAIAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 122/103 situated at Ward III, New Cotton Market, Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Hubli under document number 1885 on 14-1-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shidhingappa Ishwarappa Bulla, Lamington Road, Hubli.

(Transferoi)

Sha Bhavaralal Khojaji Ostwal,
 Sha Dhanaraj Khojaji Ostwal
 Sha Parasamal Khojaji Ostwal,
 partners in Sha Rajaji Khojamal & Sons,
 New Cotton Market, Hubli,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1885 dated 14-1-1980]

Land measuring 70 ft. × 133 ft with building thereon in C.T.S. No. 122/103 situated at Ward No III, New Cotton Market, Hubli.

H. TIMMAIAH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income tax, Acquisition Range,
Bangalore.

Date: 16-6-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th June 1980

Notice No. 279/80-81.—Whereas, I, H. TIMMAIAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the baid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.T.S. No. 122/103 situated at Ward III, New Cotton Market, Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Hubli under document number 1886 on 14-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, manuely:—

39--296 GI/80

- (1) Shri Shidlingappa Ishwarappa Bulla, Lamington Hubli. (Transferor)
- (2) 1. S/Shri Sha Bhavaralal Khojaji Ostwal, 2. Sha Dhanaroj Khojaji Ostwal, 3. Sha Parasamal Khojaji Ostwal, partners in Sha Rajaji Khojamal & Sons, New Cotton Market, Hubli,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1886, dated 14-1-1980)

Land measuring 50ft. x 133ft. with building thereon in C.T.S. No. 122/103 situated at Ward No. III, New Cotton Market, Hubli.

H. TIMMAIAH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income tax, Acquisition Range,
Bangalore,

Date: 16-6-1980

Form ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 4th August 1980

Notice No. 283/80-81.—Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 65/2A, plot No. 8 situated at I akamanahalli area, Dharwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharwar under document number 1574 on 30-1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

(1) Sh. Shrinivas Hanamantabhat Joshi, Income-tax Officer, Bangalore.

(Transferor)

(2) I Shri Imamasab Davalasab Navalagundakar, 2. Sh. Abdulkhadar Davalasab Navalagundakar, 3. Sh. Nazır Ahmed Davalasab Navalagundakar, 4. Sh. Hasanasab Davalasab Navalagundakar, Market, Dharwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1574, dated 30-1-1980)

Land and building in R.S. No. 65/2A plot No. 8 situated at I-akamanahalli area, interior to the Poona-Bangalore Road, Dharwar.

R. THOTHATHRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-8-1980

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th August 1980

Notice No. 284/80-81.—Whereas, I,

R. THOTHATHRI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Matriz No. 94, 97 and 98 situated at Taleigao village, Panaji,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas-Panaji under document number 1/143 on 5-1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) J. Mrs. Nina Noemia Pinto, 2. Xacuntala Elvina Antonia Pinto, 3. Teofilo Fernando Antonio Pinto, All R/o Campal, Panaji, Goa. 4. Prem S. Makhija, Campal, Panaji—Goa. (Confirming party)

(Transferor)

(2) M/s. Thaly Constructions, represented by Managing Partner Sri. Dattatrai Janardan Thaly, Sushila Building, 18th June Road, Panaji—Goa.

(Transferee)

(3) ---NIL---

(Person(s) in occupation of the property)

(4) 1. Devi Shriyani Educational Society, Vasco, Goa. The Greenland Co-operative Housing Society Ltd. Panaji represented by its Secretary Mrs. Garmes D'souza, 18th June Road, Sushila Building Panaji.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1/143 dated 5-1-1980)

Land measuring 5010.25 Sqm. known as "Varzena Sedundo Cunte de Navem Seta" bearing Matriz No. 94, 97 and 98 situated at Taleigao village, Panaji.

> R. THOTHATHRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE.

BANGAI ORE 560001

Bangalore 560001, the 17th September 1980

CR No 62/26127/79-80/ACQ/B—Whereas, I, R THOTHATHRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 17 situated at Grant Road, Maclever Fown Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Shivajingar Bangaloic Doc No 3098/79-80 on 30 1-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr Meheiji M Cooper No 77, Main Road, Royapurum, Madias 600013

(Transferor)

(2) Sh A A Raju, residing at No C-333, Defence Colony, New Delhi 110024, Rep by P A Holder Smt Kaveii Nadamangalam No 17, Grant Road, Bangalore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 3098/79-80 dated 30-1-1980)

Southeastern Portion of the premises bearing No. 17, situated at Grant Road, Maclevei Town, Bangaloie, measuring 3750 Square feet

R. THOTHATHRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 17-9-1980 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE,

BANGALORF-560001

Bangaloic-560001 the 24th September 1980

CR No 62/26140/79-80/ACQ/B—Whereas, I, R THOTHATHRI,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason or belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

RS No 420, and TS No 255, situated at Kodiyal bail Village Kodiyal bail ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mangalore Document No 939/79 80 on 21 1-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Alexander D'Souza, S/o Late Martin D'souza, Numala Vihar, Balmatta New Road Mangalore (Transferor)
- (2) Sij Cyril Albeit D'souza, Moyadi House, Maiemajal village Bantwall (Tq) South Kanaia GPA Holder Sri Albeit Fernandes, S/o Simon Fernandes, Alasara Guthe, Talipady village, Mangalore (Tq) (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 939/79 80 dated 21 1 80)

Property—Land and building—bearing RS No 420, TS No 255, Kodiyalbail Village, Kodiyalbail Ward, Mangalore Bounded by

On North Part of the same TS No.

On South Survey Line

On Fast Survey Line

On West . Pathway

R THOTHATHRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 6-8-1980 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BANGALORF-560001

Bangalore-560001, the 22nd September 1980

C.R. No. 62/26212/79-80/ACQ/B.—Wheteas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason or believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at 8th cross, Magadi Road Bangalore city (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram Document No. 3746/79-80 on 21-2-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. K. Ktishna Holla No. 9, 4th cross, N.S. Iyen-gar street, Sheshadripuram, Bangalore.
 - (Transferor)

(Transferce)

[PART III — SEC. 1

 M/8 Bright Metal Industries No. 1, 8th cross, Magadi road Bangalore-23.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3746 dated 21-2-1980)

Site with an Industrial shed bearing No. 1, Situated at 8th cross, Magadi Road, Bangalore City.

Asbestos roofer shed measuring about 26 Sqs.

Bounded by

On North: Road

On South: Property belonging to Smt. Kaveramma.

On East: Road On West: Road

R. THOTHATHRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Bangalore

Date: 22-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006,

Madras-600 006, dated 26th August 1980

Ref. No. 53/JAN/80.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 8, situated at Di Guruswamy Mudaliar Road, Chetput, Madras-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Officer at at SRO Periamet, Madias (Doc No. 238/80) on Ian 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Sarada Badradii, No. 8, Dr. Guiuswamy Mudaljar Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Mangilal Maniekehand & Co., icp. by Shii G M Jain, No 9, Evening Bazaai, Madras-600 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 238/80 S.R.O. Perlamet, Madras Land & Buildings at Door No. 8, Dr. Guruswamy Mudaliar Road, Chetput, Madras-600031.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madias-600 006.

Date: 26-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 26th August 1980

Ref. No. 54/IAN/80.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 376/7, situated at Dr. Guruswamy Mudaliar Road, Chetput, Madias-31.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 240/80) on Jan. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. S. Badradii, No. 8, Dr. Guruswamy Mudalinr Road, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) M/s. Mangilal Manickchand & C., No. 9, Evening Bazaar, Madras-600 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No 240/80 S.R.O. Periamet, Madras.
Piece of Land in R. S. No. 376'1, Dr. Guruswamy Mudaliar Road, Chetput, Madras-31.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ranges-I, Madras-600 006.

Date: 26-8-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 26th August 1980

Ref. No. 61/JAN/80.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and Bearing No.

No 15, situted at Harrington Road, Chetput, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 135/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Pragasam Nathan rep. by General Power of Attorney Mr. A. Gnana Raju, No. 42, P. V. Koil Street, Royapuram, Madras-600 013.

(Transferor)

(2) Miss S. Vijayalakshmi, No. 23, Dr. Guruswamy Mudaliar Road, Chetpet, Madras-600 031.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 135/80 S.R.O. Perlamet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 15, Harrington Road, Chetpet, Madras-31.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ranges-I, Madras-600 006.

Date: 26-8-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 22nd August 1980

Ref. No. 26/MARCH/80.—Whereas, I, O. ANANDA-RAM.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79, situted at Beach Road, Tuticorin

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at JSPO II, Tuticorin (Doc. No. 490/80) on Madch 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. D. S. Henry, Shri N. L. Kirby Madura Coats Ltd, Tuticorin.

(Transferor)

(2) Shri S. Silvester, Secretary, Coral Mills Workers' Co-operative Stores Ltd, No. 0.947, Tuticorin.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 490/80 JSRO II, Tuticorin. Land & Buildings in Door No. 79, Beach Road, Tuticorin.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-600 006.

Date: 26-8-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 10th September 1980

Ref. No. 44/JAN/80.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. New No 7, situated at Kariappa Mudali Street, Purasawalkam, Madias-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSRO II Madras North (Doc. No. 101/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

 Shri H. P. Nathan, No. 7, Kariappa Mudali Street, Purasawalkam, Madras-7.

(Transferor)

(2) South Andhra Luthern Church, Missionery Compound, South Andhra Luthern Church, Naidupet, Nellore Dist. (A.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 101/80 JSRO II, Madras North.

Land & Buildings at Door No. 7, Kariappu Mudali Street, Purasawalkam, Madras-7.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ranges-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 10th September 1980

Ref. No. 56/JAN/80,—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, situted at Agasthia Nagar, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 188/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. N. Rajakumari, No. 25, Luz Charuch Road, Madras-4.

(Transferor)

Mrs. Bhagawanti Kishinchand Moorjanl,
 Mr. Mangaraj Kiratrai Moorjani,
 No. 12, Agastiya Nagar, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 188/80 S.R.O. Periamet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 90, Agasthia Nagar, Madras-10.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Ranges-I, Madras-600 006.

Date: 10-9-1980

Sen!:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, dated 10th September 1980

Ref. No. 62/Jan/80.—Whereas, I, O, ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. New Door No. 4, situated at Appasami Street, Off Harrington Road, Chetput, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 120/80) on Jan. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betweeen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the putposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Lilaram Nichani,
 - Shri Motilal
 - 3. Shri Rajalal. No. 4, Appasami Street,

Off Harrington Road, Chetput, Madras-31. (Transferor)

(2) 1. Shri Rajnikant J. Turakhia, 2. Mrs. Sarala R. Turakhia.

 Shri Kirankumar J. Turakhia &
 Mrs. Meena K. Turakhi, No. 11, Rajachar Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 120/80 S.R.O. Periamet, Madras.

Land & Buildings at New Door No. 4, Appasami Street, Off Harrington Road, Chetput, Madras-31.

O. ANANDARAM.

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 10-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 10th September 1980

Ref. No. 70/JAN/80.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 254, situated at Kilpauk Garden Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras (Doc. No. 51/80) on Jan 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. S. Sankara Mudaliar, Maple Houst Berund Road, Kodaikanal.

(Transferor)

(2) Maranatha Full Gospel Association, No. 91, Dr. Alagappa Chettiar Road, Madras-600 084.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 51/80 S.R.O. Periamet, Madras.

Land & Buildings at Door No. 254, Kilpauk Garden, Road, Madras-10.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ranges-I. Madras-600 006.

Date: 10-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 10th September 1980

Ref. No. 73/JAN/80.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 57, situated at Vanitha Avenue, Chetput, Madras-31. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SRO, Periamet, Madras (Doc. No. 9/80-81) on Jan 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri S. Ramamoorthy,

No. 57, Vanitha Avenue, Chetput, Madras-31.

 R. Narmadha, No. 36, Paddy Field Street, Perambur, Madras-31.

Minor R. Srinivsana
 Minor R. Sangeetha

By Guardian Shri S. Ramamoorthy, No. 57, Vaniatha Avenue, Chetput, Madras-31. (Transferor)

(2) Shri Shyam Sundarlal Rathe, Smt. Rama Devi Rathe, No. 422, Mint Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 9/80 S.R.O. Periamet, Madras

Land & Buildings at Door No. 57, Vanitha Avenue, Chetput, Madras-31.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranges-I, Madras-600 006.

Date: 10-9-1980

Scal:

FORM NO ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE II, MADRAS 600 006

Madras-600 006 dated 15th September 1980

Ref No 8885—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 224, Sri Subramania Bharathi, situated at St., Karaikal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Karaikal (Doc 21/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance in section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores aid property by the issue of this notice under subsection '1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kamala (ahas) Arokia Mary 25, Sitharam Nagai, (iiddaloic N T

(Transferor)

(2) M G Jaynampukkanı Ammal W/o Late K S Abdul Hamıd, 24, Kailasanathar Koil St, Kailaikal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 224, Sri Subramania Bharathi St , Karaikal (Doc 21/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ranges-I, Madras-600 006

Date 15-9-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 15th September 1980

Ref. No. 8877.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40A, 40B, situated at Railway Station Road, Vaiganal-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Karur (Doc. 5/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41---296GI/80

 Karuppiah Pillai S/o. Kamatchiyapillai, 40A, Railway Station Road, Vaiganallur, Kulittalai.

(Transferor)

(2) S. Shanmughavel S/o N. Subramania, Chettiar Kolampattarai St., Vaiganallur, Kulitalai S. Rangaraju S/o. N. Subramania Chettiar, Poralamman Koil St., Vaiganallur, Kulitalai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 40A, 40B, Railway Station Road, Vaiganallur, Kulitalai (Doc. 5/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-600 006.

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 15th September 1980

Ref. No. 8891.—Whereas, I. Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. TS. No. 135 (part, Abishckapuram situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 225/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sabitha Ramamurthy, 5/8 & 9, Alexandria Road, Cantonment, Trichy.

(Transferor)

PART III-SEC. 1

(2) Mohadar Ahmad, 32A, Jamaluddin Hussain St., Palakkarai, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 135, Abishekapuram, Trichy.

(Doc. 225/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras, 600 006.

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 15th September 1980

Ref. No. 8899.-Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. TS. 3894 South 2nd St., situated at Pudukottai and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc. 215/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

27-296GT/80

(1) Chidambaram Chettiar S/ofl Muthiah Chettiar, Kuruvi Kottampatti, Rangiyam, Thirumayam Tk.

(Transferor)

(2) Nachiyappa Chettiar, S/o. Valliyappa Chettiar, Rangiyam, Thirumyam Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. 3893 South 2nd St., Pudukottai (Doc. 215/80)

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 15-9-1980

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 15th September 1980

Ref. No. 8898.—Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 140, Kamatchi Amman, situated at Koil St., Pondicherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pondy (Doc. 147/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Alexandre Aristide
S/o. Alexandre Arogiaswamy
Alexandre Troudeya marie Emilda
W/o Alexandre Aristide,
82/B, Montersier St., Pondy-1.

(Transferor)

 S. Rathinavclu S/o Sivasubramanian, 140, Kamatchiamman Koil St., Pondy-1.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 140, Kamatchiamman Koil St., Pondicherry.

(Doc. 147/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-600 006.
MADRAS-660 006.

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th September 1980

Ref. No. 8902.—Wheres, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nellumandi St., Pudukottai, situated at Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

at Pudukottai (Doc. 138/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a' facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Abdul Hamid, Nellumandi St., Pudukottai

(Transferee)

(2) Dr. S. K. Rajan, Dr. P. Nagarathinam TS 4248, South 3rd St., Pudukottai.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Nellumand St., Pudukottai (Doc. 138/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-600 006.
MADRAS-660 006.

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 00

Madras-600 006, dated 15th September 1980

Ref. No. 15096.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. i4, Vannandurai St., situated at Damodarapuram, Adyar, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Saidapet (Doc. 52/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M. A. Sirajuddin, M. A. Akbar Shariff
 M. A. Jamaluddin Rep. by M. A. Akbar Sheriff,
 Jagannathan Road, Madras-34.

(Transferee)

(2) L.P. Das & Mrs. Hilda Das, Rep. by Soosai Raj, 36, Brahmin St., Velachery, Madras-42.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, Vannandurai St., Damadarapuram, Adyar, Madras. (Doc. 52/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras-600 006.

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 600 006

Madras-600 006, dated 12th September 1980

Ref. No. 8895.—Whereas J, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Vivekanandanagar, situated at Ozhukarai Commune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Pondy (Doc. 6/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Theodore Sambath Commer Amounda 9A, Compagine St., Pondicherry.

(Transferor)

(2) Martine Dassan,Rep. by Gloria Dassan,48, Laporte St., Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Vivekanandanagar, Ozhukarai Commune.
(Doc. 6/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date 12-9-1980 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS

Madras-600 006, dated 15th September 1980

Ref. No. 8903.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. Kizha 3rd St., situated at Pudukottai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc. 126/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. N. Lakshmi Ammal Panchapakesan Sivaramakrishnan
 P. Viswanatha Iyer, TS 3078, Kizha Raja St., Pudukottai.

(Transferor)

 P. Pappal W/o. N. Lakshmanan Chettiar Nachandupatti, Kottur, Thirumayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kizha third St., Pudukottai. (Doc. 126/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-TaxAcquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th September 1980

Ref. No. 8895.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vivekanandanagar situated at Ozhukarai Commune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pondy (Doc. 7/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—296GI/80

(1) Marie Joseph Mahedi Ammounda 9A, Campagine St., Pondicherry.

(Transferor)

(2) Bernord Dassan Rep. by Gloria Dassan 48, Reporte St., Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Vivekanandanagar, Ozhuakarai, (Doc. 7/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date 12-9-1980 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL

Madras-600 006, the 18th September 1980

Ref. No. 10622.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. 54, situated at Goundanpalayam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at G. Puram (Doc. 110/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing resons namely:—

(1) R. T. Layankanthan, S/o. K. Thiruvenkatachariar, Branch Manager, T. V. S. & Sons Ltd. Ernakulam Kerala.

(Transferor)

(2) Mis Preethi P. ArtherF/o Prakash K. Arther54. Goundanpalayam, Coimbatore.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 54, Goundanpalayam, (Doc. 110/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date 18-9-1980 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS

Madras-600 006, the 11th September 1980

Ref. No. 8883.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 557, situated at Andakoil Kizhbagam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Karur West (Doc. 50/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rasappa gounder, Chellammal, Saraswathy Ramagoundanpudur, Anandankoil Kizhbagam, Karur.

(Transferoi)

(2) R. Balan, NatarajanPalaniappa Mudaliar,1B, Pugalur Road, Karur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and at S. No. 557, Andankoil Kizhbagam. (Doc. 50/80)

RADHA BALAKRISHNAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date 11-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, dated 11th September 1980

Ref. No. 8883.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 557, Andankoil Kizhbagam, situated at Madias (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Karur West (Doc. 49/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Chellammal, Saraswathy, Rasappa Gounder Ramagoundanpudur, Andankoll Kizhbagam, Karur.

(Transferor)

R. Palamappan,
 R. Thangavei
 B, Pugalur Road,
 Karur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 557, Andankoil Kizhbagam. (Doc. 49/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-600 006.

Date . 11-9-1980 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, dated 11th September 1980

Ref. No. 15033.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 65, Santhome High Road, situated at Karpagam Avenue, Madras-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 127/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 o f 1957);

 Rustom Khurshedji Dastur Philroy, 151, Village Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Building Investments,3, Nawab Habibullah Avenue,Anderson Road, Madras-600 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and building at 65, Santhome High Road, Madras-28. (Doc. 127/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 11th September 1980

Ref. No. 10638.--Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. B79, situated at The Bharathi Co-operative Building Society Ltd., Peelamedu (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 249/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- P. S. Sridhar S/o. P. A. Subramanian B. 79, Bharathi Co-op. Building Society Colony, Peelamedu, Coimbatore.
- (2) S. Shankar, S/o P. A. Subrambaniam, B. 79, Bharathi Co-op. Building Colony, Peelamedu, Coimbatore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and biulding at B79, Bharathi Co-op. Building Society Colony, Peelamedu, Coimbatore.
(Doc. 249/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 11-9-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 11th September 1980

Ref. No. 10639.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 9A, Souripalayam situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 242/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2695 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. Jothikumari
 Ellaithottam Road, Peelamedu, Coimbatore-4.

(Transferor)

(2) C. Rajammal 78A, Giriamman Koil St., Peelamedu, Coimbatore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 9A, Souripalayam Coimbatore. (Doc. 242/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11,
Madras-600 006

Date: 11-9-1980

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600 006, the 11th September 1980

Ref. No. 15048.—Whereas I, RADHA BALKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9, 1 Main Road, Gandhinagar, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 206/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

T. Krishnakumari,
 1 Main Road, Gandhinagar,
 Madras-20.

(Transferor)

(2) K. Mohamed Ali Mis. Valiya Peediyakkal Safiya No. 25, Dr. Besant Road, Ice House, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 9, I Main Road, Gandhi Nagar. Madras. (Doc. 206/80)

RADHA BALAKRISHNAN.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range II

Madras-600 006

Dated: 11-9-1980

Seal ;

FORM NO ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAY ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II

Madras 600 006 the 11th September 1980

Ref No 15022—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 54, Sullivan Garden St, situated at Madias 4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapoie (Doc 47/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

43-296 GT/80

(1) C V Balakrishna Chettiar 54, Sullivan Garden St, Madras-4

(Transferor)

(2) Smt Fathima Muzammla 24 Kai pagam Avenue, Madrus 28

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHFDULE

I and and building at 54, Sullivan Gaiden St Madras-4 (Doc. 47/80)

RADHA BAI AKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
Madias-600 006

Date 11 9 1980 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th September 1980

Ref. No. 10628.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS. No. 9/20 situated at Anupperpalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 505/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Smt. S. Alamelu Ammal, 11/22, Vivekananda Road, Coimbatore. (Transferor)
- (2) A. R. Gopinath, 11/22, Vivekananda Road, Combatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. No. 9/20, Anupperpalayam. (Doc. 595/80)

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-9-1980

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1980

Ref. No. 15094.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 89, C. N. Krishnaswamy situated at Road, Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 21/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Vazhappilly Property Development and Finance Co.
 (P) Ltd.,
 Respectively.
 Respectively.
 (P) Ltd.,
 (P) Ltd.,
 (P) Ltd.,
 (P) Ltd.,
 (Respectively.
 (Transferor).
- (2) The Association of Engineers Tamil Nadu Public Works Department, 89, C. N. Krishnaswamy Road, Madras-5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 89 C. N. Krishnaswamy Road, Madras-5. (Doc. 21/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 12-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1980

Ref. No. 15088.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55, Venkatanarayana Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 64/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) T. Ponnammal, K. R. Narayanan K. R. Ramakrishnan, Thankam Ramanathan, 55, Venkatanarayana Road, Madras-17. (Transferor)
- T. Visalakshi,
 II Main Road, CIT, Nagar, Madras-35.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 55, Venkatanarayana Road, Madras-(Doc. 64/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 12-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONR OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th September 1980

Ref No 15091 —Whereas I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No 14 II Cross St., situated at West CIT Nagai Madias-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Midi is South (Doc. 198/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sivakumar, 14, II Cross St, West CIT Nagar, Madras-35

(Transferor)

(2) Mrs A Padma Miss A Jananalini Miss A Rajeswari III Cross St, West C1T Madras-35

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building 14, II Cross St., West C1T Nagar, Madras-35 (Doc 198/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date 12 9 1980 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th September 1980

Ref. No. 15092.-Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 81, South West Boag Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc 108/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) V. B. S. Manian, 81, South West Boag Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) G. K. Andalamma 41, Varada Muthiappan St., G. T. Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 81, South West Boag Road, Madras. (Doc. 108/80)

> RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II,

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

ing persons, namely :---

Date 12-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

V. Lalitha, 19, Aziz Nagar, IInd St., Madras-24.

7, Vellaiammál St., Madras-600 010.

(1) T. K. Joshua,

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th September 1980

Ref. No. 15006.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10, Varghese Avenue, situated at Ashok Nagar, Madras-83 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam (Doc. 277/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10, Varghese Avenue, Madras-83. (Doc. 277/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1980

Ref. No. 15089.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 249, Mount Road, situated at Madras-6 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at T. Nagar (Doc. No. 55/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Official Trustee of Tamilnadu High Court, Madras-1.

(Transferor)

Mrs. Sabina Kamaluddin,
 Kannagi St., Vinayakapuram,
 Madras-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 249, Mount Road, Madras-6. ((Doc. No. 55/80)

RADHA BALAKRISHNAN.
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 12-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th September 1980

Ref. No. 15095.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11, Besant Avenue Road, situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. No. 43/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) D. Mukherjee, 11, Besant Avenue Road, Madras-20.

(Transferor)

(2) Capt. H. Sunderam, 55, Satyanaraya Apartments, Poes Gardens, Madras-600 018.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 11, Besant Avenue Road, Madras- $600\,020$.

(Doc. No. 43/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
,Madras-600 006.

Date: 15-9-1980

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) C. Srinivasa Rao, 1, IV Rust Link St., Madras-28

(1) V. Ranganathan,

Madras-4.

Dwaraka Colony,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1980

Ref. No. 15023.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, Dwaraka Colony, Edward, situated at Elliots Road. Madras-4,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 27/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at 9. Dwaraka Colony, Edward Filliots Road, Madrus-4.

(Doc. No. 27/80)

RADHA BALAKRISHNAN.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 12-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th September 1980

Ref. No. 8889.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

TS No. 806/1, 806/2, 806/3, situated at Koranadu,

Mayuram (Doc. No. 61/80) on January 1980

Ganapathi nagar, Mayuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Thiagarajan, Sarabojirajapuram Agraharam Thiruvengadu Sirkali Tk.

(Transferor)

(2) Mehrunnisa,W/o Amanulla, Koranadu14, Big Muslim St., Mayuram Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 806/1 to 806/3 Ganapathinagar, Koranad, Mayuram.

(Doc. 61/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 15-9-1980

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th September 1980

Ref. No. 10652.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 2309/5CI, situated at Parvati Nivas College Road, Coonoor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Coonoor (Doc. No. 80/80) on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. T. Parvathlammal W/o C. Sankaran Nair, Vasanth College Road, Coonoor-2.

(Transferor)

(2) N. Santhokchand, N. Jaithmull, N. Ashkaran N. Mothilal S/o Nemichand, 10, Cross Bazar, Cooncor-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS. No. 2309/5C1, Parvathi Nivas. College Road, Coonoor.

(Doc. No. 80/80)

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 15-9-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th September 1980

Ref. No. 8905.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5 to 17, Dr. Ganesan St., situated at Kottapatu Village, Ponmalai, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 23/80)

on January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) P. R. Sundarajan, o P. N. Raman Kalyanapuram, Thennur Trichy.

(Transferor)

(2) Syed Akthar Sha S/o Syed Akbar Shah, Subramaniapuram, Race Course, Trichy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5 to 17, Dr. Ganesan St., Kottapattu, Ponmalai.

(Doc. 23/80)

RADHA BALAKRISHNAN. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Madras-600 006.

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th September 1980

Ref. No. 15031.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, Eldams Road, Madras-18 situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 138/80) on January, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as faoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the habilary of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 C. Natarajan, 41, Chamlers Road, Madras-18.

(Transferor)

(2) R. Ravikanthan 45, Thennamaram St., Vellore, N.A.Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 3, Eldams Road, Teynampet, Madras-600 018.
(Doc. 138/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
,Madras-600 006.

Date: 15-9-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th September 1980

Ref. No. 15039/80.—Whereas, I, RADHA BALA-KRISHNAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

New No. 138 situated at St. Mary's Road, Alwarpet, Madras-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

SRO Mylapore, Madras (Doc. No. 80/80) on January 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Nava Bharat Enterprises Pvt. Ltd., by Managing Director Shri A. S. Chowthri, 6-3-654, Sonaji Guda, Hyderabad-500 004.

(Transferor)

(2) M/s. Anil & Sunil Traders. by partner Shri Ramjidas Bhatla, No. 43, Sydenhams Road, Periamet, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 80/80 S.R.O. Mylapore, Madras. Land & Building at Door No. 138 (New) St., Mary's Road Alwarpet Madras-18.

RADHA BALAKRISHNAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
,Madras-600 006.

Date: 25-9-1980

Form IINS-----

(1) Shri Biswanath Arora & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th October 1980

Ref. No. Ac33/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 315 & 316, situated at C.I.T. Sch. No. VI-M Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurance, Cal. on 30-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Mahabir Prasad Parasram Puria.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 315 & 316 C.I.T. Sch. No. VI-M. Fool bagan Cal. Area 6k. 15 sq ft. more particularly described in deed No. 537 dt. 30-1-80.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcuta-16.

Date: 8-10-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Biswanath Arora & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ridh Karan Parasrampuria,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th October 1980

Ref. No. Ac34/R-II/Cal|80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 315 & 316, situated at C.I.T. Sch. No. VI-M Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Regd. of Assurance, Cal. on 30-1-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45-296 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 315 & 316 at C.I.T. Sch. No. VI-M As fool bagan, Cal Rrea 6K 15 Sq ft, more particularly described in deed No. 550 dt. 30-1-80.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 8-10-1980

(1) Shri Biswanath Arora & Ors.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Shri Suresh Kumar Parasrampuria.

may be made in writing to the undersigned --

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th October 1980

Ref. No. Ac35/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 315 & 316, situated at C.I.T. Sch. No. VI-M, Calculta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Regd. of Assurance, Cal. on 30-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afoiresaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 315 & 316 at C.I.T. Sch. No. VI-M As foolbagan, Cal., Area 6 K 15 Saft more particularly described in deed No. 549 dt. 30-1-80.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 8-10-1980

(1) M/s. City Bank N.A.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Alluminium Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, CALCUTTA

Calcutta-16, the 9th October 1980

Ref. No. Ac-36/R-II/Cal/80-81,—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. 17 situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurance, Calcutta on 3-1-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storied Bldg. measuring on area 1.20625 & 1.39486 Bighas, P.S. Alipore, Calcutta at premises No. 17, Alipore, Road, Calcutta, More particularly described in Deed No. 18 dt. 3-1-80.

K. SINHA,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 9-10-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

Ref. No. RAC. No. 1067/80-81 Kakinada Squad.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 1-12 situated at Purushotta Patnam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chilakaluripeta on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Arumalla Rattamma, W/o Shri Venkatappaiah, Chilakaluripeta, Guntur Dt.

(Transferor)

(2) 1. Sri Makineni Anjaneyulu, 2. Smt. M. Suseela, 3. Sri P. Mohanarao, 4. P. R. K. Moorty, 5. Smt. P. S. Ravamma, 6. Sri P. Chendramouli, 7. Sri P. Ravindra Babu, 8. Sri P. Hanumantha Rao & 9. Sri E. Sambireddy, All R/o Timmapuram Village, Chilakaluripet Taluk.

(1ransieree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 1-12 cents in Purushottapatnam Village bearing D. No. 119/C registered under document No. 165/80 with the SRO, Chilakaluripeta.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-10-1980

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

RAC No. 1068/80-81/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinaster referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ac. 7-49 & Site 0-17, situated at Katur Village Vuyyur Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vuyyur on February, 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 411 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Kodey Madhavarao, 2. Kodey Venkateswararao,
 Kodey Suresh Kumar, 4. Kodey Narendra Rao and 5. Kodey Satish,
 All R/o Katur Village, & Post. Krishna Dt. (Transferor)
- Smt. Kodey Prabavathi,
 W/o Sri Rajendra Prasad,
 Kaleswararao Road, Governorpeta,
 Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land and Site ad-measuring 7-49 and 0-17 cents at Katur Village in S. Nos. 519 & 520 registered with the SRO, Vuyyur in the month of February, 1980 under document No. 179/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

RAC No. 1069/80-81 Kakinada Squad.---Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 69B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 9-11 situated at Boddapadu Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kankipadu on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Narla Jalajakshamma, W/o Shri Kutumba Rao, Boddapadu, Via. Kankipadu, Krishna Dt.

(Transferor)

(2) Smt. Myneni Siva Parvati Devi,
 W/o Dr. Ramesh Babu
 2. Sri Myneni Ramesh Babu
 S/o Shri Nageswara Rao
 R/o Vuppuluru-Kankipadu Tq. Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 dadys from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agl. land at Boddapadu Village Ad-measuring 9-11 cents under S. Nos. 93/1, 93/3, 221/1, 222/2, 216, 119/2, 99/5 & 110/2 registered with the SRO, Kankipadu in the month of February, 1980 under document No. 128/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-10-1980

AKI III—BEC. I

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

RAC No. 1070/80-81/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 43-23-5 situated at Allipuram Ward, Dondaparty area (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vizag on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Gode Suryanarayana, S/o G. Kameswara Ruo, Bhimunipatnam.

(Transferor)

(2) Sri P. R. Krishna Murthy, S/o Late Raghavayya, Vizag-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing D. No. 43-23-5, Allipuram Ward, Dondaparti area-Block No. 21-T S. No. 328A-Plot No. 15, Visakhapatnam registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of February, 1980 vide document No. 610/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-10-1980

[PART III- SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

RAC No. 1071/80-81/Kakinada Squad.— S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site situated at Beach Road Kirlampudi Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Sunkara Venkata Ramana Rao, S/o Swamy Naidu, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mallipudi Satya Prasad, S/o Sri Sathi Raju, Peddada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are dfined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site situated in beach road known as Kirlampudi Colony of Vizag Municipal Corpn-Waltair Ward T.S. No. 1009 Plot No. 1 admeasuring 873 Sq. yds. registered with the SRO, Vizag in the month of February, 80 vide document No. 921/80.

S. GOVINDARAJAN,

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

RAC No. 1072/80-81/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T.S. No. 319 situated at Maharajpeta, Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46-296GI/80

(1) Sri Yechuri Varahanarasimha Sarma S/o Late Lakshmi Narayana, Anandapuram, Bhimili Taluk.

(Transferor)

1. P. Satyanarayana, 2. Appa Rao, 3. Suryanarayana.
 4. Badari Narayana, 5. Venkata Rao, 6. Venkatarao,
 7. Govindarao, 8. Ramakrishna, 9. P. V. Narayana,
 Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing T.S. No. 319-Old S. No. 189 at Maharaj peta, Vizianagaram registered with the SRO, Vizianagaram during the month of February, 1980 vide document No. 605/80.

S. GOVINDARAJAN.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-10-1980

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

Ref. No. RAC. No. 1073/80-81/Kakinada Squad.— S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1-10 & 1-17 (2) situated at 1st Ward Anaparty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Biccavole on February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the in Chok Baba Sah' bi Bazar Lachhmansar Kucha Bhabrian, the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri Potamsetty Janakirama Reddy, S/o Rami Reddy, Anaparty.

(Transferor)

 Sri Nalammılli Bulli Reddy, & Others, S/o Nagi Reddy, Anaparty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site and tiled house bearing Door No. 1-10-17, Anaparty in East Godavari Dt. registered with the SRO, Biccavole during the month of February, 1980 vide document No. 300/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 6-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Kovyuri Venkata Reddy, S/o Subbaraidu, Anaparty.

(Transferor)

(2) Sri Nalammilli Bulli Reddy, S/o Nagi Reddy & Others, Anaparty.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

Ref. No. RAC. No. 1074/80-81/Kakinada Squad.—S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1-10(1) & 1-17(1) situated at Anaparty

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Biccavole on February, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site and Tiled House bearing door No. 1-10(1) & 1-17(1) 1st Ward, Anaparty in East Godavari Dt. registered with the SRO, Biccavole during the month of February, 1980 vide document No. 301/80.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th October 1980

Ref. No. RAC No. 1075/80-81/Kakinada Squad.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site situated at Ward 9 Block-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on February, 1980

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Meka Veera Banganayakamma, W/o Sri Venkateswararao, Suryaraopeta, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Kalluri Ramu S/o Thanitayya, Suryaraopet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site ad-measuring 430 Sq. yards-Suryararaopeta, Ramachendrao Street, Ward-9, Block-18 Vijayawada registered before the SRO, Vijayawada during the month of February, 1980 vide document No. 676/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th October 1980

Ref. No. KNL/57/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 87 kanal 11 marla situated at Kunjpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in February 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Satya Pal S/o Shri Sonu Ram alias Sh. Sawan Ram R/O E-99, Ram Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Chuni Lal S/O Sh. Tera Chand, R/O Charchanan, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 87 K 11 Marla situated at Kunjpura and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2009 dated 26-2-80 with Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 7-10-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th October 1980

Ref. No. KNL/56/79-80.-Whereas J, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 10 Bigha 12 Bishwas, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in January 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) S/Sh. Rayinder Kumar, Raj Kumar sons of Shri Har Bhagwan R/O Chandigarh.
 - (2) Shri Subhash Chand S/o Sh. Harbhajan Lal, R/O Shakti Colony, Karnal.

(Transferors)

- (2) (1) Sh. Banarsi Lal S/O Sh. Ladha Ram,
 (2) Sh. Kartar Singh S/O Sh. Ralu Singh,
 (3) Sh. Harcharan Singh S/O Sh. Kuldip Singh,
 (4) Smt. Rajkaur W/o Sh. Tejvinder Singh,
 (5) Sh. Jagvinder Singh S/O Sh. Kartar Singh,
 P/O Karnal R/O Karnal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are declined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 Bigha 12 biswa situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6472 dated 29-1-1980 with the Sub Registrar, Kamal.

> G. S. GOPALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax . Acquisition Range, Rohtak.

Date: 6-10-80.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th October 1980

Ref. No. KNL/49/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 9 bigha 7 biswa, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Amar Singh S/O Sh. Shiv Ram R/O Mohalla Kot, Karnal.

(Transferor)

- (2) S/Shri Charanji Lal S/O Sh. Munshi Ram.
 - 2. Prem Chand S/O Bishamber Dass

 - Suraj Bhan S/O Charanji Lal
 Naresh Kumar S/O Sh. Prem Chand, 5. Kamlesh Rani W/O Sh. Bal Krishan,
 - R/O Karnal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in the Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 bigha 7 biswa situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6009 dated 16-1-80 with the Sub Registrar, Karnal.

> G. S. GOPALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-10-1980

11778

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th October 1980

Ref. No. KNL/57/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 12 kanal 194 marla situated at Vill. Daveda Teh. Kamal

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Karnal in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) M/S Kundan Lal Durga Dass Travadi C/O Sh. Kundan Lal & Durga Dass Ss/O Shri Narain Singh, Smt. Gun Devi W/O Shrì Sant Ram & Mangat Ram S/O Sh. Kansi Ram, Travadi.

(Transferor)

S/Shri

(2) 1. Ashok Kumar Rajinder Kumar sons of Shri Jagat Ram

 Ram Kumar & Ram Parshad sons of Sh. Basheshar Dass.
 Sh. Shish Pal

 Sh. Shish Pal Rs/o Travadi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 kanal 19½ situated at village Dadeva and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 6483 dated 29-1-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-10-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohiak, the 4th October 1980

Ref. No KN1/48/79-80.—Whereas I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 19 Bigha situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in January 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Harkesh S/O Sh. Shiy Ram S O Sh. Hira, R/O Moh. Kot, Karral.

(Transferor)

(2) \$78h. Charanjit Lal S O Munsi Ram, 2. Prem Chand \$70 Bishamber Dass,

3. Smay Bhan S/O Charanjit Lal

 Natesh Kumai S O Prem Chand
 Smt. Kamlesh Rani W/O Bal Krishan, R/O Kamal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the soid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 19 highs situated at Karnal and as more mentioned in the side deed registered at Sr. No. 5994 dated 15-1-1980 with the Sub Registrar.

G. S. GOPALA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 4-10-1980

(1) Shri Nanda Dulal Sreemani.

(Transferor)

(2) Sti Ananda Dani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONI-R OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1980

Ref. A.C.-25/II-Cal/80-81.—Whereas, I,
K. SINHA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
194, situated at Maniktala Main Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officet
at S.R. Scaldah Calcutta on 16-1-80
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property,

consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

value of the property as aforesaid exceeds the apparent

and I have reason to believe that the fair market

in respect of any income arising from the transfer, and/or.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1,8th share of two storied bldg, area 22K-14ch—26 sq. ft at Premises No. 194A, Sachin Son Saraine, Old No. 194, Maniktala Main Rd., Calcutta under P.S. Maniktala. More particularly described in Deed No. 42 dated 16-1-80.

K SINHA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 7-10-80

Seal